केनरा बैंक की
द्विमासिक गृह पत्रिका
अगस्त 2024 – सितंबर 2024 । 296

श्रेयस Shreyas

Canara Bank's
Bimonthly House Magazine
August 2024 - September 2024 I 296

कृषि बैंकिंग – समृद्धि का बीजारोपण
Agricultural Banking - Planting the seeds of Prosperity

Atmanirbhar Bharat Abhiyaan
Special Feature from PC Wing - Page 8

यादों का घरौंदा – गोवा की सैर
- Page 25

Explore Dharamkote
Travelogue - Page 16

कृषक उत्पादक संगठन
- Page 42

Delve into Goan Cuisine
- Page 69

Insight into Goa's Agriculture heritage
- Page 47

गोवा – धूप, रेत और शांति की भूमि
GOA - *The Land of Sun, Sand and Serenity*

और जानने के लिए स्कैन करें
Scan to know more

दिनांक 17.08.2024 को भीमावरम क्षेत्रीय कार्यालय के सहायक महाप्रबंधक श्री थोटा रवि चंद्रा, प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी निदेशक श्री सत्यनारायण राजू की गरिमामयी उपस्थिति में भीमावरम क्षेत्रीय कार्यालय परिसर का उद्घाटन करते हुए।

Sri. Thota Ravi Chandra, AGM and Regional Head, Bhimavaram inaugurating the new Bhimavaram RO premises in the presence of MD & CEO Sri. Satyanarayana Raju on 17.08.2024.

स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर प्रधान कार्यालय बेंगलूरु में केनरा विद्या ज्योति छात्रवृत्ति प्रदान करते हुए प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के सत्यनारायण राजु। चित्र में कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी, श्री अशोक चंद्र, श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया, श्री भवेंद्र कुमार और मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री नबीन कुमार दास भी दिखाई दे रहे हैं।

MD & CEO Sri. K Satyanarayana Raju handing over Canara Vidya Jyoti Scholarship on the occasion of Independence Day Celebrations held at HO Bengaluru. EDs Sri. Debashish Mukherjee, Sri. Ashok Chandra, Sri. Hardeep Singh Ahluwalia, and Sri. Bhavendra Kumar and CVO Sri. Nabin Kumar Dash are also seen in the picture.

श्रेयश्च प्रेयश्च मनुष्यमेत स्तौ संपरीत्य विविनक्ति धीर://
(कठोपनिषद् II - 2)
Both good and pleasant approach us:
The wise on examining choose the good. (Kathopanishad II - 2)

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

श्रेयस – SHREYAS

SINCE 1974

केनरा बैंक की द्विमासिक गृह-पत्रिका
Bimonthly House Magazine of Canara Bank
अगस्त 2024 – सितंबर 2024 । 296 / August 2024 - September 2024 । 296

ADVISORY COMMITTEE

K Satyanarayana Raju
Ashok Chandra
S K Majumdar
D Surendran
T K Venugopal
E Ramesh
Someshwara Rao Yamajala
Ipsita Pradhan
Priyadarshini R
Manish Abhimaniyu Chaurasia

EDITOR
Priyadarshini R

ASST. EDITORS
Winnie Panicker

सह संपादक (हिंदी)
मनीष अभिमन्यू चौरसिया

Edited & Published by
Priyadarshini R
Senior Manager
House Magazine & Library Section
HR Wing, HO, Bengaluru - 560 002.
Ph : 080-2223 3480
E-mail : hohml@canarabank.com
for and on behalf of Canara Bank

Design & Print by
Blustream Printing India (P). Ltd.
#1, 2nd Cross, CKC Gardens,
Lalbagh Road Cross, Bangalore - 560 008.
Ph : 080-2223 0070 / 2223 0006.

The views and opinions expressed herein are not necessarily those of the Bank. Reproduction of the matter in any manner with the permission of the editor only. For private circulation only. Not for Sale.

ABCI Member

CONTENTS

2 प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश / MD & CEO's Message
4 संपादकीय / Editorial
5 New CGM's and New GM's Messages
8 Atmanirbhar Bharat Abhiyaan - K Manjunatha
16 Discovering the Serenity of Dharamkote : A Journey through Nature - Ravikrishnan M K
20 इंसानियत अभी जिंदा है – अनिल गेहलोत
22 Econ speak - Emerging Opportunities in Agricultural Credit in India - Ipsita Pradhan
25 यादों का घरौंदा – गोवा की सैर – रीनु मीना
29 Family Folio
30 Circle News
36 अंचल समाचार
38 78th Independence day Celebration at Head Office
40 Hopes and Hurdles - Rochak Dixit
42 कृषक उत्पादक संगठन – शशि कान्त पाण्डेय
46 The Nurd and The Bird - Y Umashankar
47 Exploring Goa's Agricultural Heritage - S Devanarayanan
50 Fun corner - Agriculture Crossword
52 गोवा : पर्यटकों का पंसदीदा स्थल – धीरज जुनेजा
56 My First Encounter with Goa - Swapnil Deep
59 केंद्रीय बजट– 2024 में आयकर में किए गए प्रमुख बदलावों का विश्लेषण – रवि कुमार सिन्हा
63 Wisdom Capsule
64 देश को फिर से सोने की चिड़ियां बनाना है – मोनालिसा पंवार
65 केसरिया ध्वज – अस्मिता द्विवेदी
66 Awards
67 मंजिल – अमित कुमार
69 गोवा की महान रसोइया : रेशमा की कहानी – प्रिया पंवार
71 स्वच्छ है, शीतल है गोवा – नितिन गुप्ता
72 Sketch and Painting
73 Health Corner
74 Recipe Corner - Fish Ambotik - Goan Fish Curry - HML Section
75 Homage
76 Book Review - HML Section

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी का संदेश

MD & CEO's Message

प्रिय केनराइट्स,

कृषि भारत के आर्थिक और सामाजिक ढांचे की आधारशिला है, जो रोजगार और सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देती है। एक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक के रूप में, हमें बहुत गर्व है कि हम देश के लाखों किसानों, कृषि व्यवसाय और ग्रामीण उद्यमियों के लिए एक विश्वसनीय वित्तीय भागीदार के रूप में कार्य कर रहें हैं। कृषि वित्तपोषण के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति को गति देना है, प्रत्येक किसान को वित्तीय प्रणाली में समावेशित करना तथा प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है।

कृषि, हमारी अर्थव्यवस्था का आधारस्तंभ है जो ग्रामीण भारत में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के अतिरिक्त आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसे ध्यान में रखते हुए, हमारे बैंक ने हमेशा किसानों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से कृषि क्षेत्र को समर्थन देने पर जोर दिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की हमारी यात्रा में, हम फसल ऋण और कृषि मशीनीकरण ऋण से लेकर सिंचाई और डेयरी ऋण तक वित्तीय समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। ये उत्पाद किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने, उत्पादकता बढ़ाने और कृषि से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद करने के लिए बनाई गई हैं।

कृषि परिदृश्य को बदलने के भारत सरकार के दृष्टिकोण के साथ अपनी पहल को संरेखित करने पर हमें गर्व है। सरकारी योजनाएं जैसे किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) के जैसे पहल के माध्यम से, हम किसानों को आसान और समय पर ऋण उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे उन्हें अपनी वित्तीय जरूरतों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सहायता मिलती है।

हम एआई1 मोबाइल बैंकिंग ऐप (किसान सेवा) के माध्यम से अपनी कृषि वित्त सेवाओं की पहुंच और उसकी अभिगम्यता को बढ़ाने के लिए डिजिटल बैंकिंग समाधान अपना रहे हैं, कृषि समुदाय को ध्यान में रखते हुए हमने एक विशेष ऐप तैयार किया गया है। मात्र एक क्लिक से किसानों को मंडी की कीमतें, मौसम संबंधी जानकारी, भंडारण, फसल संबंधी सलाह और अन्य सभी क्षेत्र विशेष की जानकारी हमारे किसान सेवा ऐप पर, उपलब्ध हो जाती है। द्वारस्थ बैंकिंग, ऑनलाइन ऋण आवेदन और कारोबार प्रतिनिधि एजेंट के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि दूरदराज के किसान भी लंबी दूरी की यात्रा किए बिना आसानी से वित्तीय

Dear Canarites,

Agriculture remains the cornerstone of India's economic and social framework, contributing significantly to employment and GDP. As a Public Sector Bank, we take immense pride in being a trusted financial partner for millions of farmers, agri businesses, and rural entrepreneurs across the nation. Our deep-rooted commitment to agricultural financing is aimed at driving progress in rural areas, ensuring the financial inclusion of every farmer, and fostering sustainable agricultural practices.

As the backbone of our economy, agriculture plays a critical role in ensuring food security and sustaining livelihoods across rural India. Recognizing this, our bank has always placed significant emphasis on supporting the agricultural sector through various products and services tailored to meet the unique needs of farmers. In our journey to empower the rural economy, we provide a wide range of financial solutions, from crop loans and farm mechanization loans to irrigation and dairy loans. These offerings are designed to help farmers adopt modern farming techniques, increase productivity, and mitigate risks associated with agriculture.

We are proud to align our initiatives with the Government of India's vision of transforming the agricultural landscape. Through collaborations with government schemes like Kisan Credit Card (KCC) and Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana (PMFBY), we are providing easy and timely credit access to farmers, helping them manage their financial needs more effectively.

We are embracing digital banking solutions to extend the reach and accessibility of our agricultural finance services through initiatives like ai1 mobile banking app (Kisan Services) where an exclusive comprehensive tab is designed with our agricultural community in mind. This one click solution allows farmers to access mandi prices, weather updates, warehousing, crop advisories and more-all region specific. Through Door Step Banking, online loan applications and Business Correspondent Agents, we

सेवाओं का लाभ उठा सकें। फिनटेक कंपनियों के साथ हमारी साझेदारी हमें कृषि पद्धतियों में आधुनिक प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने में सक्षम बनाती है, जिससे किसानों को वास्तविक समय पर बाजार मूल्य, मौसम पूर्वानुमान और उन्नत कृषि तकनीकों की पहुंच प्राप्त हो।

वित्तीय सहायता प्रदान करने के अलावा, हम अपने वित्तीय समावेशन विभाग के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षित कर उन्हें सशक्त बना रहे हैं। हमारा बैंक, ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित रूप से वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करता है, तथा किसानों को विभिन्न बैंकिंग उत्पादों, सरकारी योजनाओं और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों के बारे में शिक्षित करता है। हमारा मानना है कि जागरूक किसान बेहतर वित्तीय निर्णय लेते हैं और कृषि क्षेत्र की अनिश्चितताओं से निपटने में सक्षम होते हैं।

भविष्य को ध्यान में रखते हुए, हमारा लक्ष्य प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना है, जो पर्यावरण की रक्षा के साथ–साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए दीर्घकालिक समृद्धि को सुनिश्चित करेगा। हम ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यावरण अनुकूल कृषि तकनीकों, जल संरक्षण परियोजनाओं और नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ये सभी एक लचीले और भविष्योंमुखी कृषि क्षेत्र के निर्माण में योगदान देते हैं।

केनरा बैंक में हम प्रत्येक किसान को न केवल ग्राहक के रूप में बल्कि राष्ट्र विकास और समृद्धि की दिशा में एक साझा यात्री के रूप भी देखते हैं। आइए हम एक मजबूत और दीर्घावधि कृषि अर्थव्यवस्था बनाने के लिए मिलकर काम करें – जो राष्ट्र को समृद्ध और ग्रामीण समुदाय के आने वाली पीढ़ियों का उत्थान करें।

हमारे बैंक ने एक नई पहल भी शुरू की है – डेटा गुणवत्ता सूचकांक (डीक्यूआई) डैशबोर्ड – जो हमारी शाखाओं में डेटा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एक उपयोगी साधन है। यह EASE एजेंडा 7.0 के तहत उत्कृष्टता के लिए हमारी निरंतर प्रतिबद्धता का एक प्रमुख घटक है, जो डेटा प्रबंधन, अनुपालन और ग्राहक संतुष्टि सुनिश्चित करता है।

केनरा प्रीमियर लीग के पहले संस्करण की भव्य सफलता के बाद, अब केनरा प्रीमियर लीग सीपीएल 2.0 वापस आ गया है और यह लीग और भी धमाकेदार होने की अपेक्षा है! एक बार फिर, आइए हम सब एकजुट होकर अपनी विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन करें और बैंकिंग जगत में नए मानक स्थापित करें। आइए केनरा बैंक की टीम भावना को प्रज्वलित कर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दें, और हमारे मूल मंत्र "रहे संग, बढ़ें संग" को साकार करें।

आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं !!

मंगल कामनाओं सहित,

के. सत्यनारायण राजु
प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी

ensure that even the most remote farmers can easily access financial services without having to travel long distances. Our partnerships with fintech companies further enable us to integrate modern technology into farming practices enabling farmers to access real-time market data, weather forecasts, and advanced farming techniques.

In addition to providing financial assistance, we are deeply invested in empowering farmers with knowledge through our Financial Inclusion wing. Our Bank conducts regular financial literacy programs in rural areas, educating farmers on various banking products, government schemes, and sustainable farming practices. We believe that informed farmers make better financial decisions and are better equipped to cope with the uncertainties of the agricultural sector.

As we look ahead, our focus is on fostering sustainable agricultural practices that protect the environment and ensure long-term prosperity for the rural economy. We are committed to promoting eco-friendly farming techniques, water conservation projects, and renewable energy solutions in rural areas, all of which contribute to building a resilient and future-ready agricultural sector.

At Canara Bank we see every farmer not only as a customer but as a partner in our shared journey towards national growth and prosperity. Let us work together to build a robust and resilient agricultural economy - one that nourishes the nation and uplifts rural communities for generations to come.

Bank has also unveiled a new initiative - the Data Quality Index (DQI) Dashboard - your go-to tool for enhancing data quality at our branches. This initiative is a key component of our ongoing commitment to excellence under EASE Agenda 7.0, ensuring that we stay ahead in data management, compliance, and customer satisfaction.

Following a highly successful debut season, Canara Premier League CPL 2.0 is back and promises to be an even bigger blockbuster event! Once again, let's come together, showcase our diverse talents, and set new sporting benchmarks. Let Canara Bank team spirit shine as we give our best and live up to our mantra "Together We Can"

Wish you all the very best

With warm regards,

K. Satyanarayana Raju
Managing Director & CEO

संपादकीय

Editorial

प्रिय साथियों,

"कृषि में निवेश भूख और गरीबी के खिलाफ सबसे प्रबल हथियार है जो लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है।"

कृषि भारीय अर्थव्यवश्था की रीढ है, और ग्रामीण क्षेत्र भरण–पोषण और आजीविका के लिए इस पर निर्भर हैं। हालांकि, अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, इस क्षेत्र को अक्सर वित्तपोषण से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसे कृषि बैंकिंग पूरा कर सकती है। श्रेयस का यह अंक इस बात की पड़ताल करता है कि हमारे बैंक के पास इसे सुदृढ़ करने के लिए कौन–कौन से साधन है। ऋण, निवेश के अवसर और अनुकूलित वित्तीय उत्पाद प्रदान करके, हमारा बैंक कृषि क्षेत्र में विकास, नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राथमिकता क्षेत्र विभाग की ओर से प्राप्त ''आत्मनिर्भर भारत अभियान'' पर एक विशेष लेख जिसमें कृषि के अंतर्गत सभी योजनाओं और किसानों व कृषिविदों को दी जाने वाली सेवाओं का सार दिया गया है।

गोवा– को जल, समुद्र तट और सूर्य की भूमि कहा जाता है यह भारत का सबसे छोटा राज्य जो अपने शानदार समुद्र तटों, जीवन को जीवंतता से जीने और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। भारत के पश्चिमी तट पर बसा यह उष्णकटिबंधीय स्वर्ग भारतीय और पुर्तगाली प्रभावों का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करता है, जो लगभग 450 वर्षों के पुर्तगाली शासन की विरासत है। गोवा की मनोरम तटरेखा 100 किलोमीटर से अधिक लंबी है, जिसमें लोकप्रिय समुद्र तट हैं, जहां दुनिया भर से पर्यटक धूप, समुद्र और रोमांच का आनंद लेने के लिए आते हैं। रोमांच चाहने वालों और पार्टी करने वालों के लिए पानी के खेल, ताजे समुद्री भोजन और रातों में जगमगाते बाजार इसे एक दर्शनीय स्थल बनाते हैं।

गोवा का आकर्षण समुद्र तटों से भी परे हैं। यह राज्य प्राचीन चर्चों, मंदिरों और किलों का घर है, जो इसके नाना प्रकार के इतिहास को दर्शाते हैं। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, पुराना गोवा अपनी अद्भुत वास्तुकला और धार्मिक स्मारकों के साथ औपनिवेशिक अतीत की झलक प्रस्तुत करता है। विश्राम, रोमांच या सांस्कृतिक अन्वेषण के लिए, गोवा एक आकर्षक गंतव्य है, जो हर यात्री और पर्यटक के लिए कुछ न कुछ प्रदान करता है। हमारे कर्मचारियों ने अपने शानदार लेखों के माध्यम से गोवा के सार को हमारे सभी पाठकों के समक्ष प्रस्तुत किया है।

आशा है कि आप इस विशेषांक को पढ़कर प्रसन्नचित्त होंगे। हमें आपकी प्रतिक्रियाओं का इंतज़ार रहेगा। कृपया केननेट पर हमारे गृह पत्रिका व पुस्तकालय के वेबपेज पर / या hohml@canarabank.com पर मेल के माध्यम से अपनी प्रतिक्रिया/टिप्पणी दें अथवा 080 – 22233480 पर हमसे संपर्क कर सकते हैं।

अगाध आभार और कृतज्ञता के साथ

प्रियदर्शिनि आर
संपादक

Dear Colleagues,

“Investments in agriculture are the best weapons against hunger and poverty and it has made life better for millions of people.”

Agriculture is the backbone of India, and rural areas depend on it for sustenance and livelihood. However, despite its crucial role, the sector often faces challenges related to financing, a gap that agricultural banking can bridge. This edition of Shreyas explores on what our bank has in its kitty to offer to strengthen it. By providing access to credit, investment opportunities, and tailored financial products, our bank plays vital link in fostering growth, innovation, and sustainability in the farming sector. We have an exclusive article from our priority sector wing on Atmanirbhar Bharat Abhiyaan which is a capsulated form of all the schemes under agriculture and the services we offer to the farmers and agriculturists.

Goa- A Land of Water, Beach and Sun- India's smallest state renowned for its stunning beaches, vibrant nightlife, and rich cultural heritage. Nestled along the western coast of India, this tropical paradise offers a unique blend of Indian and Portuguese influences, a legacy of nearly 450 years of Portuguese rule. Goa's picturesque coastline stretches over 100 kilometres, featuring popular beaches, where tourists from around the world gather for sun, sea, and adventure. Water sports, fresh seafood, and lively night markets make it a must-visit destination for thrill-seekers and partygoers alike.

Goa's charm extends beyond its beaches. The state is home to ancient churches, temples, and forts, reflecting its diverse history. Old Goa, a UNESCO World Heritage site, offers a glimpse into the colonial past with its stunning architecture and religious monuments. Whether for relaxation, adventure, or cultural exploration, Goa remains a captivating destination, offering something for every traveller and our staff through their brilliant articles have captured the essence of Goa offering a feast to all our readers.

Hope you enjoy reading this special edition. As we love to hear from you, please drop in your feedback/ comments by visiting our HM&L Webpage in Cannet / or as mail to hohml@canarabank.com / or you can always call us at 080 – 22233480.

With profound admiration and gratitude

Priyadarshini R
Editor

It is indeed a joyous moment in reaching a professional milestone and achieving an eventful career spanning over 29 years in this great institution. I express my heartfelt gratitude to the Bank for reposing faith in my capability for shouldering higher responsibility. I take this opportunity to thank all my seniors, mentors and also to my colleagues who have stood by me firmly.

As I step into the role of Chief General Manager, my primary focus will be to ensure that we uphold the highest standards of customer service, operational excellence and strategic growth.

I am eager to embrace the responsibilities that come with this new position, dedicated to ensuring that my actions contribute to reinforcing the bank's core values. It is vital that we adapt effectively to the evolving banking landscape while fostering the trust of our customers and stakeholders.

In this capacity, I will maintain compliance across the entire organization, ensuring that we uphold the highest standards of integrity and accountability. While ensuring compliance with regulatory requirements is essential, it is equally important to cultivate a culture that values transparency and ethical practices at every level of our bank.

This steadfast commitment to integrity will guide our efforts to build and sustain trust with our customers and stakeholders, ensuring that Canara Bank remains a beacon of reliability and excellence in the banking sector.

With warm regards,

Rakesh Kashyap
Chief General Manager

"Arise! Awake! and Stop not until the goal is reached."— Swami Vivekananda

It is both an honour and a privilege to be elevated to the position of General Manager in our esteemed institution. I am deeply grateful to the Top Management for entrusting me with this significant responsibility. Your confidence in me has been a tremendous source of motivation.

I extend my heartfelt thanks to my seniors, whose guidance has been invaluable throughout my career. I am also sincerely appreciative of my colleagues and juniors for their unwavering support and cooperation.

As we navigate an era of rapid technological innovation, which is transforming financial services by enhancing efficiency and broadening access, I am committed to evolving alongside these changes. I will continue to uphold the integrity and efficiency that define our institution.

As Robert Frost eloquently put it, “And miles to go before I sleep, And miles to go before I sleep.”

With warm regards,

Adarsh M S
General Manager

I would like to express my sincere gratitude to our Top Management for placing their trust in me and elevating me to the role of General Manager of the crucial and challenging IT Wing of the bank. I am honoured and excited about the opportunities this new position brings. My heartfelt thanks goes out to all my seniors colleagues, peers, team members and mentors whose unwavering support and guidance have been instrumental in this journey.

Reflecting on my career in our bank, I am privileged to have witnessed and contributed to the transformative changes in the technological landscape of our bank, in my different roles and responsibilities. There have been numerous lessons along the way, with its fair share of challenges that provided me an opportunity to work hard, innovate, collaborate, and lead. All of these have shaped me both professionally and personally.

As I take up this new responsibility, I am committed to upholding the core values of our bank with integrity, commitment and sincerity. With technology evolving rapidly, we must stay ahead, adapt to these changes, to drive growth and deliver results to our stakeholders.

At this moment I am reminded of an old proverb "If you want to go fast, go alone. If you want to go far, go together". I firmly believe that the core strength of our bank lies in the collective effort of our teams. Success will be determined by our ability to work together, rise to the challenge and continuously innovate. As we move ahead, I strongly encourage all of you to remain focused, resilient, and be open to the limitless opportunities that lie ahead of us.

Once again, I would like to extend my gratitude for this opportunity. I am eager to contribute to our shared goals as our bank moves towards greater heights.

Together We Can, Thank you.

Arun Nagappan
General Manager

It has been an exhilarating journey of more than 24 years in this mighty institution in which Bank has elevated me to the coveted position of General Manager. It is indeed a matter of great honour and pride in my life. Any sort of success and recognition in my career is never standalone, but is a reflection of significant role played by my Seniors, Colleagues, Friends and Family members. I place on record my profound gratitude and respectful regards to all of them for their constant guidance, unflinching support, constructive mentoring and professional grooming all through my career, that helped me immensely to evolve my career as a Banker.

Bank has given me ample opportunities and exposure in various facets of Banking which include Field Operations, Agriculture Finance, SLBC activities, Capital Market, Treasury & Risk Management. I have always tried to contribute my might in the best possible manner for the growth and development of this great institution. I also see this elevation as an incredible opportunity to rededicate myself to strengthen my mother Bank and uphold its principles and values.

Banking has undergone a huge transformation in the recent past with Technology, Digitisation, Cyber Security, Risk Management and ESG occupying the centre stage. Our Bank presently enjoys a formidable position among the Banks in the country. Undoubtedly, this rich legacy and pedestal is the result of untiring and committed efforts put in by all the past and present Canarites. Scaling further heights in this highly dynamic sector requires each one of us to consciously and rigorously work on our Competency through upskilling and reskilling, so that we can efficiently deliver best of Banking Services to our esteemed customers. Let us also be aware of the fact that flawless delivery through excellent customer service is still paramount and cannot be a total substitute to Technological innovations.

Let us together work to live the dream of making our beloved Bank "The Best Bank to Bank with."

With Best Wishes & Warm Regards....

Arun Kumar K R
General Manager

I express my heartfelt gratitude to the entire Canara Bank family for their unwavering support and encouragement. I am deeply honoured to be appointed to this position. My journey to becoming the General Manager has been filled with valuable experiences. I joined Canara Bank in the year 1999 as a Probationary Officer. In my 24 years of dedicated service in the Bank in various capacities, I have constantly strived to exceed expectations and foster a culture of excellence. During this period, I got the opportunity to work as the Overseeing Executive of MSME Sulabh at Head Office. Taking up this assignment would not have been possible without the guidance and advice of the Top Management.

I believe that the Canara Bank family is a responsibility that I embrace wholeheartedly and I am committed to take my endeavours to greater success. I urge all Canarites to continue working diligently towards our collective goals. Together we must strive for more, push the boundaries and exceed the targets. Our Bank is at the pinnacle of excellence and has tremendous potential and I believe that together we can take it to even greater heights. Through our collective efforts, we can achieve new milestones every day. Let us walk together on this journey of excellence, commitment and achievement.

With warm regards,

G A Anupam
General Manager

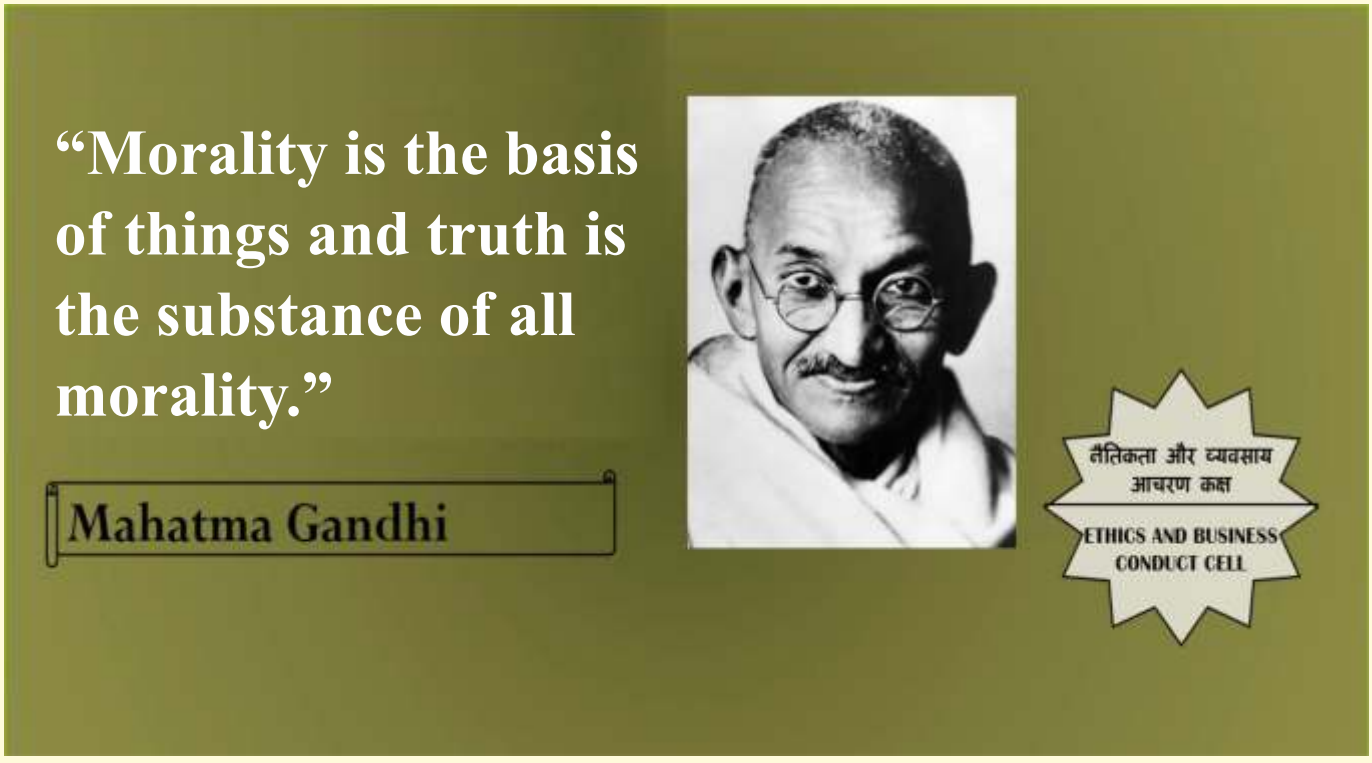

Atmanirbhar Bharat Abhiyaan

K Manjunatha
Divisional Manager
Priority Credit Wing
HO, Bengaluru

Agriculture is the art and business of cultivating soil, producing crops and raising livestock. According to a World Bank report, about two thirds of the world population is mainly concentrated in rural areas, which is predominantly agriculture-oriented.

Agriculture helps the nation in achieving self-sufficiency by providing food and other agriculture products. It provides employment opportunity to the agricultural as well as non-agricultural laborers. It also plays an important role in international business through import and export activities.

Nevertheless, Agriculture has been very important sector for the country both in attaining self-sufficiency as well as contributing to the economic growth of the country, there were many challenges that are being faced by the farming community and are unaddressed for ages viz, inadequate market infrastructures, poor post-harvest product handling facilities or non-availability of food processing industries resulting in immediate disposal of produce without looking at the market rate and profitability.

To address the difficulties faced by farming community, Government of India has come up with a vision to create conducive atmosphere for the prosperity of farmers as well as nation, in May 2020, H'ble Prime Minister launched the Self-reliant India (Atma Nirbhar Bharat Abhiyan) mission to promote Indian goods in the global supply chain markets and help the country achieve self-reliance.

- Atmanirbhar Bharat Abhiyaan is the vision of new India. In the year 2020, Prime Minister given a clarion call to the nation giving a kick start to the Atmanirbhar Bharat Abhiyaan (Self-reliant India campaign) and announced the Special economic and comprehensive package of INR 20 lakh crores - equivalent to 10% of India's GDP.
- The aim is to make the country and its citizens independent and self-reliant in all senses. Five pillars of Atma Nirbhar Bharat – Economy, Infrastructure, System, Vibrant Demography and Demand have been outlined.
- It aims towards cutting down import dependence by focussing on substitution while improving safety compliance and quality goods to gain global market share.
- Along with Atma Nirbhar Bharat mission, the government took several bold reforms such as Supply Chain Reforms for Agriculture, Rational Tax Systems, Simple & Clear Laws, Capable Human Resource and Strong Financial System which will help in achieving self-reliance in a faster way.

Atmanirbhar Bharat – 5 pillars of self-reliant India

ECONOMY
Quantum jumps not Incremental changes

INFRASTRUCTURE
One that represents modren India

SYSTEM
Technology Driven

DEMOGRAPHY
Vibrant Demography of the largest Democracy

DEMAND
Full utilization of power of demand and supply

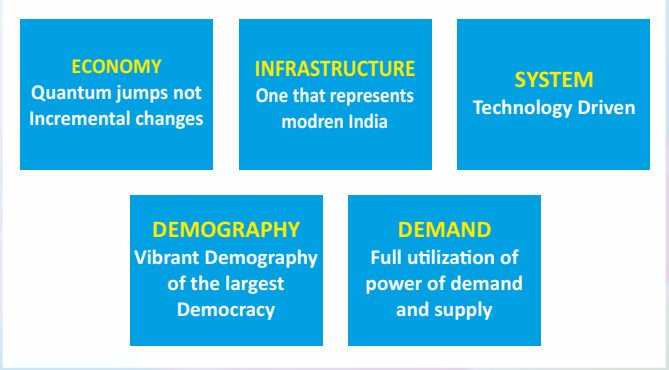

Strategies adopted for popularizing Atmanirbhar Bharat Schemes:

- Build a Strategy for the Future: A long term approach that considers regional supply chains and location decision-making is needed to succeed.

- **India Should Become Increasingly Open to Free and Fair Trade:** India should attract investors through its strengths rather than by using tariffs as a tool to push international businesses to invest and make in India.
- **Focus on Developing and Supporting Innovators:** Focus on STEM, digital, creative and critical thinking skills that will build leaders and workers who can innovate and solve problems.
- India should develop an innovator-friendly intellectual property policy and enforcement regime.
- **Digital and Data:** With digital and data services becoming increasingly important in global trade, there is an opportunity for India to fully integrate with other major democratic markets.
- India should continue to harness and actively invest in the opportunities that Artificial Intelligence, digital technology and data present, to achieve its growth potential.
- **Put Sustainability at the Center of India's Trade and Investment Strategy:** If shaped properly, trading arrangements can help support the poor and protect the environment.
- Countries and trade blocs are cognisant of this fact and are increasingly integrating sustainability and human rights into their trade agreements and strategies.
- **Enhancing Demand:** The economic package for the country emerging out of the lockdown required a stimulus enhancing demand across the economy.
  - The best way for this is to spend on greenfield infrastructure.
  - Infrastructure spending uniquely creates structures that raise productivity and extends spending power to the section of the population most affected by the lockdown, namely daily wage labourers.
- **Mobilising Finances:** For financing stimulus package, India's foreign reserves stand at an all-time high which could be strategically used to finance its needs.
  - The rest may have to come from privatisation, taxation, loans and more international aid.
- **Holistic Reforms:** Any stimulus package will fail to reflect the trickle-down effect, until and unless it is backed by reforms in various sectors.
  - Thus, the Atmanirbhar plan also encompasses the unfinished agenda of holistic reforms which may include reforms in Civil services, Education, Skill and Labour, etc.

Conclusion :

The government's call for “Make in India” & “Vocal for Local” has acquired a new salience and ironically, achieving it requires astute global interlinkages and perhaps even more dense global networks for a country that houses a sixth of humanity.

Trusted connectivity, diversified sources of materials and components and resilient financial and trading arrangements are no longer buzzwords but a strategic imperative requiring all of India's consensus, including within its business community, lawmakers and all stakeholders.

Atmanirbhar Bharat Schemes under Agriculture

Government of India is implementing flagship schemes under the Atma Nirbhar Bharat Schemes for enhancing credit to various key sectors under Agriculture for development of infrastructure especially at the post-harvest stage. Flagship Schemes includes Agriculture Infrastructure Fund (AIF), PM Formalization of Micro Food Enterprises (PMFME), Animal Husbandry Infrastructure Development Fund (AHIDF), Compressed Bio Gas (CBG), National Livestock Mission (NLM) and National Rural Livestock Mission(NRLM).

1. ANIMAL HUSBANDRY INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT FUND Scheme (AHIDF)

In the recently announced Prime Minister's AtmaNirbhar Bharat Abhiyan stimulus package mentioned about setting up of ₹15000 crore Animal Husbandry Infrastructure Development Fund (AHIDF). The Fund has been approved for incentivizing investments by individual entrepreneurs, private companies, MSME, Farmers Producers Organizations (FPOs) for:

1. Dairy processing and value addition infrastructure,

2. Meat processing and value addition infrastructure,
3. Animal Feed Plant,
4. Breed Improvement Technology and Breed Multiplication Farm
5. Animal Waste to Wealth Management (Agri Waste Management)
6. Setting up of Veterinary Vaccine and Drugs Manufacturing facilities

OBJECTIVES OF 'AHIDF' SCHEME

1. To help increasing of milk and meat processing capacity and product diversification thereby providing greater access for unorganized rural milk and meat producers to organized milk and meat market
2. To make available increased price realization for the producer
3. To make available quality milk and meat products for the domestic consumer
4. To fulfil the objective of protein enriched quality food requirement of the growing population of the country and prevent malnutrition in one of the highest malnourished children population in the world
5. Develop entrepreneurship and generate employment
6. To promote exports and increase the export contribution in the milk and meat sector
7. To make available quality concentrated animals feed to the cattle, buffalo, sheep, goat, pig and poultry to provide balanced ration at affordable prices.

Activities eligible for availing benefits under AHIDF

1. Dairy processing and value addition
2. Meat processing and value addition
3. Animal Feed Plant
4. Breed Improvement Technology and Breed Multiplication Farm
5. Setting up of Veterinary Vaccine and Drugs Production facilities
6. Animal Waste to Wealth Management (Agri-waste management)

2. Agriculture Infrastructure Fund Scheme

The role of infrastructure is crucial for agriculture development and for taking the production dynamics to the next level. It is only through the development of infrastructure, especially at the post-harvest stage that the produce can be optimally utilized with opportunity for value addition and fair deal for the farmers. Development of such infrastructure shall also address the vagaries of nature, the regional disparities, development of human resource and realization of full potential of our limited land resource.

In view of above, the Hon'ble Finance Minister announced on 15.05.2020, 1 lakh crore Agri Infrastructure Fund for farm-gate infrastructure for farmers. Financing facility of ₹1,00,000 crores will be provided for funding Agriculture Infrastructure Projects at farm-gate & aggregation points (Primary Agricultural Cooperative Societies, Farmers Producer Organizations, Agriculture entrepreneurs, Start-ups, etc.). Impetus for development of farm gate & aggregation point, affordable and financially viable Post Harvest Management infrastructure.

Accordingly, DA&FW has formulated the Central Sector Scheme to mobilize a medium - long term debt financing facility for investment in viable projects relating to post harvest management Infrastructure and community farming assets through incentives and financial support.

Credit guarantee coverage will be available for eligible borrowers under Credit Guarantee Fund Trust for Micro and Small Enterprises (CGTMSE) scheme for loans up to ₹ 2 crore. The fee for this coverage will be paid by the Government. In case of FPOs the credit guarantee may be availed from the facility created under FPO promotion scheme of DA&FW.

All loans under this financing facility will have interest subvention of 3% per annum up to a limit of ₹ 2 crore. This subvention will be available for a maximum period of 7 years. In case of loans beyond ₹ 2 crore, then interest subvention will be limited up to ₹ 2 crore.

Who Can Apply

Agricultural Produce Market Committee, Agri-Entrepreneur, Central sponsored Public-Private

Partnership Project, Farmer, Farmer Producers Organization, Federation of Farmer Produce Organisations, Joint Liability Groups, Local Body sponsored Public-Private Partnership Project, Marketing Cooperative Society, Multipurpose Cooperative Society, National Federations of Cooperatives, Primary Agricultural Credit Society, Self Help Group, Federations of Self Help Groups, Start-Ups, State Agencies, State Federations of Cooperatives & State sponsored Public-Private Partnership Project

Eligible projects under AIF

1. Organic inputs production
2. Bio stimulant production units
3. Nursery
4. Tissue culture
5. Seed Processing
6. Custom Hiring Center
7. Infrastructure for smart and precision agriculture
   a. Farm/Harvest Automation
   b. Purchase of drones, putting up specialized sensors on field, Blockchain & AI in agriculture etc.
   c. Remote sensing and Internet of Things (IOT) such as automatic weather station, Farm advisory services through GIS applications.
8. Logistics facilities - Reefer Van& Insulated vehicles
9. Assaying Units
10. Supply chain services including e-marketing platforms
11. Warehouse & Silos
12. Cold Stores and Cold Chain
13. Packaging Units
14. Primary Processing activities

3. Compressed Bio Gas (CBG)

CBG is a purified form of biogas, primarily composed of methane, produced from organic waste materials such as agricultural residues, animal manure, organic industrial waste, and sewage. It is processed to remove impurities like carbon dioxide and hydrogen sulfide, resulting in a gas that closely resembles natural gas in its composition and properties

Importance and Benefits

1. Clean Energy Source
2. Waste Management
3. Energy Security
4. Employment Opportunities

Government Initiatives and Policies

'SATAT' scheme on Compressed Bio Gas (CBG) encourages entrepreneurs to set up CBG plants, produce & supply CBG to Oil Marketing Companies (OMCs) for sale as automotive & industrial fuels.

Current Status and Challenges:

1. **Production Capacity:** India aims to significantly increase CBG production capacity in the coming years, with several plants already operational and more in the pipeline.
2. **Technological Challenges:** Efficient and cost-effective technologies for CBG production and purification need further development and deployment.
3. **Infrastructure Development:** Infrastructure for CBG distribution, including pipelines and refueling stations, requires expansion to support widespread adoption

Future Prospects:

1. **Scale-up Potential:** With abundant sources of organic waste available in India, there is considerable potential to scale up CBG production and meet energy demands sustainably.
2. **Environmental Impact:** Increased use of CBG can contribute to India's climate goals by reducing carbon emissions and promoting a circular economy approach to waste management.
3. **Integration with Renewable Energy:** CBG can complement other renewable energy sources like solar and wind by providing a reliable energy supply that is not dependent on weather conditions.

4. Ethanol Blended Petrol

The Ethanol Blending Program (EBP) is an initiative by the Government of India to promote the use of ethanol, a renewable and environment-friendly fuel, in petrol. The program aims to reduce the import of fuels from other countries, conserve foreign exchange, and increase value addition in the sugar industry. The target of 10% ethanol

blending set in the 'Roadmap for Ethanol Blending in India 2020-25' for Ethanol Supply Year (ESY) 2021-22 has already been achieved and Public Sector Oil Marketing Companies (OMCs) have started selling E20 (20% ethanol blended) petrol across the country.

Ethanol is mainly produced from a by-product of the sugar industry, namely molasses, but other raw materials like sugarcane juice, sugar, sugar syrup, and damaged food grains can also be used.

The Government has taken various steps to facilitate the procurement and supply of ethanol under the EBP, such as fixing remunerative prices, simplifying the procedure, waiving excise duty, and extending financial assistance.

What is the Significance of Ethanol Blending in Fuels?

Reducing Fossil Fuel Dependence
Protecting the Environment
Supporting Farmers
Enhancing Energy Security
Generating Economic Benefits
Ethanol blending can save the country USD 4 billion per annum, i.e., ₹30,000 cr.
Enhanced Vehicular Performance

Steps taken by the Government to Boost Ethanol Blending

Differential Ethanol Pricing: The government has fixed different prices for ethanol derived from C heavy molasses, B heavy molasses, sugarcane juice / sugar / sugar syrup, and damaged food grains or rice.

Interest Subvention Scheme: With a view to enhance the ethanol production capacity in the country to achieve the blending targets set under EBP Programme, the Government has notified various ethanol interest subvention schemes.

Tax relief: Lower taxes are levied on E10 and E20 blends compared to unblended petrol, making them more cost-competitive for consumers. Lower excise duty and GST rates for ethanol compared to petrol.

Incentives for E20-compatible vehicles: Tax benefits and other incentives are being considered for manufacturers and buyers of vehicles compatible with higher ethanol blends.

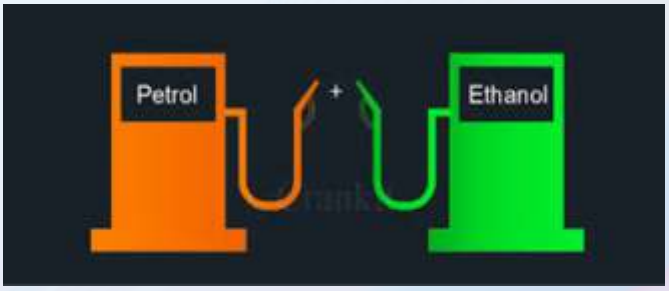

5. PM KUSUM Scheme :

Ministry of New and Renewable Energy (MNRE) has launched the Pradhan Mantri Kisan Urja Suraksha eavem Utthan Mahabhiyan (PM KUSUM) Scheme for farmers to facilitate the installation of solar pumps and grid connected solar and other renewable power plants across India.

Features of PM Kusum Solar Scheme

- Initially, the Central Government planned to distribute 1.75 million off-grid agricultural solar pumps.

- The barren lands of the farmers will be used to install around 10000 Mega Watts Solar Plants.
- The state electricity distribution companies will purchase the additional electricity generated using the solar power plants installed on these barren lands, also called the DISCOMS.
- The DISCOMS will also be able to get subsidies to buy this electricity.
- Under this scheme, the farmers will be able to get a subsidy of around 60 % on solar pumps, which will be directly deposited into the bank accounts of these farmers using the Direct Benefit Transfer (DBT).
- The Central and State Governments will share this subsidy amount, while 30% will be provided as a loan to the farmers.

Benefits of the PM KUSUM Scheme

- Stable source of income to rural landowners for 25 years by utilizing unused/barren land.
- Being decentralized, it will reduce transmission losses for state utilities and DISCOMS.
- The scheme will also help DISCOMS meet renewable purchase obligations.
- Solar pumps will save diesel costs for irrigation and provide reliable power without adding grid load, benefitting 17.5 lakh farmers over 4 years.
- It reduces the challenges faced by farmers in accessing reliable and affordable power for agricultural operations.

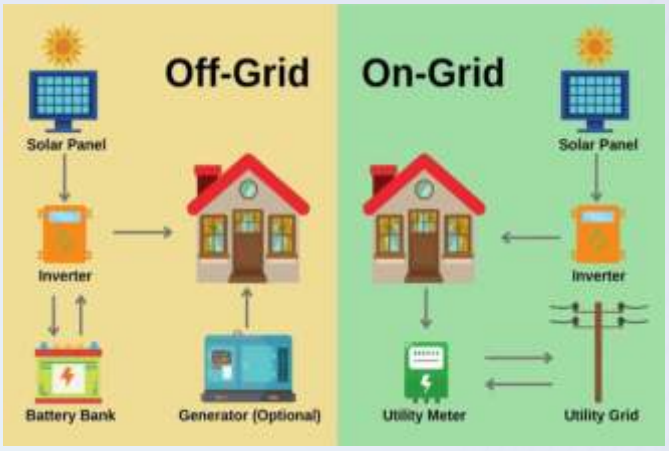

- It aims to reduce farmers' dependence on diesel pumps, promote sustainable energy practices, and contribute to the overall energy security of the country.

6. PRADHAN MANTRI FORMALISATION OF MICRO FOOD PROCESSING ENTERPRISES SCHEME (PM FME Scheme)

The unorganized food processing sector comprising nearly 25 lakh units contributes to 74% of employment in food processing sector. Nearly 66% of these units are located in rural areas and about 80% of them are family based enterprises supporting livelihood in rural household and minimizing their migration to urban areas. These units largely fall with in the category of micro enterprises. These units face a number of challenges which limit their performance and growth. These challenges include lack of access to modern technology & equipment, training, access to institutional credit, lack of basic awareness on quality control of products, and lack of branding & marketing skills, etc. Therefore, the unorganised food processing sector contributes much less in terms of value addition and output despite its huge potential.

Objectives

(i) Capacity building through technical knowledge, skill training & hand holding support.

(ii) Increased access to credit for technology upgradation;

(iii) Support to FPOs, SHGs, & Co-op Societies along their entire value chain.

(iv) Support for transition of existing enterprises into formal framework.

(v) Integration with organized supply chain by strengthening branding & marketing;

One District-One Product Approach

The Scheme will adopt a One District One Product (ODOP) approach to reap benefit of Scale in terms of procurement of inputs, availing common services and marketing of products. One District One Product approach would provide framework for value chain development and alignment of support infrastructure.

Support to Food Processing Units

Support to food processing units would be provided for the following:

(i) Credit linked grant at 35% of the project cost with maximum grant up to Rs 10.0 lakh to existing unorganised food processing units for upgradation;

(ii) Credit linked grant at 35% of the project cost to SHGs/FPOs/cooperatives for capital expenditure with maximum limit as prescribed;

(iii) Seed capital @ Rs. 40,000/- per member to those engaged in food processing as a working capital;

(iv) Credit linked grant at 35% of the project cost for common infrastructure with maximum limit as prescribed;

(v) Support for marketing & branding up to 50% of the expenditure with maximum limit as prescribed.

Creation of Common Infrastructure

FPOs/ SHGs/ Producer Cooperatives /State agencies or private enterprises would be supported for creation of common infrastructure including for common processing facility, incubation center, laboratory, warehouse, cold storage, etc. Eligibility of a project under this category would be decided based on benefit to farmers and industry at large, viability gap, absence of private investment, criticality to value chain, etc. Credit linked grant would be available @ 35% with maximum limit as prescribed.

Branding and Marketing Support

Marketing and branding support will be provided to FPOs/SHGs/Cooperatives or an SPV of micro food processing enterprises under the scheme following the cluster approach for developing common packaging & branding with provision for quality control, standardization and adhering to food safety parameters for consumer retail sale.

*****

Discovering the Serenity of Dharamkote : A Journey through Nature

Ravikrishnan M K
GM & Secretary to the Board
MD & CEO's Secretariat, HO

"When you want something, all the universe conspires in helping you to achieve it"

The Wanderlust in me had been planning for a trip to a unique place before I lay down my Office this December. I wanted to be away from the maddening crowds, emotionally detached but spiritually connected with Nature. My better half too shared the same feelings and suddenly all things fell into place as beautifully quoted by Paulo Coelho in his book The Alchemist - "When you want something, all the universe conspires in helping you to achieve it."

Nestled in the serene hills of Himachal Pradesh, Dharamkote is a hidden gem that offers a perfect blend of tranquillity and adventure. My journey through this picturesque village, along with visits to the vibrant towns of Dharamshala, McLeodganj and Naddi , was nothing short of magical. As I wandered through the pine and cedar forests and the quaint, cobblestone village streets lined with charming old age constructions, the places seemed to unfold like a storybook, each corner revealing a new tale of adventure and tranquillity. In this serene haven, time seemed to slow, offering a perfect escape into nature's untouched splendour.

Arrival at Dharamshala

Our adventure began in Dharamshala, a bustling town known for its stunning views of the Dhauladhar range and its rich Tibetan culture. The town's unique charm lies in its blend of Indian and Tibetan influences, evident in its monasteries, temples, and markets. The highlight of our visit was the Namgyal Monastery, the personal monastery of the Dalai Lama. The peaceful ambiance and the sound of monks chanting provided a profound spiritual experience.

We also explored the Tibetan Museum, which offered deep insights into Tibetan history and the struggle of its people. Strolling through the vibrant market of Kotwali Bazaar, we savoured local delicacies and shopped for traditional Tibetan crafts and souvenirs.

Exploring McLeodganj

A short drive from Dharamshala brought us to McLeodganj, a quaint town often referred to as "Little Lhasa" due to its significant Tibetan population. McLeodganj is a haven for backpackers and spiritual seekers, known for its monasteries, meditation centres, and scenic trails.

Our first stop was the Tsuglagkhang Complex, which houses the Dalai Lama's residence, monastery, and temple. The peaceful environment and the sight of prayer flags fluttering in the wind were truly uplifting. We also hiked to the Bhagsu Waterfall; a stunning natural marvel nestled amidst lush greenery. The refreshing spray of the waterfall and the panoramic views of the valley were worth the trek.

The vibrant cafes and restaurants in McLeodganj offered a delightful culinary experience. We relished momos, thukpa, and butter tea at local eateries while enjoying conversations with fellow travelers.

The Tranquility of Dharamkote

Leaving the lively ambiance of McLeodganj behind, we ventured further uphill to Dharamkote. This serene village, perched on the slopes of the Dhauladhar range, is a sanctuary of peace and natural beauty. Unlike its bustling neighbors, Dharamkote is quiet and less commercialized, making it an ideal retreat for those seeking solitude.

The village offers stunning views of the surrounding mountains and valleys. We spent our days hiking through pine forests, visiting the nearby Gallu Devi Temple, and meditating in the peaceful surroundings. The trek to Triund Hill, starting from Dharamkote, was a highlight of our trip. The trail, lined with rhododendron trees and offering breathtaking vistas of the Himalayas, led us to a camping spot with panoramic views of the Dhauladhar range. Watching the sunset and sunrise from Triund was an unforgettable experience.

In Dharamkote, we also had the opportunity to participate in yoga and meditation sessions. The serene environment, coupled with the sound of birds and rustling leaves, created a perfect setting for mindfulness and relaxation.

Exploring Surrounding Areas

Beyond Dharamshala, McLeodganj, and Dharamkote, there are several other enchanting spots in the region that are worth exploring.

Bhagsunag Temple and Waterfall

On our visit to Dharamkote, we made a point to visit the Bhagsunag Temple, an ancient Hindu temple dedicated to Lord Shiva. The temple's serene surroundings and the nearby Bhagsu Waterfall make it a popular spot for both pilgrims and tourists. The waterfall is particularly

spectacular after the monsoon season, when it cascades down with full force, creating a misty and refreshing atmosphere.

Norbulingka Institute

A short drive from Dharamshala took us to the Norbulingka Institute, dedicated to preserving Tibetan culture and art. The institute is a tranquil haven, with beautifully landscaped gardens, traditional Tibetan architecture, and artisans at work. We were able to witness the creation of intricate Thangka paintings, wood carvings, and statues, and even participated in a workshop.

HPCA Stadium

The Himachal Pradesh Cricket Association (HPCA) Stadium, located in Dharamshala, Himachal Pradesh, India, is renowned for its picturesque setting. The stadium is at an altitude of 1,457 meters (4,780 feet) above sea level, making it one of the highest sports grounds in the world. The backdrop of snow-capped peaks provides a stunning contrast to the vibrant green

of the playing field, creating a unique and breath-taking experience for both players and spectators. Opened in 2003, the HPCA Stadium has a seating capacity of approximately 23,000. The stadium's design incorporates traditional Tibetan architectural elements, reflecting the local culture. It features modern amenities, including a well-maintained outfield, practice pitches, a pavilion, and spectator facilities. The Dharamshala stadium's unique combination of high altitude, stunning scenery, and modern infrastructure has made it a favourite among cricket enthusiasts and a notable venue in the international cricket circuit.

Tea Gardens of Kangra Valley

The tea gardens of Dharamshala, Himachal Pradesh, are a lesser-known but captivating aspect of this region, known primarily for its natural beauty and cultural richness. Dharamshala, situated in the Kangra Valley, is home to some of the oldest tea plantations in India, dating back to the mid-19th century when tea cultivation was introduced by British colonizers. Kangra tea, produced in these gardens, is renowned for its unique flavour, attributed to the region's distinct climatic conditions and soil properties. The tea gardens stretch across rolling hills, with neatly lined tea bushes creating a lush, green landscape that contrasts beautifully with the surrounding snow-capped mountains.

The tea produced here primarily includes two varieties: black tea and green tea. Kangra black tea is known for its malty flavour and a lingering aftertaste, while Kangra green tea is appreciated for its light, refreshing taste and health benefits. The tea from this region has received geographical indication (GI) status, affirming its unique origin and quality.

In addition to their scenic beauty and cultural significance, the tea gardens play a crucial role in the local economy, providing employment to many residents and contributing to the region's agricultural output. The blend of natural beauty, cultural heritage, and agricultural importance makes the tea gardens of Dharamshala a noteworthy destination for visitors to Himachal Pradesh.

Tapovan Ashram

Tapovan Ashram, located near Dharamshala in Himachal Pradesh, is a serene and spiritually significant retreat known for its peaceful ambiance and dedication to spiritual growth and meditation. The ashram is named

after the ancient Indian concept of "Tapovan," which refers to a place for spiritual practices, austerity, and meditation, often located in a forested area. The ashram is dedicated to the teachings of Swami Chinmayananda, a renowned Indian spiritual leader and founder of the Chinmaya Mission, which aims to spread the knowledge of Vedanta, the ancient wisdom of the Vedas.

The ashram complex includes several facilities designed to support spiritual practices, including meditation halls, libraries, residential quarters for visitors and monks, and spaces for yoga and other physical activities. Regular spiritual discourses, meditation sessions, and yoga classes are conducted, providing visitors with opportunities to deepen their understanding of spiritual principles and practice mindfulness. Tapovan Ashram also hosts various spiritual retreats and workshops, drawing visitors from around the world who seek solace and spiritual enrichment. The tranquil environment, combined with the ashram's emphasis on self-discovery and inner peace, makes it a popular destination for those on a spiritual journey.

In addition to its spiritual activities, Tapovan Ashram is involved in various social and educational initiatives, reflecting its commitment to community service and the upliftment of society. The ashram's holistic approach to spirituality, encompassing both personal growth and social responsibility, resonates with many who visit this sacred place.

Overall, Tapovan Ashram in Dharamshala is a haven for those seeking spiritual rejuvenation, offering a blend of natural beauty, profound teachings, and a supportive community for spiritual seekers.

Dal Lake and Naddi Village

A peaceful spot just outside McLeodganj, Dal Lake is surrounded by deodar trees and offers a serene environment for a leisurely walk. Nearby, Naddi Village provides panoramic views of the Dhauladhar range and is an excellent place for a sunset stroll. The village is also the starting point for several treks and offers a glimpse into the traditional lifestyle of the local Gaddi people.

Immersing in Local Culture

One of the most enriching aspects of our journey was the opportunity to immerse ourselves in the local culture and traditions. In Dharamkote, we attended a traditional Himachali music and dance performance organized by the village community. The vibrant costumes, rhythmic beats, and soulful melodies provided a deeper understanding of the region's cultural heritage.

We also participated in a cooking class where we learned to prepare local dishes such as siddu (a type of stuffed bread), chana madra (a chickpea curry), and babru (a sweet delicacy). The experience was not only educational but also delicious, allowing us to savor the unique flavors of Himachali cuisine.

Reflections on the Journey

Our journey through Dharamshala, McLeodganj, Dharamkote and Naddi was a blend of cultural immersion, spiritual awakening, and nature exploration. Each place offered a unique experience, from the spiritual vibes of Dharamshala and McLeodganj to the tranquil beauty of Dharamkote.

Dharamkote, with its serene landscapes and peaceful ambiance, left an indelible mark on our hearts. It reminded us of the importance of slowing down, connecting with nature, and finding inner peace. As we left this beautiful village, we carried with us not just memories of breath-taking views and warm encounters, but also a sense of calm and rejuvenation that only such a place can provide.

Himachal Pradesh, with its diverse landscapes and rich cultural tapestry, is truly a traveller's paradise. Whether you seek adventure, spirituality, or simply a quiet retreat, this region offers something for everyone. And in the heart of it all, Dharamkote stands as a testament to the timeless beauty and tranquillity of the Himalayas.

*****

इंसानियत अभी जिंदा है

अनिल गेहलोत
ग्राहक सेवा सहयोगी
एल आई सीए शाखा
जोधपुर पाल रोड

घनघोर छाई घटाएं कब अपना विकराल रूप धारण कर लें कुछ कहा नहीं जा सकता । ऐसे में रेल्वे स्टेशन के मेन गेट से प्लेटफॉर्म पर पहुंचने में ऐसा लग रहा था जैसे मैं हिमालय पर्वत की चढ़ाई कर रहा हूं।

रास्ता कहने को केवल 5 मिनट का ही था मगर जब घुटनों से ऊपर तक पानी का सैलाब काट कर आगे बढ़ा जाता है तब असली जंग महसूस होती है और साथ ही जब आपको पता चले की कुछ ही पलों में आपकी ट्रेन प्लेटफॉर्म छोड़ देगी तब तो यह स्थिति स्वयं से युद्ध के समान ही महसूस होती है।

कुछ समय पहले मुझे कुछ निजी कारणों से अहमदाबाद जाना पड़ा जैसा कि पूरे देश में बारिश अपने जोरो पर है मगर अहमदाबाद का हाल देखें तो यहां सड़के नदियों में परिवर्तित होने में समय ही नहीं लगाती। हम ठहरे रेगिस्तानी, गलती से भी वहां इतनी बारिश हमें नसीब कहां होती है।

रात की ट्रेन लेकर मैं अहमदाबाद सुबह ही पहुंचा था जहां मेरा स्वागत बारिश की बूंदों ने किया। हमारे शहर की बात कहूँ तो बारिश का मौसम कभी कभार ही बनता है तो दुकानदार अपनी दुकानों का शटर लगा कर घर में पकौड़ो का लुत्फ उठाते हैं मगर यहाँ की बात ही कुछ और है, यहाँ तो 4 महीने ऐसे ही बारिश असरदार रहती है तो कितने समय तक कोई काम बंद रखे। इसलिए बाजार हो या व्यापार यहाँ यूं ही चलता रहता है।

सुबह जब मैं स्टेशन से बाहर निकला तब वहां रिमझिम बारिश हो रही थी इतने से तो मुझे कोई दिक्कत नहीं थी। कुछ बाजार के काम निपटा कर और थोड़ी बहुत खरीददारी करके मैं अपने मिलने वालों के यहां पहुंचा तो दिन चढ़ आया था और शाम की मैंने वन्दे भारत में टिकट ले रखी थी तो मैंने वहां पहुंचकर खाना खाया और अपने रिश्तेदारों से बातचीत में कब समय निकला कुछ अंदाजा ही ना लगा। परिवार के साथ बैठ कर पुरानी यादों को ताजा करने में अकसर हम समय को तो भूल ही जाते हैं और दूसरी तरफ समय पंख फैलाकर उड़ने लगता है ऐसा ही कुछ मेरे साथ हो गया। 3 बजे के आस–पास मुझे जब ख्याल आया कि मेरी ट्रेन है 5 बजे की तो बाहर की तरफ नजर डालने पर मुझे अहसास हुआ कि आज की स्थिति तो बहुत ही चिंताजनक है मैंने अपने रिश्तेदारो से विदा ली, उनकी इच्छा तो यहीं थी कि मैं कुछ दिन वहीं रुक जाऊं, बड़े समय के बाद मुलाकात हुई और अपनों से मिलना आज के समय में वैसे भी बहुत मुश्किल होता है लेकिन मेरे अपने कारण थे। फिर उन्होंने मुझे बहुत आग्रह किया कि वे मुझे स्टेशन तक छोड़ आएंगे लेकिन ऐसी बारिश में उन्हें परेशान करने को दिल ना माना कि कहीं मुझे पहुंचाने में वो ही फंसकर ना रह जाएं वैसे भी प्रकृति कब अपना रूख बदल दे पता नहीं चलता।

तो मैं निकल पड़ा रास्ते पर। सोसाइटी के बाहर आकर कुछ देर तक जब ऑटो का इंतजार किया लेकिन ऐसे समय में ऑटो भी नहीं मिल रहा था। थोड़ा पैदल आगे बढ़ने का सोचा, कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ा मगर दिल और दिमाग में एक ही बात घूम रही थी कि कहीं ट्रेन ना छूट जाए। आखिर कार पास की सोसाइटी में रहने वाले कोई ऑटो से वहां पहुंचे ही थे तो वो ऑटो मुझे स्टेशन ले जाने को तैयार हो गया। ऑटो में बैठते ही मैंने चालक को आग्रह किया कि भाईसाहब मेरी ट्रेन है तो आप जितना जल्दी मुझे स्टेशन पहुंचने तो मैं अपनी वह ट्रेन पकड़ने में सफल हो पाऊंगा। चालक ने बताया कि मैं अपनी पूरी कोशिश करेगा लेकिन अभी हर जगह पानी भरा है तो जहां से परेशानी ना हो मैं

आपको वहीं से ले जाता हूं, कई मोड़ों और गलियों को पार करके हम स्टेशन पहुंच गए। ऑटो वाले ने भी गेट के बाहर छोड़ दिया कि अब इससे आगे मैं नहीं जा पाऊंगा, बहुत पानी भरा है। मैंने भी उसकी व्यथा को समझा और सी बी डी सी से उसका भुगतान करके बढ़ गया अपनी मंजिल की ओर।

घुटनों से ऊपर तक का पानी मुझे रोकने को आतुर था परन्तु कदम कहा ठहरने वाले थे।

जब मैं स्टेशन के अंदर पहुंचा तो जो गाड़ी प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर आनी थी वह हमारा इंतजार प्लेटफार्म नंबर 2 पर कर रही थी और जब नजर ट्रेन पर पड़ी तब तक ट्रेन के सभी दरवाजे बंद हो चुके थे। मेरे दिल की हालत मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मैं ही जानता हूं कि मेरी धड़कने कितनी तेज थी। इतने में इंजन वाले रूम से टी टी ने इशारा किया कि यही ट्रेन है, मैंने जल्दी से हां में सिर हिला दिया उन्होंने हाथ से इशारा करके अपने पास आने को कहा। प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर कोई गाड़ी ना होने के कारण मैं पटरियों पर कूद गया और दौड़कर इंजन रूम में चढ़ गया। जानता था कि गलत कर रहा हूं लेकिन अब कुछ तो करना ही था जल्दी से अन्दर पहुंचकर मैंने उनसे निवेदन किया कि कुछ और लोग भी आ रहे हैं उनके लिए भी कुछ मिनट इंतजार कर लिजिए उन्होनें कहा आप चिंता ना करो अपनी जगह जाकर बैठ जाओ। मैं सबसे पहले अपना बैग लेकर वाशरूम गया और अपने गीले कपड़ों को बदला। ए सी ट्रेन होने के कारण जब तक मैंने कपड़े बदले मुझे छींके आने लगी तब तक मैंने देखा कि बाकी बचे लोग भी आ गए।

ट्रेन ने सीटी दी और बढ़ चली अपनी मंजिल की ओर।

जब मैं अपने सीट पर बैठा सोच रहा था कि सचमुच इंसानियत अभी भी जिंदा है। वरना आज मैं इस ट्रेन में ना बैठा होता।

*****

Agriculture is the greatest and fundamentally the most important of our industries. The cities are but the branches of the tree of national life, the roots of which go deeply into the land. We all flourish or decline with the farmer.

- Bernard Baruch

केनरा बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) Canara Bank (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

Emerging Opportunities in Agricultural Credit in India

Ipsita Pradhan
Senior Manager
Economist, S & DA Wing
HO, Bengaluru

Executive Summary

- Agricultural Sector remains critical to the vision of 'Viksit Bharat' by the Government of India, with multiple linkage effects from employment to supporting both the supply side and demand side of the economy.
- In view of this, "Productivity and resilience in Agriculture" has been noted as the first among the nine priorities announced in the Union Budget 2024-25.
- The Government initiatives and focus has expanded opportunities in the Agricultural Sector for Banks in the following areas;
  - Financing for investment in viable projects for post-harvest management Infrastructure and community farming assets, under the Agricultural Infrastructure Fund Scheme (AIF).
  - Financing agri-startups in agriculture and allied sector.
  - Financing for adoption of advanced technologies like agri-mechanization and government-promoted innovations like Kisan drones.
  - Improving CASA by offering tailored financial products and services to farmers and agri-businesses in underbanked or unbanked areas.
  - Customised Products for financing Natural Farming as the Government is aiming to initiate more than 1 Crore farmers into natural farming with certification and branding, in the next two years.
- There is potential for growth of KCC credit in Eastern and North- Eastern states, which constitute only of 5% and 6% of total KCC issuances in FY 2023-24.

Agricultural sector is one of the vital sectors of Indian economy providing employment to about 42.3% of the population and contributing to 18.2% of the country's GDP at current prices (as per Economic Survey 2023-24). The sector had recorded an average growth of 4.4% from FY 2020-21 to FY 2022-23, supporting the growth of the economy from the supply side as well as adding to aggregate demand by enhancing the rural income.

However, the agricultural growth declined to 1.4% y-o-y in FY 2023-24 due to drop in food grain production amid delayed and poor monsoon caused by El Nino. This highlights the sensitivity of the agricultural sector to adverse climate conditions, calling for strategic policy measures to develop an ecosystem for climate-resilient agricultural practices, such as improved irrigation techniques, bio-fortified seed varieties and better soil management.

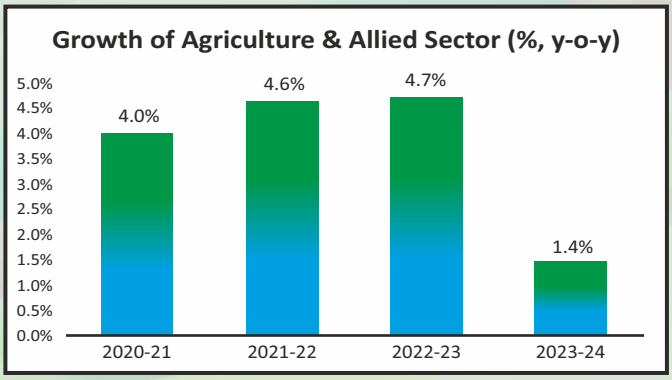

Considering this background and the critical position of the Agricultural Sector in having multiple linkage effects across the different sectors of the economy, the Finance Minister had presented "Productivity and resilience in Agriculture" as the first priority among the nine priorities to be focused on by the Government towards a 'Viksit Bharat' in the Union Budget 2024-25 announced on 23rd July 2024. The Government has earmarked an enhanced budgetary allocation of ₹1.52 lakh crore for agriculture and allied sector for FY 2024-25 as compared to ₹1.41 lakh crore for FY 2023-24 as per revised estimates.

Trend of Institutional Credit to Agriculture

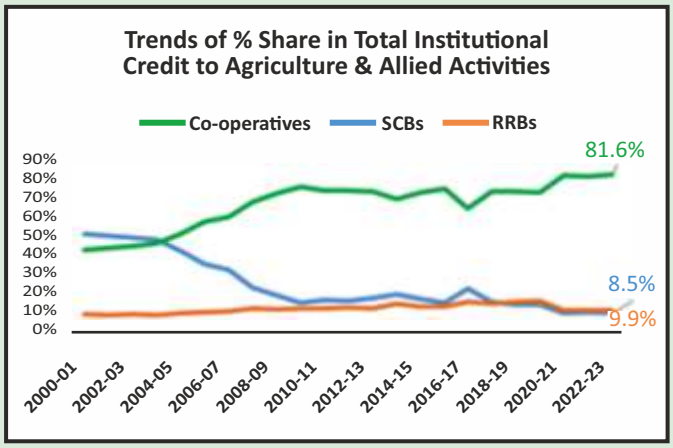

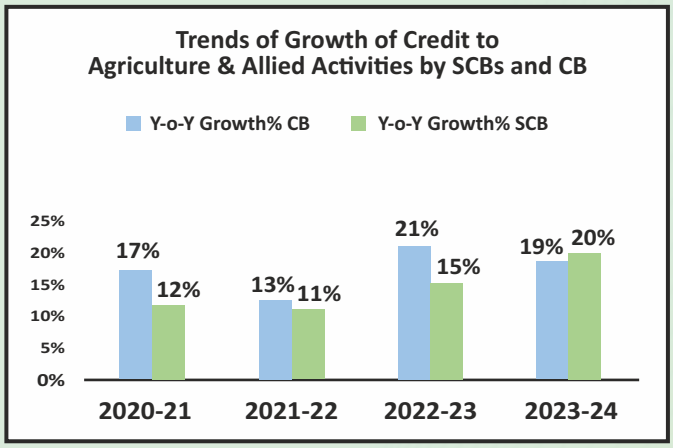

Source: RBI

The trend of institutional credit flow to Agriculture & Allied activities is led by Scheduled Commercial Banks (SCBs) with 81.6% share as on FY 2022-23 followed by Regional Rural Banks (RRBs) with 9.9% and Cooperatives with 8.5% share. Agricultural credit by SCBs has increased from ₹13.45 lakh crore in FY 2020-21 to ₹20.71 lakh crore in FY 2023-24 with an average growth of 15% over the period and Canara Bank (CB) has recorded an average growth of 18% over the same period. The Kisan Credit Card (KCC) scheme has played a pivotal role in providing timely and hassle-free credit to farmers, with over 7.4 crore operative KCC accounts at the end of 2023.

This highlights the significant role of Banking system to support the growth and development of the agricultural sector in India. Some of the key areas for Banking sector is highlighted below;

KCC: Empowering the Backbone of India: Kisan Credit Card (KCC) is a crucial tool for empowering farmers in India by providing them with much-needed financial support and interest subvention, which significantly reduces their financial burden, promotes timely access to credit and supports agricultural activities- thereby contributing to the growth of the farming sector. Total outstanding amount of KCC in FY 2023-24 is ₹ 9,81,764 crores with Y-o-Y growth of 10.82% over FY 2022-23.

According data submitted to Rajya Sabha, Uttar Pradesh, Kerala, Tamil Nadu, Karnataka, Telangana and Andhra Pradesh are the states having highest number of KCC accounts opened in FY 2023-24, constituting about 60% of total KCC issuances, as per provisional estimates. Whereas the states in the eastern and north-eastern region constitute only of 5% and 6% of total KCC issuances in FY 2023-24. This indicates that there is huge potential for growth of KCC credit in Eastern and North- Eastern states, which will help to augment hassle free credit to agriculture in these areas.

Supporting hand for building Agri infrastructure: The role of infrastructure is crucial for development of agricultural sector and increasing productivity of agricultural output. Considering this, the Government has announced ₹ 1 lakh crore Agri Infrastructure Fund (AIF) for farm-gate infrastructure for farmers, which refers to the physical structures

and facilities located at the point of production, where farmers produce and harvest their crops or raise live stocks. The key objective of the scheme is to mobilize a medium to long term debt financing facility for investment in viable projects for post-harvest management Infrastructure and community farming assets through incentives and financial support in order to improve agriculture infrastructure in the country.

Mentoring the Next Generation of Innovators: The Government of India is committed to promote Agri-startups by providing financial and technical support to agri-startups in agriculture and allied sectors. Agri-startups introduce innovative solutions and technologies to the agricultural sector and create opportunities for Banks to lend to a wider range of customers. More than 1708 agri startups are registered under "Innovation and Agri-Entrepreneurship Development" under Rashtriya Krishi Vikas Yojana (RKVY), showing a huge scope for financing the startups and expanding the agriculture credit.

Fund the Future of Farming: Banks are key partners in modernizing agriculture, offering farmers crucial access to credit for adopting advanced technologies like agri-mechanization and even government-promoted innovations like Kisan drones. This financial support not only boosts farm productivity but also opens doors for greater credit growth in the sector.

Agriculture Banking: A way to improve CASA: Many farmers and agri-businesses are still underbanked or unbanked, presenting a huge opportunity for Banks to expand their CASA base by offering tailored financial products and services. Various government schemes promote financial inclusion and support agriculture activities like PM Kisan. Under the scheme, a financial benefit of ₹6,000/- per year is transferred in three equal instalments, into the Aadhaar seeded bank accounts of farmers through Direct Benefit Transfer (DBT) mode. Government of India has disbursed over ₹ 3.24 lakh Cr to more than 11 Cr farmers in 17 installments since inception under PM Kisan which opens up a space for Banks to drive CASA growth.

Conclusion

The Indian agricultural sector is on the cusp of a transformative era supported by various Government schemes for agricultural sector including subsidies for technology adoption, support for infrastructure development and investments in research and developments. This has expanded the credit growth opportunities for financing agricultural technology startups, supporting farmers in adopting advanced machinery, investing in infrastructure projects such as cold storage, irrigation systems, bio-fertilizers and natural farming etc.

Going forward, as policies continue to evolve with Government's vision for a 'Viksit Bharat', there will be increasing opportunities for Banks to engage in partnerships and funding initiatives that align with the Government's vision of a modernized agricultural landscape.

Views/opinions expressed in this research publication are views of the research team and not necessarily that of Canara Bank or its subsidiaries. The publication is based on information & data from different sources. The Bank or the research team assumes no liability if any person or entity relies on views, opinion or facts and figures finding in this project.

"Agriculture is our wisest pursuit, because it will in the end contribute most to real wealth, good morals & happiness."

- Thomas Jefferson

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

यादों का घरौंदा – गोवा की सैर

रीनु मीना
प्रबंधक
क्षेत्रीय कार्यालय, बिलासपुर

यूँ तो नई–नई जगहों पर घूमना मुझे बहुत पसंद है, जब कभी मन किया दोस्तों के साथ घूमने निकल जाती हूँ। खैर इस प्रकार योजना बनाकर घूमने जाना तो एक अलग बात है लेकिन तब और भी अच्छा लगता है जब आपको स्वत: ही बिना योजना किए किसी अच्छी जगह जाने का अवसर मिल जाए, फिर तो कहना ही क्या? किस्मत से ऐसा ही एक मौका मिला मुझे गोवा जाने का, ऐसे तो मैं वर्ष 2016 में वार्षिक राजभाषा सम्मेलन में सहभागिता करने गोवा पहले जा चुकी थी परंतु उस समय एक दिन के सम्मेलन के बाद गोवा की सैर करने का अवसर नहीं मिल पाया था। इसलिए गोवा घूमने का विचार तो मन में था। पर जब इस तरह बिना किसी योजना के मुझे यह अवसर मिला तो यह मौका मेरे लिए कुछ ज्यादा ही रोमंचाकारी था। जिस समय गोवा जाने का अवसर मुझे मिला मैं प्रधान कार्यालय, बेंगलुरु में पदस्थ थी। तब प्रधान कार्यालय, मानव संसाधन विभाग द्वारा विभाग में आने वाले सभी अनुभागों एवं अंचल/क्षेत्रीय कार्यालय के मानव संसाधन अनुभाग से अधिकारियों के लिए गोवा में वर्क लाइफ बलेंस एंड लीडरशीप पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इस प्रशिक्षण हेतु यह दूसरा बैच था पहले बैच का प्रशिक्षण 2 महीने पूर्व आयोजित हो चुका था।

इस बार हमारे अनुभाग से इस बैच में प्रशिक्षण के लिए मुझे एक अन्य अधिकारी को नामित किया गया था। जैसे ही मुझे यह पता चला कि इस बार प्रशिक्षण के लिए गोवा जाने के लिए मुझे नामित किया गया है मेरा तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा और उसी समय मेरे अलावा जिस अधिकारी को नामित किया गया था उनसे बात करके गोवा किस प्रकार जाए ये योजना बनाने लगी। पहले हमने सोचा कि ये यात्रा बस के द्वारा की जाए, गोवा के लिए बेंगलूरु से बहुत बस चलती हैं, फिर देखा कि बस भी बेंगलूरु से 10 से 12 घंटे का समय ले रही है तो हमने यह यात्रा ट्रेन से करने की सोची और फिर क्या था तुरंत मेक माई ट्रिप लॉगिन किया और गोवा के लिए ट्रेन सर्च करने लगे। बेंगलूरु से गोवा के लिए ट्रेन सर्च करने पर देखा कि बेंगलूरु से गोवा के लिए टिकट आर ए सी में ही उपलब्ध है। हमने ज्यादा नहीं सोचते हुए आर ए सी का टिकट ही इस उम्मीद में बुक कर दिया कि हमारा टिकट कन्फर्म हो जाएगा और जैसा कि हमने सोचा था वही हुआ। गोवा जाने के लिए यह उम्मीद पूरी हुई और यात्रा के एक दिन पूर्व हमारा टिकट भी कन्फर्म हो गया। अब क्या था प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू होने के एक दिन पहले हम अपने–अपने घर से ट्रेन पकड़ने के लिए निकल गए।

बेंगलूरु से हमारी ट्रेन दोपहर के 2.20 बजे थी जो गोवा हमें अगले दिन प्रातः 4.30 बजे गोवा पहुँचा रही थी। कहते हैं न कि ट्रेन का सफर बहुत ही मजेदार रहता है तो हम इस सफर का आनंद लेते हुए और अपने मन पसंद चीजें खाते हुए जो हम अपने साथ में लाए थे गोवा पहुँच गए। गोवा छोटा सा राज्य है जो कि सन 1961 तक पुर्तगाली उपनिवेश था। तब भारत की सेना ने गोवा में घुस कर उसे पुर्तगाली शासन से मुक्ति दिलाई थी। पुर्तगाली शासन यहाँ लगभग 400 वर्षों तक रहा था। इसलिए पुर्तगाली कल्चर और भवन निर्माण कला के नमूनें यहाँ अब भी बहुतायत से मिलते हैं। गोवा में मात्र दो जिलें हैं नार्थ गोवा और साउथ गोवा।

प्रात : 5.00 बजे जब गोवा रेलवे स्टेशन के बाहर आकार हमने पणजी के लिए टैक्सी ली और जिस होटल में प्रशिक्षण होना था वहाँ के लिए रवाना हुए । वैसे टैक्सियाँ गोवा में महँगी हैं। कुछ ही समय में हम होटल पहुँच गए। होटल पहुँचने के बाद हमने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया तब पता चला कि मेरे साथ एक मैडम रुकने वाली हैं जो चेन्नई से आ रहीं है। रजिस्ट्रेशन करके हम अपने – अपने आबंटित रूम में चले गए। कुछ ही समय पश्चात चेन्नई, अंचल कार्यालय से मैडम जो आने वाली थी और जो प्रशिक्षण के तीनों दिन मेरे साथ ही रहने वाली थी वो भी आ गई । सुबह तो हो ही चुकी थी अब करना क्या था हम

जल्दी ही तैयार होकर प्रशिक्षण हॉल में चले गए जहाँ प्रशिक्षण होना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्था बहुत ही अच्छे तरीके से की गई थी और जिस विषय पर प्रशिक्षण होना था उस विषय के लिए जो अतिथि संकाय आमंत्रित किए गए थे उन्होंने बहुत ही ज्ञानवर्धक जानकारी हमें दी, जो कि हमारे लिए बहुत ही उपयोगी थी।

गोवा में पहले दिन प्रशिक्षण के दौरान मुझे पता चला कि यहाँ पर सिर्फ मैं ही गोवा की सैर नहीं करना चाहती मेरे अन्य साथीगण सभी को गोवा की सैर करनी है । इसके बाद क्या था शाम को हम सभी आपस में ग्रुप बनाकर गोवा की सैर करने निकल पड़े। गोवा अपने लुभावने बीचेज़ के लिए पूरी दुनियाँ में मशहूर है। दूर–दूर से देशी व विदेशी सैलानी गोवा के रेतीले तटों पर समय व्यतीत करने आते हैं। नार्थ और सउथ गोवा में बहुत सारे बीच हैं। कुछ बीच बहुत भीड़ भाड़ वाले होते हैं व अन्य शान्त व कम रौनक वाले। वैसे तो गोवा में बहुत से समुद्री बीच हैं पर हम कुछ चुनिन्दा बीचों में ही गए क्योंकि हमारे पास उस दिन ज्यादा समय नहीं था । उस दिन तो हम ज्यादा नहीं घूम पाए और आसपास जाकर वापस होटल आ गए डिनर करके होटल रूम में आकर सो गए क्योंकि अगली सुबह फिर प्रशिक्षण के लिए क्लास में जाना था।

अगली सुबह मैं और मेरी रूम मेट जो अब मेरी दोस्त बन चुकी थी। प्रात: 5.00 बजे उठे और पास ही कलंगुट बीच का आनंद लेने पहुँच गए। सुबह–सुबह समुद्र बीच पर जाकर जिस सुकून का एहसास होता है शायद ही कही हो। हमने वहाँ पर कुछ समय समुद्र की लहरों का आनंद लिया और फिर होटल आकर तैयार होकर प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्लास के लिए पहुँच गए, प्रशिक्षण के दौरान कुछ समय पढ़ने के बाद हमें पता चला कि

आज लंच के बाद हम सभी को समुद्र बीच पर ले जाएँगे और कुछ गेम एक्टिविं करवाएंगे। हम सभी को ले जाने के लिए 02 बसें बुक की गई थी । अब क्या था अब तो हम सभी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा और लंच करने के उपरांत हम सभी गोवा की सैर करने के लिए बस में सवार हो गए।

सबसे पहले हमें बागा बीच ले जाया गया। जब दोपहर में हम बीच पर पहुंचे तो वहाँ गर्मी के बावजूद अच्छी खासी भीड़ थी। बागा बीच आसपास के सभी बीचों से बड़ा है। पहली बार खुले आसमान के नीचे जहाँ तक नजर जाती हो, बस पानी ही पानी था। जिसे देखकर मन को ऐसा लगा जैसे ये विशाल समुद्र बाँहें फैलाकर हमारा स्वागत कर रहा हो और जब लहरें हमें छूकर वापस लौट रही थीं तो मानो वो हमारी थकान को मिटाते हुए हममें एक नया उत्साह भर रही हो।

वहाँ पर हमारे ग्रुप को विभिन्न गेम खिलवाए गए तथा वहाँ पर एक ग्रुप फोटो भी लिया गया। प्रशिक्षण में आए सभी साथियों ने समुद्र बीच का आनंद लेते हुए खूब मस्ती की। मैंने पहली बार कई एडवेंचर किए जैसे बोट राइड, वाटर स्कूटर की सवारी इसके साथ ही पैरासैलिंग की सवारी। पैरासैलिंग करते समय एक बार थोड़ा डर लगा पर थोड़ी देर बाद आसमान से समुद्र एवं बीच का नजारा देखकर डर भूल गई। मेरे ग्रुप में आए सभी साथियों ने पैरासैलिंग की और फिर हम वापस बोट में बैठकर बीच के किनारे आ गए। अभी समय भी बहुत हो गया था और जो हमारा प्रशिक्षण वाला ग्रुप गेम खेल रहा था वह भी पूरे हो चुके थे। अब हम सभी बस में सवार होकर वापस होटल आ गए जहाँ आज शाम संगीत के लिए एक लाइव शो आयोजित किया जा रहा था। संगीत का आनंद लेते हुए कुछ साथियों ने डांस करना शुरू कर दिया जिससे माहौल और भी मनोरंजक हो गया।

इस शो के उपरांत डिनर करके मैं और मेरी दोस्त वापस होटल के रूम में आ गए थोड़ी देर बाते की। मेरी दोस्त चेन्नई से थी तो उसको हिन्दी बहुत ही कम समझ में आती थी। उससे बात करते वक्त मुझे अंग्रेजी का ही प्रयोग करना पड़ता। फिर भी जब से वो मेरे साथ रह रही थी मैंने कुछ हिंदी शब्द बोलना उसको सीखा दिए थे। बाते करते करते हम सो गए। तीसरे दिन फिर सुबह जल्दी उठकर क्लास के लिए चले गए। क्लास में उस दिन गेम एक्टिविटी ही करवाई की गई और उसके बाद 1 बजे हमें गोवा फोर्ट घूमने के लिए ले जाया गया। गोवा के प्रमुख पर्यटक स्थलों में अगुआड़ा किला एक प्रमुख स्थान हैं, जोकि पर्यटकों को काफी आकर्षित करता हैं। यह किला अगुआड़ा बीच के नजदीक हैं जो इसके आकर्षण में चार चाँद लगाने का कार्य करता है। यह किला गोवा की राजधानी पणजी से लगभग 18 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैं। अगुआड़ा किला का दृश्य बहुत ही आकर्षक हैं, यह अरब सागर और मांडवी नदी के संगम को देखता हुआ प्रतीत होता हैं। अगुआड़ा किले का निर्माण पुर्तगालियों के द्वारा 17वीं शताब्दी में किया गया था।

गोवा सिटी में स्थित यह खूबसूरत किला पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ हैं। यदि आप भी गोवा जाते हैं तो इस मनमोहक किले को घूमना न भूले। इस किले का नाम पुर्तगाली शब्द अगुआ से लिया गया हैं और यह स्थानीय नाविकों के लिए ताजे पानी का स्त्रोत है। यह एशिया की मीठे पानी के जलाशयों में से एक था। अगुआड़ा किले को अगुआड़ा जेल के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता हैं। अपने पुराने दिनों में यह किला एक मूक प्रहरी हो सकता हैं लेकिन आज यह पर्यटक के लिए एक खूबसूरत पर्यटन स्थल बन गया हैं।

गोवा फोर्ट घूमने के बाद हमें मांडवी नदी पर एक घंटे की क्रूज ट्रिप पर ले जाया गया। ओहाना क्रूज पर एक बड़ी बोट में लगभग 100 यात्रियों के साथ यह ट्रिप थी। ऊपरी डेक पर प्लास्टिक की कुर्सियाँ लगी थीं। एक छोटी सी स्टेज भी थी जिस पर एक डीजे लगा हुआ था। पूरे क्रूज में आयोजकों ने नदी के दृश्य का आनंद लेते हुए विभिन्न हिंदी बालीवुड गानों पर डांस किया। आयोजकों ने कुछ लोकल डांस भी प्रस्तुत किए। क्रूज में गोवा का सांस्कृतिक नृत्य देखने को मिला। इस पूरी ट्रिप के दौरान बोट पर डीजे लाउड म्यूजिक बजाता रहा और सैलानियों को डांस करने को उत्साहित करता रहा। इसके साथ ही आए सभी कपल्स को डांस करने के लिए बुलाया गया था और उसके बाद सभी को ग्रुप डांस के लिए, सभी साथियों ने क्रूज का आनंद लिया।

इसके बाद सभी होटल के लिए बस में सवार होकर निकल गए क्योंकि बहुत से साथियों को उसी दिन अपने अपने स्थान पर वापस अपने कार्यस्थल पर जाने के लिए निकलना था। मैं और मेरे साथ जो अधिकारी बेंगलूरु से आए थे हमारी भी रात को ही बेंगलूरु वापसी की ट्रेन थी इसलिए हमने जल्द ही डिनर किया और अपना बैग पैक कर गोवा से की गई शॉपिंग और बेंगलूरु साथियों के लिए वहाँ से खरीदे गए काजू लेकर वापस टैक्सी लेकर रेलवे स्टेशन से रात्री 11.45 की ट्रेन पकड़ने के लिए निकल गए। गोवा की इस ट्रिप की कुछ खासियत है जो आज भी लुभाती है जिसकी वजह से गोवा मेरे लिए यादों का एक घरौंदा बन गया।

गोवा की कुछ यादगार खासियत:–

समुद्री नारियल : यूँ तो नारियल हर जगह मिलता है, पर गोवा के नारियल पानी की बात ही निराली है। बीच पर खड़े होकर नारियल पानी पीने का अपना ही मजा है। जानते हैं गोवा में नारियल की फसल बड़े पैमाने पर होती है, साथ ही इससे रस्सियाँ और चटाई भी बनाई जाती हैं। इसका तेल खाना बनाने में उपयोग किया जाता है। इससे मछली पकड़ने का जाल भी बनता है। इसकी पत्तियाँ छत और टोकरी बनाने में काम में ली जाती हैं, इसलिए वहाँ के लोगो की जीविका का प्रमुख स्त्रोत नारियल है।

रोमांचक स्थल : गोवा के बीच पर आप कई रोमांचकारी साधनों से अपनी सैर का मजा दोगुना कर सकते हैं। अगले दिन हम बागा बीच और कॉलिंगवुड बीच पर गए, जहाँ पैराग्लाइडिंग की जा सकती है। हममें से केवल मौसमीजी ने पैराग्लाइडिंग

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

की वो काफी उत्साहित थीं, इसे करने के लिए उन्होंने हमें बताया कि जमीन से 80 मीटर की ऊँचाई पर उन्हें एक पैराशूट से लटका दिया गया ऊपर से दूर-दूर तक बस पानी नजर आ रहा था।

पैराशूट उन्हें समुद्र के बीच लेकर गया। उनके लिए वो वाकई काफी रोमांचक अनुभव रहा। इसके साथ ही हम सभी ने वॉटर स्कूटर भी चलाया। जो पानी को चीरता हुआ लहरों के ऊपर से उछालता हुआ तेजी से आगे बढ़ रहा था। साथ ही यहाँ बड़े-बड़े क्रूज भी चलते हैं। इसमें एक बार में 400 से अधिक लोग होते हैं।

इसमें सबसे ऊपर वाले फ्लोर पर खड़े होकर समुद्र का नजारा देख सकते हैं। बीच वाले फ्लोर पर बैठने की व्यवस्था होती है। इसमें गोवा के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। सबसे नीचे डिस्को डेक होता है। इस तरह क्रूज लोगों का मनोरंजन करने का ऐसा रोमांचकारी साधन है, जिसमें आप घूमने, गाने और खाने तीनों का आनंद उठा सकते हैं। इसका नजारा रात में देखते ही बनता है ।

तटीय व्यंजन : आमतौर पर गोवा में भी वेज और नॉनवेज दोनों तरह का खाना मिलता है। पर इस तटीय क्षेत्र में विशेषकर सी-फूड लोकप्रिय है। फिश, प्रॉन, लॉबस्टर ये गोवा के विश्व प्रसिद्ध सी-फूड हैं। गोवा में नट्स खरीदने के लिए पंजिम मार्केट सबसे अच्छी जगहों में से एक है क्योंकि यह इस क्षेत्र का सबसे बड़ा स्थानीय बाजार है। कुल मिलाकर, अगर आप गोवा से क्या खरीदना चाहते हैं, इसकी तलाश कर रहे हैं, तो काजू सबसे अच्छे हैं। जो यहाँ बहुतायत में पैदा होता है।

गोवा फैशन : गोवा में लोग भी फैशनेबल होते हैं। इनके परंपरागत परिधानों में महिलाएँ मुख्यतः नववारी साड़ी, पुरुष शर्ट और हाफ पेंट के साथ हैट का उपयोग करते थे, लेकिन अब सिर्फ कुंबी और जालमी जैसी कई जनजातियाँ इस परंपरागत वेशभूषा को पहनती हैं। मगर बदलते दौर के साथ पहनावा भी बदला। आज गोवा वेस्टर्न ट्रेंड को अपना रहा है। इसके असर के तौर पर यहाँ टैटूज बनवाने का चलन देखा जा सकता है।

यादों का घरौंदा : तो यह थी गोवा की जीवन शैली, जिसने हमें बहुत हद तक प्रभावित किया। हमने तीनों दिन प्रशिक्षण के साथ – साथ वहाँ भरपूर लुत्फ उठाया। यही कारण है कि वहाँ से हम बहुत-सी यादों को अपने साथ लेकर आए। वो नारियल पानी की मिठास, समुद्र की लहरों की वो आवाज आज भी कानों में गूँजती है, तो मन एक बार फिर कह उठता है कि मीठी यादों का ये सिलसिला इस झरोखे में यूँ ही तरोताजा बना रहे।

"The discovery of agriculture was the first big step towards a civilised life"

-Arthur Keith

Miss. Arundhathi Nair D/o Smt. Smita Divisional Manager, Resources Wing, Head Office, was awarded Gold medal for securing **First Rank** in the 5 year Integrated **M.Sc. Data Science** from Amrita Vishwa Vidyapeetham, Coimbatore.

AMRITA
VISHWA VIDYAPEETHAM
HQ: Coimbatore - 641 112, Tamil Nadu, INDIA

Certificate of Merit

This is to certify that
Arundhathi Nair S is awarded **Gold Medal**
for having secured **First Rank** in the
Five Year Integrated Master of Science
Programme in **Data Science**
at the **Coimbatore Campus,** during **2019-2024.**

Controller of Examinations
Date: 31/07/2024
Registrar
Dean / Associate Dean / Principal

CIBM

Independence day was celebrated in the campus of CIBM, Manipal. Sri Shreenath Joshi, GM and CLO, CIBM Manipal hoisted the National Flag on this occasion and addressed the gathering. In his address, Sri Shreenath Joshi highlighted the significance of Independence Day, the progress India has made since 1947, and recalled the sacrifices of our freedom fighters. He also stressed on the unflinching support by Canarites for various initiatives of the Government of India in its endeavour to strengthen the economy, social upliftment and women empowerment.

Bengaluru CO organized a Mega MSME Outreach Programme on 14.08.2024. ED Sri. Ashok Chandra graced the function with Sri. Mahesh M Pai, GM. The programme was attended by over 125 prospective and new customers with diversified business activities. ED Sri. Ashok Chandra in his Key Note Address, briefed about our banks journey and outreach to MSME business, he also stressed upon reducing decision making to 48 hours and there by reducing the overall time taken.

BENGALURU

New staff canteen of Bengaluru CO was inaugurated by ED Sri. Bhavendra Kumar on 05.09.2024 at Spencer Tower, MG Road, Bengaluru. Sri. Pushkar Sinha, Chief General Manager, Inspection Wing, HO Sri. N Sitarama Somayaji, GM, Vertical head, TM Vertical, HO, Sri Rama Naik K, GM, GA Wing, HO Sri. Mahesh M Pai, GM, Circle Head, CO Bengaluru were also present.

ED Sri. Hardeep Singh Ahluwalia visited Bengaluru Circle on 02.08.2024 to attend Mega CanAdalat of Circle Office, Regional Offices, ARM, LCB, MCBs Branches. Sri. Vikram Duggal, GM, SAM Wing & Sri. Barun Singh Thakur, GM, RL&FP Wing were also present in the Adalat. High Value NPA Parties attended & fruitful discussion took place with ED. Accounts were settled under OTS to the extent of around ₹40 crore.

CHENNAI

Chennai CO conducted Customer Meet on 07.08.2024 at Taj Coromandel, Chennai. ED Sri. Ashok Chandra along with CGM Sri. Nair Ajit Krishnan, CGM (D) Smt. K A Sindhu, Executives from Circle Office, RO Heads, LCB and MCB Heads were present during the meet. The clients included M/s Hinduja Leyland Finance Ltd, M/s Pushpit Steels Pvt Ltd, M/s CASA Grand, M/s Zulaikha Motors Pvt Ltd and new age entrepreneurs like M/s Clazy Resorts Pvt Ltd, M/s Chennai Elite Traders Pvt Ltd. This fruitful interaction with ED has helped the Circle garner prospective business of ₹665.00 Cr under MSME and Corporate Sector.

Chennai CO arranged "Canara Vidya Jyothi" scholarship distribution program under the guidance of Sri Nair Ajit Krishnan, CGM, Chennai CO and CGM (D) Smt. K.A. Sindhu on 14th and 15th of August in all the Regional Offices of Chennai.

MD&CEO Sri. K Satyanarayana Raju visited Chennai CO on 29.09.2024 and interacted with Circle staff. He highlighted the features of our Premium payroll package and other valued products viz Canara Angel, Elite/Delite etc., and advised all the staff to canvass more accounts aggressively in the market. He guided all the staff towards the action plan and strategies for achieving the targets. He emphasized on leveraging the available opportunities in the market and to strengthen customer relationship and liaisoning. He touched upon the various potential avenues, giving thrust to key areas including SB individual, SB institutional and strengthening CASA growth.

ED Sri Hardeep Singh Ahluwalia visited Chennai CO on 21.08.2024. Sri Nair Ajit Krishnan, CGM and Smt K A Sindhu, GM, CO Chennai welcomed the ED. He reviewed the performance of Recovery Section and CRM Section at CO Chennai and gave his valuable inputs, advice and directions for the way forward. A Mega Adalat was scheduled and ED Sri. Hardeep Singh Ahluwalia along with other Circle Office Executives interacted with high value NPA customers and OTS offer to the tune of ₹2950.00 lakhs were received as against book liability of ₹3525.55 lakhs in various accounts.

HUBBALI

Canara Vidya Jyoti Scholarship distribution was organized by Canara Bank, CO, Hubballi. Smt Vijayashree, DGM, CO, Hubballi, Sri Dr. C Krishanamurthy, Finance Officer, KL University, Sri Channappagouda, Block Education Officer (BEO) of Hubballi city, Sri Robert de Silva, AGM, CO, Hubballi, and Sri Sajal Sameer, AGM, RO, Hubballi participated in the program. Total of 96 students were given scholarships and certificates.

JAIPUR

GM Sri. Ajit Kumar Mishra from Resources Wing, Head Office, visited Jaipur Circle on 14.08.2024. He, along with Smt Geetika Sharma, GM & Circle Head, Sri M C Khandelwal, DGM, Sri Vinay Mohta, AGM Jaipur Circle and Sri Joffy Thomas, AGM & RO Head, Jaipur RO met various Govt. Departments/PSUs and HNI customers. In the interaction, GM Sri Ajit Kumar Mishra discussed various ongoing projects in organizations and also requested them for CASA and salary accounts of their employees.

KARNAL

ACVO Sri Rakesh Kumar visited Karnal CO on 08.08.2024. ACVO, in his address enlightened the role of Preventive vigilance in banking. He addressed all the Executives and Section Heads of Karnal Circle Office, Regional Heads and LCBs/ MCBs/ MSME SULABH/ RAHs/ & few selected Branch Heads have participated. In his keynote address he enlightened about the true meaning of Vigilance and said that Vigilance is a powerful Business Enabler, and our focus should be on Preventive Vigilance rather than Punitive Vigilance.

KOZHIKODE

Sri P.R.Deo GM, SAM Wing, HO Bengaluru visited CO Kozhikode on 12.08.2024 and interacted with Resources Section, Overseeing Executives and Marketing Section of Circle Office. Sri Sreekanth V K, DGM Overseeing Executive of Resource Section presented circles profile and performance in his welcome address.

Kozhikode CO and RO together organized a grand celebration of India's 78th Independence Day at RO Kozhikode. Sri. S Anil Kumar Nair, Circle Head & GM, hoisted the National Flag and briefed our Staff about Bank's role & commitment in Nation Building through banking services. Executives and employees of Regional Office and Circle offices were also present on the occasion

MADURAI

On 14.08.2024, CO Madurai hosted the Canara Vidya Jyothi Scholarship Award ceremony at the Kalaignar Library, Madurai. This event underscored Canara Bank's commitment to fostering educational excellence and supporting talented students. The event was honored by the presence of Madurai District Collector Smt. Sangeetha MS, Chief Education Officer Smt. Karthika, Adi Dravida Welfare Joint Superintendent Sri Xavier Paulsamy, and Smt. Celina, DM, TWAD Madurai. Their presence highlighted the collaborative effort in supporting educational initiatives.

On 13.08.2024, CO Madurai, in partnership with the Lead Bank Madurai, organized an event to observe Partition Horrors Remembrance Day. The event was distinguished by the presence of DGMs Sri Shobhit Asthana, Sri VK Bhat, and Sri Indu Bhushan Sharma. Their participation highlighted the bank's commitment to acknowledging and reflecting upon historical events that have shaped the nation. The ceremony commenced with a heartfelt tribute to the victims of Partition, by Sri Thamarai Kannan, LBO, Madurai. The chief guests, two esteemed freedom fighters, shared their poignant recollections and experiences from the struggle for independence.

On the occasion of Indian Organ Donation Day, a pledge taking program was organized by the CO Madurai. An online Quiz competition was also conducted to create an awareness about organ donation. Staff members approached the competition with a positive and enthusiastic attitude.

TIRUPATI

AEOs review meet for the quarter ending June 2024 was conducted by CO Tirupati. The review meeting was chaired by Sri I P Mithanthaya, GM Tirupati CO and graced by Shri Ravinder Kumar Agarwal, DGM, CO Tirupathi. Regional Heads of all 6 ROs, overseeing DM of Circle Office Tirupati, DMs of all ROs, Section Heads of CO and RO and AEOs of all 6 Regional Offices attended the meeting.

ED, Sri Bhavendra Kumar visited Tirupati CO on 16.08.2024. Tirupati circle's performance assessment & strategic planning summit for FY 2024-25 was conducted on 17.08.2024. The meeting was chaired by ED, Sri Bhavendra Kumar and had the participation of Circle Head along with Executives of Tirupati CO, Resources, Advances, Marketing, TM section staff and RO Heads with their verticals Executives. Circle Head & GM, Sri I Panduranga Mithanthaya presented the Circle Business Profile and highlighted the achievements, concerns of the Circle & Roadmap to overcome the concerns.

TRIVANDRUM

Sri. Pranay Ranjan Deo, GM, SAM Wing, HO, visited Thiruvananthapuram Circle on the 13th & 14th August 2024 as a part of Mission CASA, for augmenting the CASA portfolio of the Circle. Sri P R Deo along with Sri. Pradeep KS, GM & Circle Head, Sri Balaji Rao T R, DGM CO Trivandrum, Sri Anil Kumar Singh, AGM CO Trivandrum, Sri. Srinivasa Kumar D, RO Head Thriuvananthapuram North and Smt. Anju Mohan, DM CO Trivandrum visited with various Govt. Departments/PSUs and HNI customers.

78th Independence was celebrated by CO, Thiruvananthapuram. Sri Pradeep K. S., GM & Circle Head hoisted the flag and gave the Independence Day message at Circle Office. Sri T. R. Balaji Rao, DGM and Sri Ajay Kumar Singh, DGM were also present on the occasion and addressed the gathering. Staff members and their family members actively participated in the cultural programmes and added colour to the event.

Thiruvananthapuram CO celebrated Indian Organ Donation Day on 03.08.2024 in accordance with the communication from Secretary, Ministry of Health & Family Welfare and Head Office, Bengaluru. In this connection, a Malayalam Essay Writing & Slogan writing Competition and Hindi Essay Writing & Slogan writing Competition were conducted. A free Eye Check-up Camp for employees of Canara Bank in

association with Vasan Eye Care, Tvm was also organised. An awareness programme on Organ Donation was also arranged at Circle Office in association with Kerala State Organ and Tissue Transplant Organization (KSOTTO). Sri Balaji Rao T. R., DGM chaired the meeting. All other Executives and employees from CO attended the programme.

VIJAYAWADA

Anandapuram Branch was inaugurated on 29.08.2024 Sri P Ravi Verma, GM, Circle Head Vijayawada along with Sri N Madhusudhana Reddy, AGM and Regional Head Visakhapatnam. The ceremony was graced with esteemed presence of our customers and staff from nearby branches and RO.

Parenting tips for Teenagers

1. Encourage honest conversations, hear them out without interrupting, acknowledge and recognize their feelings.
2. Gradually increase freedom, guide them on friendships at the same time establish rules and consequences.
3. Empathize and praise their efforts, not just results.
4. Help them set realistic targets and encourage effective time management.
5. Empower them to pursue their passions and avoid imposing your own preferences in their academics.
6. Actively engage them in festivals, customs, and family gatherings.
7. Monitor screen time and internet usage.
8. Watch for signs of stress, anxiety, or depression. Encourage exercise and healthy eating.
9. Teach budgeting, saving, and spending. Gradually transfer financial responsibilities.

आगरा

दिनांक 21.09.2024 को आगरा में आयोजित टाउन हॉल मिटिंग के दौरान अंचल प्रमुख श्री जोगिंद्र सिंह घनघस, महाप्रबंधक बैंक द्वारा कार्यपालक निदेशक, श्री भवेंद्र कुमार जी को सम्मानित करते हुए।

अहमदाबाद

दिनांक 03 अगस्त 2024 को अहमदाबाद अंचल कार्यालय के प्रमुख श्री शम्भू लाल, महाप्रबंधक के कुशल नेतृत्व में भारतीय अंगदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में अंचल कार्यालय के कार्यपालकगण, अनुभाग प्रमुख एवं समस्त कर्मचारियों ने सहभागिता दर्ज की। इस कार्यक्रम के दौरान सभी कर्मचारियों ने अंगदान प्रतिज्ञा ली।

दिल्ली

दिनांक 14 अगस्त 2024 को अंचल कार्यालय, दिल्ली में 78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर "केनरा बैंक डॉ. अंबेडकर विद्या ज्योति छात्रवृत्ति योजना" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली अंचल प्रमुख श्री आर के सिंह, मुख्य महाप्रबंधक, श्रीमती आभा सिंह यदुवंशी, शेयरधारक निदेशक और श्री वड्डेपल्ली रामचंदर, सदस्य राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के कर–कमलों से चयनित एससी/एसटी मेधावी छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरित की गई। इस कार्यक्रम में कुल 1284 एससी/एसटी मेधावी छात्राओं को 51.36 लाख रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

दिनांक 31.08.2024 को क्षेत्रीय कार्यालय, नोएडा द्वारा जेवर शाखा में स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) क्रेडिट लिंकेज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री राजेश कुमार सिंह, मुख्य महाप्रबंधक, अंचल कार्यालय, दिल्ली द्वारा की गई। नोएडा क्षेत्रीय प्रमुख, श्री अतुल राजन, सहायक महा प्रबंधक द्वारा स्वागत संबोधन किया गया। कार्यक्रम में 20 से अधिक स्वयं सहायता समूह की 150 महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा स्वयं द्वारा बनाये गए बैग, सूट व चप्पलों के स्टॉल भी प्रदर्शन में लगाए गए, जिनको बनाने का प्रशिक्षण केनरा बैंक आरसेटी, नोएडा द्वारा महिलाओं को प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में 18 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ऋण मंजूरी पत्र दिए गए।

कोलकाता

दिनांक 16.09.2024 को श्री पी के बनर्जी, माननीय संयुक्त सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कोलकाता अंचल का दौरा किया। कोलकाता अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री कल्याण मुखर्जी और रांची अंचल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री सुजीत कुमार साहू (वीसी के माध्यम से) ने इस समारोह में भाग लिया। इसके साथ ही कोलकाता अंचल

के उप महाप्रबंधक श्री अमृत घोष, कोलकाता अंचल के उप महाप्रबंधक श्री रजनीश कुमार, श्री संदीप चौधरी, क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता–1 के उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रमुख तथा अंचल कार्यालय, कोलकाता के अन्य अधिकारीगण भी मौजूद रहे। कोलकाता अंचल के मंडल प्रबंधक श्री अनुपम बिस्वास ने बैंक की विभिन्न शिक्षा ऋण योजनाओं पर एक प्रस्तुति दी, जिसके बाद आईबीए मॉडल शिक्षा ऋण योजना, सीएसआईएस योजना, विद्या तुरन्त योजना और पश्चिम बंगाल छात्र क्रेडिट कार्ड योजना (पश्चिम बंगाल राज्य के लिए) पर विस्तृत चर्चा की गई।

मणिपाल

दिनांक 14.08.2024 को श्री सुनील कुमार यादव, महाप्रबंधक एमएसएमई विभाग प्रमुख,प्रधान कार्यालय बेंगलुरु ने मणिपाल अंचल का दौरा किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय उडुपी–II में ''एमएसएमई मेगा क्रेडिट कैंप'' का आयोजन किया गया। अंचल कार्यालय मणिपाल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री जयप्रकाश सी, उप महाप्रबंधक श्री राजीव ठुकराल और उडुपी–I और उडुपी–II क्षेत्रीय कार्यालय के क्षेत्रीय प्रमुख, सुलभ प्रमुखों ने क्षेत्रीय कार्यालय उडुपी–II में आयोजित एमएसएमई मेगा क्रेडिट कैंप में भाग लिया। अंचल कार्यालय मणिपाल के महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री जयप्रकाश सी, द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। एमएसएमई कैंप

के दौरान लगभग 40–50 ग्राहक मौजूद थे और महाप्रबंधक श्री सुनील कुमार यादव ने विभिन्न ग्राहकों द्वारा उठाए गए संदेह / प्रश्नो का निवारण दूर किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि ग्राहक सेवा की बेहतरी के लिए सभी बहुमूल्य सुझावों को अपनाया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान, क्षेत्रीय कार्यालय उडुपी–I और II के ऋण लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए।

पटना

दिनांक 02.09.2024 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक एवं बीमा) की 81वीं बैठक में केनरा बैंक अंचल कार्यालय पटना को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। भारतीय रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक से पुरस्कार ग्रहण करते हुए महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार मिश्रा एवं प्रबन्धक राजभाषा रवि प्रकाश सुमन।

रांची

दिनांक 02 सितंबर 2024 श्री भवेन्द्र कुमार, कार्यपालक निदेशक की अध्यक्षता में अंचल कार्यालय, रांची सहित सभी क्षेत्रीय कार्यालय, शाखाओं व इकाइयों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरे में चारों क्षेत्रीय कार्यालयों, 24 चुनिंदा शाखाओं, 4 खुदरा आस्ति केंद्रों और 4 एमएसएमई सुलभ के कार्यानिष्पादन की गहन समीक्षा की गयी। श्री संजय कुमार मिश्रा, उप महाप्रबंधक ने कार्यपालक निदेशक श्री भवेन्द्र कुमार और श्री अजीत कुमार मिश्रा, महाप्रबंधक, संसाधन विभाग और सभी उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री सुजीत कुमार साहू, महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख ने अंचल कार्यालय, राँची के कारोबार निष्पादन पर ध्यान केंद्रित करते हुए मुख्य संभाषण प्रस्तुत किया।

प्रधान कार्यालय में 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह

78th Independence day Celebration at Head Office

Hopes and Hurdles

Rochak Dixit
Manager
Merchant Management Section
DBS Wing

In the heart of Goa, there was a modest but well-regarded bank known for its supportive approach to small businesses. The bank had built a helping reputation for aspiring entrepreneurs over time. Its success was attributed to its empathetic staff and community-driven ethics. Today was another day when a middle-class man walked into the bank seeking financial support with hopeful eyes. Nikhil had always dreamed of opening a food shack for tourists, preferably around one of the famous beaches. The tourism boom in Goa had inspired him to do so and he was now determined to make his venture a reality. He approached the counter and requested a loan, eager to turn his vision into a tangible business. He also got into a small conversation with the concerned officer as both of them were localities. The bank official told him that many other people are also borrowing for similar businesses these days and wished him good luck.

The process had multiple steps but all of it started with a loan application form. The bank official handed him a form and asked him to fill it out. He looked around and found himself a corner to sit. He took out a pen from his pocket and started filling in his information carefully, working through the detailed paperwork. Little did he know, his conversations and every move were being watched by a man lingering in the background – Ravi, a con artist skilled in exploiting trust. Pretending to be another bank official, he approached Nikhil in a friendly manner.

"Hello sir, Good Morning. Good wishes for your upcoming business. I'm here to assist you with your loan application. Do you need any help with the form?" he asked smoothly.

Nikhil, feeling relieved to have some help, gratefully accepted. He asked him about a few fields of which he wasn't sure of. "It looks like I'm almost done. Can you guide me through the next steps?" He asked.

Ravi, in his practiced charm, assured him that all procedures were straightforward. "There's a small fee for documentation and legal charges sir." Ravi explained and added, "It's 85,000 rupees, but don't worry – it will be adjusted into your loan's interest rate". Along with the cash, he also asked him for copies of a few obvious documents like passport size photographs, self-attested ID proof, etc. This made him look legitimate. Although Nikhil was taken aback by the amount for a moment, he was comforted by the adjustment policy.

Ravi behaved very politely during the entire conversation. He maintained his helping front and professionalism in his voice parallelly. In the end, he asked Nikhil as to when he was willing to submit the money and documents. He also offered him doorstep collection service saying that the bank was really supportive for emerging businessmen. Nikhil invited Ravi to his place and handed over the sum in cash that very evening, along with an ID proof and two passport-sized photographs. Ravi's manner was so convincingly official that Nikhil had no reason to doubt him. He confirmed that Nikhil's account would be credited in approximately a week and he would be contacted for any further documents. He assured him that Nikhil doesn't need to visit the bank again unless there would be something specific. Nikhil, slightly nervous for a big transition in his life, was happy with such a hassle-free process.

A week later, Nikhil returned to the bank, eager to hear about the status of his loan. He had been waiting for the money but there was no communication regarding the credit. He walked straight to the loan department and enquired about his application. To his shock, he learned that his application was nowhere in the bank's system.

Multiple officials tried helping him with the receipt he had but it was obviously fake. His heart started beating faster as he realized that his saving was also gone. He demanded answers, creating a scene standing in the middle of the bank branch. The shouting drew the attention of the entire staff and attracted a big crowd of customers. Nikhil's loud accusations had put a question mark on the faces of all the employees. He demanded compensation of his lost money from the bank or else he threatened to sue them. When he did not get any answers, he believed that the bank staff was involved in this fraud and he filed a police complaint immediately. Soon, the local media and newspapers were flooding with this news and it cast a shadow over the bank's pristine reputation. Press sensationalized the story, and the bank's management faced intense criticism. As a result, people started withdrawing their money and some closed their accounts too.

The police started an investigation, employing CCTV footage and rigorous questioning of bank employees. They managed to capture an image of Ravi and triggered a search operation. Although, they struggled to track him down in the next few days, the con artist seemed to have vanished. Nikhil, on the other side, blamed the bank officials endlessly. How could a scammer enter the bank, fool a customer with that level of perfection and nobody including the security noticed anything? He believed his answers would come from the bank itself. The bank employees, shook by the scandal, feared for their jobs. With withdrawals increasing and public trust breaking every day, the bank faced a critical threat to its survival. Amidst this, a young banker named Prajwal decided to take a further step to help himself and his colleagues.

Prajwal used his savings and with some help from his co-workers, he hired a private detective to find the scammer. He was the only link who could uncover the truth and save all of them. The detective worked tirelessly, following leads and piecing together clues. Days turned into weeks, and the pressure increased continuously. Even after a lot of struggles, he was not able to find the con man. But finally, the detective found something which was really worth the wait. The investigation revealed an unexpected twist. Ravi was never a stranger to Nikhil. In fact, they had been in constant touch from a long time prior to this incident. It proved that the two were partners in crime, using their roles to scam mid-size financial organizations in various disguises every time. They generally targeted organizations who could not afford a tarnished reputation in the market, and tried to extort money in various forms. Since they were skilled to scare off the involved parties very well, everyone preferred settlement over reporting.

Prajwal and his colleagues approached the police with this new information. After a series of intense interrogations, Nikhil eventually confessed his role in the scam and his help also led the police to Ravi. Both of them were arrested soon and their activities were exposed. The news of their capture brought a sense of relief to the bank. Also, a couple of more organizations who were deceived by them in the past came forward and testified their activities. Police helped in the monetary recovery of the victims one by one and the scammers were put behind the bars. There was no shortage of witnesses against them now.

The bank management acted swiftly to restore their tarnished reputation. They issued a full-page explanation in the local newspaper, detailing the fraudulent scheme and the steps taken to address it. They also requested the customers to be vigilant against such frauds and issued a small handbook of precautions available for free to their customers. Their transparency and commitment to resolving the issue began to mend public trust. As business gradually returned to normal, the bank's staff had also learned valuable lessons about vigilance and integrity. Prajwal's initiative had not only saved the bank but also restored its faith in the community. The management appreciated him for his determination and attentiveness. The case had also reinforced the bond between the bank and its customers, as they saw the bank's commitment to justice and customer welfare.

In the end, the bank emerged from the crisis wiser and more resilient. They implemented stricter measures to prevent future fraud and worked diligently to regain their standing in the community. The bank continued its mission to support small businesses with renewed spirit. The story of the fraud, the investigation, and the eventual resolution became a cautionary tale in Goa. It served as a reminder of the vulnerabilities in every system and the importance of mindfulness everywhere.

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

कृषक उत्पादक संगठन

शशि कान्त पाण्डेय
वरिष्ठ प्रबन्धक
सीईबीएम, मणिपाल

पृष्ठभूमि:

भारत में किसानों का सामूहिकीकरण 1904 में देश में सहकारी आंदोलन की शुरुआत के साथ शुरू हुआ, हालांकि, किसानों के संस्थानों के रूप में एफपीओ का प्रचार 2011–12 में डीए एंड एफडब्ल्यू की दो केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत शुरू हुआ, जिसका नाम है "शहरी समूहों के लिए ग्राम पहल" (वीआईयूसी)" ; और वर्षा आधारित क्षेत्रों में 60,000 दलहन गांवों का एकीकृत विकास। 2013 में डीए एंड एफडब्ल्यू द्वारा एफपीओ के लिए एक राष्ट्रीय नीति और प्रक्रिया दिशानिर्देश तैयार करने के बाद प्रमोशनल पहल को और गति मिली, जिसमें एसएफएसी को केंद्रीय नोडल एजेंसी (सीएनए) बनाया गया। इस प्रकार, एफपीओ को तब से विभिन्न एजेंसियों द्वारा बढ़ावा दिया गया है, जिसमें विभिन्न डिजाइन और समर्थन के स्तर वाले कॉरपोरेट शामिल हैं, जो विभिन्न कानूनों के तहत शामिल/पंजीकृत हो रहे थे। सभी एजेंसियों में एफपीओ के प्रचार में परस्पर जुड़ाव और एकरूपता की कमी और एफपीओ पर संपूर्ण डेटा की कमी के कारण 15 नवंबर, 2017 को आयोजित सीओएस की बैठक में कैबिनेट सचिव ने डीएएंडएफडब्ल्यू को एफपीओ के लिए एक समान राष्ट्रीय नीति ढांचा तैयार करने का आदेश दिया।

प्रस्तावना

किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) पर यह लेख मौजूदा एफपीओ के समेकन और नए एफपीओ के गठन और संवर्धन की आवश्यकता को पहचानती है और साथ ही एक पारिस्थितिकी तंत्र भी बनाती है, जिसमें एफपीओ किसानों की समग्र भलाई के लिए जीवंत और टिकाऊ आय उन्मुख खेती की सुविधा के लिए लगातार और स्थायी रूप से फलते–फूलते हैं। एक एफपीओ सदस्यों के बीच बंधुत्व की भावना को प्रेरित करती है और उनके बीच सहयोग, विश्वास और एकजुटता की सुविधा प्रदान करती है, जिससे हमारी परस्पर जुड़ाव, अन्योन्याश्रितता की भावना पैदा होती है और संबंधित पारिस्थितिकी तंत्रों और एफपीओ में सबसे कमजोर को मजबूत करने की आवश्यकता होती है ताकि वे स्थायी रूप से विकसित और फल–फूल सकें। कृषि और संबद्ध उत्पादों की मूल्य श्रृंखला में अनुकूल नीति, आवश्यक सहायता और प्रोत्साहन के माध्यम से समग्र हस्तक्षेप के माध्यम से उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने को देखते हुए, एफपीओ पर यह समावेशी और लचीली लेख सामान्य रूप से देश की कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के स्पेक्ट्रम को बदलने में एक अग्रदूत साबित होगी और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों की आय में सुधार और रोजगार के अवसर पैदा करने में उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगी।

"सामान्य कृषि व्यवसाय केंद्र–सह–बाज़ार स्थान (सीएसीएमपी)"– एक सामान्य नाम है जिसका अर्थ है गुणवत्तापूर्ण उत्पादन इनपुट, भंडारण, प्राथमिक मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और व्यापार लेनदेन की उपलब्धता के लिए एक सामान्य स्थान जैसे बाज़ार स्थान, आदि;

"किसान–उत्पादक"– से तात्पर्य ऐसे व्यक्ति से है जो व्यक्तिगत रूप से, भूमि स्वामित्व के साथ या उसके बिना, कृषि, बागवानी, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, अनुमेय वन उपज या औषधीय और सुगंधित उपयोग के पौधों या उपज की खेती/पालन/संग्रह में लगा हुआ है; या मत्स्य पालन और पशुपालन और उनके पालन/उत्पादन में लगा हुआ है;

"किसान परिवार"– का अर्थ है एक व्यक्ति या सामूहिक रूप से व्यक्तियों का समूह, भूमि स्वामित्व के साथ या उसके बिना, कृषि, बागवानी, रेशम उत्पादन, मधुमक्खी पालन या अनुमेय

वन उपज, या औषधीय और सुगंधित उपयोग के पौधों या उपज के बढ़ने/पालन/संग्रह और/या खेती में लगे हुए हैं; या पशुधन और उसके उत्पादों के पालन और/या उत्पादन में लगे हुए हैं। किसी भी संयुक्त परिवार में, पिता/माता (माता–पिता) और उनके/उनकी तत्काल वंशज भूमि/संपत्ति विभाजन के साथ या उसके बिना स्वतंत्र रूप से उपर्युक्त गतिविधियों में लगे हुए हैं, जैसा भी मामला हो, वे सभी इस दिशा–निर्देश के उद्देश्य के लिए व्यक्तिगत परिवार माने जाएंगे;

"किसान उत्पादक संगठन" – किसान–उत्पादकों के समूह का सामान्य नाम है, जिसका स्वामित्व, प्रबंधन और प्रशासन स्वयं उनके द्वारा किया जाता है तथा जो कंपनी अधिनियम, 2013 या सहकारी समिति अधिनियम या किसी अन्य कानून के तहत कानूनी इकाई के रूप में निगमित/पंजीकृत है, जो उनके निगमन/पंजीकरण के लिए अनुमति देता है।

किसान उत्पादक संगठन का उद्देश्य :

किसान उत्पादक संगठन का उद्देश्य कृषि और संबद्ध क्षेत्र/गतिविधियों जैसे कि फसलें, बागवानी, मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, औषधीय और सुगंधित पौधे, अनुमत लघु वनोपज और पशुपालन और मत्स्य पालन क्षेत्रों के विकास के लिए एक समृद्ध और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है, इसके लिए सदस्य–स्वामित्व वाले उत्पादक संगठनों को बढ़ावा और समर्थन देना है, जो किसानों–उत्पादकों और कृषि समुदाय को कुशल, लागत प्रभावी और टिकाऊ संसाधन उपयोग के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने और अपने उत्पाद के लिए उच्च रिटर्न प्राप्त करने और सरकार द्वारा सुगम सामूहिक कार्रवाई और शिक्षाविदों, अनुसंधान एजेंसियों, नागरिक समाज और निजी क्षेत्र के साथ उपयोगी सहयोग के माध्यम से टिकाऊ बनने में सक्षम बनाते हैं।

किसान उत्पादक संगठन के लिए मार्गदर्शक मूल्य:

एफपीओ को अपने सदस्यों के साथ स्वयं सहायता, आत्म–जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, इक्विटी और एकजुटता के मूल्यों को धारण करना आवश्यक है, जो ईमानदारी, खुलेपन, सामाजिक जिम्मेदारी, कृषि व्यवसाय और दूसरों की देखभाल के नैतिक मूल्यों में विश्वास करते हैं। इन मूल्यों को एफपीओ और उनके सदस्यों में आत्मसात किया जाना चाहिए और एफपीओ विकास के विभिन्न चरणों/चक्रों के दौरान व्यवहार में भी लाया जाना चाहिए, जो कि लामबंदी, गठन से लेकर व्यवसाय निष्पादन तक, सामान्य सामाजिक–आर्थिक हितों और किसान–सदस्य स्वामित्व, स्वायत्तता, प्रशिक्षण, सूचना और लिंग, सामाजिक, नस्लीय, राजनीतिक या धार्मिक आधारित भेदभाव के बिना खुली सदस्यता के सभी तत्वों के आधार पर किसान–सदस्यों की स्वैच्छिक लामबंदी के सुनिर्देशित सिद्धांतों के माध्यम से शुरू होता है।

मार्गदर्शी सिद्धान्त :

मौजूदा एफपीओ और 10 के एफपीओ योजना के तहत गठित एफपीओ का एकीकरण – किसी भी एजेंसी द्वारा किसी भी योजना के तहत गठित और प्रवर्तित एफपीओ का अध्ययन और संभावित मूल्यांकन किया जाएगा, जिसमें 10 के एफपीओ योजना के तहत गठित एफपीओ भी शामिल हैं।

एफपीओ आंदोलन से प्राप्त अनुभवों और अंतर्दृष्टि का अनुप्रयोग – पिछले एक दशक या उससे अधिक समय के दौरान एफपीओ को बढ़ावा देने की सफलताओं और असफलताओं से प्राप्त अनुभवों और अंतर्दृष्टि को रणनीतिक रूप से चैनलाइज़ किया जाएगा ताकि एफपीओ को वास्तव में एक स्टार्टअप और पूरी तरह से सामाजिक–आर्थिक और किसानों की आर्थिक भलाई की अवधारणा पर आधारित एक कृषि उद्यम इकाई बनाया जा सके।

समावेशी एंड–टू–एंड वैल्यू चेन अवधारणा: किसानों की शुद्ध आय बढ़ाने के लिए, कृषि उद्यमों का चयन, लागत कुशल उत्पादन और उत्पादकता, बाजार उन्मुख मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, लेवलिंग, ब्रांडिंग, प्रसंस्करण और घरेलू या निर्यात बाजार में प्रतिस्पर्धात्मक विपणन का संयोजन सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है।

कृषि व्यवसाय करने में आसानी: यह सिद्धांत नौकरशाही प्रक्रियाओं को सरल बनाने और एफपीओ के लिए विनियामक बोझ को कम करने के महत्व को रेखांकित करता है। व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा देकर, एफपीओ अधिक

कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं।

बाजार उन्मुख दूध मूल्य श्रृंखला मॉडल (AMUL) का अनुकरण: सामूहिक प्रयासों का अंतिम सक्रिय परिणाम अपस्ट्रीम गतिविधियों का प्रबंधन करने वाले किसानों के लिए मूल्य अधिग्रहण है, जिसे बड़े पैमाने पर प्राप्त किया जा सकता है, जो अलग-अलग एफपीओ द्वारा संभव नहीं है। AMUL दूध मूल्य श्रृंखला के लिए एक सफल मॉडल रहा है, न केवल प्राथमिक सहकारी समितियों की स्थापना के माध्यम से दूध उत्पादकों के लिए एक सुनिश्चित, लाभकारी बाजार सुनिश्चित करने में, बल्कि जिला (जिला स्तरीय संघ) और राज्य स्तर (राज्य स्तरीय महासंघ) पर अपने महासंघ के माध्यम से घरेलू और निर्यात बाजारों में मजबूत आपूर्ति विकसित करने और लेनदेन संबंधी घाटे को कम करने में भी सफल रहा है। यह 3-स्तरीय मॉडल सामूहिक रूप से एक व्यावसायिक लक्ष्य पर काम करने में सफल रहा है, जिसमें एक मजबूत पेशेवर संगठन द्वारा प्रबंधित दूध उत्पादन और एकत्रीकरण से संबंधित क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

राज्यों को अपनाने के लिए सक्षम दिशा-निर्देश प्रदान करना: यह सिद्धांत राज्यों में समान अवसर के साथ एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद करेगा। इसका उद्देश्य सहकारी समितियों, स्टार्टअप और वाणिज्यिक उद्यमों जैसी अन्य संस्थाओं की तुलना में किसी भी अनुचित लाभ या नुकसान को रोकना भी है।

एफपीओ की सामान्य विशेषताएं:

- यह कृषि, बागवानी, मधुमक्खी पालन, रेशम उत्पादन, अनुमत लघु वनोपज तथा पशुपालन और मत्स्य पालन (जिसमें मवेशी, भैंस, बकरी, भेड़, सुअर और मुर्गी आदि शामिल हैं) की उत्पादन-पूर्व, उत्पादन और उत्पादन-पश्चात गतिविधियों से संबंधित है।
- यह कई उत्पादों और सेवाओं से संबंधित है जिनकी किसानों को विशेष रूप से छोटे और सीमांत उत्पादकों को आवश्यकता होती है। केंद्र में उत्पाद-विशिष्ट एफपीओ हो सकते हैं, हालांकि, एफपीओ को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाने और जोखिम को विविधतापूर्ण बनाने और रिटर्न बढ़ाने के लिए, एफपीओ में कई उत्पाद और सेवा मिश्रण होना चाहिए; ताकि पूरे वर्ष सदस्यों के साथ पर्याप्त गतिविधियाँ और जुड़ाव हो सकें।
- जहां तक एफपीओ के प्रबंधन और शासन मॉडल का सवाल है, यह उस कानून के अनुसार होगा जिसके तहत इसे शामिल/पंजीकृत किया गया है, हालांकि, इसे यह प्रदर्शित करना होगा कि यह सामान्य रूप से अपने किसान-सदस्यों और विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों, महिला किसानों और एससी/एसटी किसानों को इस नीति के तहत प्राथमिकता के आधार पर लाभ पहुंचाने के लिए सेवा प्रदान करता है।
- एक किसान अपनी उपज और कृषि व्यवसाय के अवसर को ध्यान में रखते हुए एक से अधिक एफपीओ का सदस्य बन सकता है, तथापि, उसे किसी एक एफपीओ के सदस्य के लिए सरकार से केवल एक बार ही समान इक्विटी अनुदान मिलेगा।

एफपीओ पात्रता:

- इसका गठन इस नीति के तहत परिभाषित किसान-उत्पादकों द्वारा किया जाता है, जिन्हें "सदस्य" कहा जाता है। पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) राज्यों, पहाड़ी क्षेत्र* और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के अलावा अन्य क्षेत्रों में गठित एफपीओ के लिए न्यूनतम सदस्य 300 से कम नहीं होने चाहिए। जबकि एनईआर राज्यों, पहाड़ी क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए न्यूनतम सदस्य 100 से कम नहीं होने चाहिए।
- इसे कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के भाग IX A के प्रावधानों के साथ कंपनी अधिनियम 2013 (2013 का 18) की धारा 465(1) के प्रावधान के तहत या सहकारी समिति से संबंधित किसी भी कानून के तहत कानूनी इकाई के रूप में शामिल/पंजीकृत किया जाना चाहिए।
- इसे केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए "एफपीओ रजिस्ट्री पोर्टल" के साथ पंजीकृत होना चाहिए और एक विशिष्ट पहचान संख्या, यानी आरआईसी को एफपीओ को आवंटित किया जाना चाहिए। राज्य/संघ राज्य स्तर के "एफपीओ रजिस्ट्री पोर्टल" के साथ पंजीकृत एफपीओ

और एपीआई या अन्य ऐसे तंत्र के माध्यम से केंद्रीय "एफपीओ रजिस्ट्री पोर्टल" से जुड़े और केंद्र सरकार द्वारा आवंटित आरआईसी भी पात्र होंगे।

दूध की आपूर्ति श्रृंखला के अमूल मॉडल ने बिचौलियों को खत्म कर दिया, व्यापार गिरोह को शक्तिहीन बना दिया और आपूर्ति श्रृंखला को अटूट बना दिया और दूध उत्पादकों को अपने नियंत्रण में खरीद, प्रसंस्करण और विपणन के लिए संरचित तंत्र के साथ दूध उत्पादकों की अपनी सहकारी समितियां बनाकर "मूल्य निर्धारक" होने का विशेषाधिकार दिया। दूध और दूध उत्पाद मूल्य श्रृंखला का अमूल मॉडल सफल अनुभव है, जिसमें सीखने के अनूठे तत्व हैं (ए) व्यापार रणनीति का फोकस विशिष्ट मूल्य श्रृंखला (डेयरी) पर था; (बी) बाजारों के लिए कच्चे दूध से लेकर इसके विविध मूल्यवर्धित उत्पादों तक कुल मूल्य श्रृंखला रणनीति का अनुसरण करना; (सी) गतिविधि और जिम्मेदारी को तीन स्तरों (3 स्तरीय) पर स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है – गांव (डेयरी सहकारी समिति), जिला (दुग्ध संघ) और राज्य (डेयरी फेडरेशन), सामूहिक रूप से एक व्यावसायिक लक्ष्य पर काम करना; (डी) दूध उत्पादन और एकत्रीकरण संबंधी पर ध्यान देने के साथ व्यवसाय के साथ–साथ क्षमता निर्माण;

टियर–1 (प्राथमिक स्तर का एफपीओ):
टियर–1 एफपीओ का गठन मोटे तौर पर 4–5 ग्राम पंचायतों के किसानों से किया जाना है, जिनकी रुचि, कार्य और संस्कृति आदि में समानता हो। प्राथमिक एफपीओ ग्राम पंचायत के संबंधित भौगोलिक क्षेत्रों में उत्पादकों के लिए एकल खिड़की सेवा केंद्र के रूप में काम कर सकता है। ऐसे एफपीओ को किसानों की उपज को एकत्र करने, सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण इनपुट प्रदान करने, थोक/खुदरा दुकानों को विकसित करने और बुनियादी उत्पादन और उत्पादन के बाद का ज्ञान प्रदान करने के लिए कस्टम हायरिंग सेंटर (आईसीएचसी) या कॉमन एग्रीबिजनेस सेंटर–कम–मार्केट प्लेस (सीएसीएमपी) विकसित करने की आवश्यकता है।

टियर–2: द्वितीयक स्तर एफपीओ यूनियन:
आवश्यकताओं के आधार पर, उपज, प्रसंस्करण और इसकी आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न कारकों पर विचार करते हुए, आवश्यक संख्या के टियर–1 एफपीओ ब्लॉक स्तर या जिला स्तर या राज्य स्तर पर अपना यूनियन बना सकते हैं।

टियर–3: तृतीयक स्तर एफपीओ फेडरेशन:
विभिन्न कारकों पर विचार करते हुए लेवल 3 में लेवल 2 का फेडरेशन न्यूनतम जिला स्तर, राज्य स्तर या राष्ट्रीय स्तर पर होना चाहिए।

एफपीओ को वित्तीय सहायता और ऋण लिंकेज

एफपीओ का गठन छोटे और सीमांत किसानों द्वारा देखी जाने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए एक ठोस दृष्टिकोण के रूप में माना जाता है, जबकि एफपीओ में उद्यमिता विकास स्थिरता के साथ उनके आर्थिक परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विभिन्न कारकों द्वारा प्रेरित विशाल विविधता के कारण, एफपीओ को इसके विभिन्न चरणों या जीवन चक्र में विभाजित करना काफी कठिन है। हालाँकि, ओवरहेड लागत, कार्यशील पूंजी लागत और बुनियादी ढाँचे / सुविधाओं के विकास / निवेश लागतों के लिए उनकी वित्तीय आवश्यकताओं को समझने और उनका आकलन करने और उन्हें पूरा करने के लिए वित्त के भरोसेमंद और किफायती स्रोत तक पहुँच के मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए, एफपीओ को अनौपचारिक रूप से निम्नलिखित चरणों में विभाजित किया जाता है:

- एफपीओ गठन/प्रारंभिक चरण – किसान–उत्पादकों को छोटे समूहों (एसएचजी, जेएलजी, आदि) में एकत्रित करने से लेकर एफपीओ तक और कंपनी अधिनियम या सहकारी समिति अधिनियम के संबंधित कानूनों के तहत इसका पंजीकरण/निगमन और ऐसी अन्य गतिविधियां;
- व्यवसाय ऊष्मायन और विकास चरण – पंजीकरण के बाद से लेकर कृषि व्यवसाय की शुरुआत तक और उड़ान भरने के लिए तैयार ठोस आउटपुट देना;
- परिपक्वता और व्यवसाय विस्तार और फेडरेशन चरण: व्यावसायिक गतिविधि को बढ़ाने से लेकर मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण, घरेलू और निर्यात बाजार लिंकेज और उनके महासंघ को अमूल की तीन स्तरीय संरचना के 2/3 स्तरीय संरचना में शामिल करना।

वित्तीय संस्थाएँ पहले चरण में आने वाली गतिविधियों जैसे कि बेसलाइन सर्वेक्षण, उपज की पहचान, किसान–उत्पादकों को संगठित करना, किसानों के छोटे समूहों का गठन, फिर एफपीओ, प्राथमिक स्तर पर जागरूकता पैदा करना और कानून के तहत एफपीओ पंजीकरण/निगमन और ऐसी अन्य गतिविधियों के लिए एफपीओ को वित्तपोषित करने के लिए तैयार और सहज नहीं हो सकती हैं। इसलिए, सरकार को "एफपीओ इक्विटी अनुदान निधि" और "एफपीओ गठन निधि" के माध्यम से समर्थन जारी रखना चाहिए।

उत्पादन, उत्पादन के बाद के विकास और मूल्य संवर्धन तथा प्रसंस्करण अवसंरचना सहित विपणन के लिए निधियों की आवश्यकता सामान्यतः विकास के दूसरे और तीसरे चरण में होती है। विकास के इन चरणों में कार्यशील पूंजी की आवश्यकता से इनकार नहीं किया जा सकता।

ऋण लिंकेज :

वर्तमान में, एफपीओ या तो वित्तपोषण बैंकों से खराब क्रेडिट योग्यता रेटिंग से पीड़ित हैं या संपार्श्विक की कमी के कारण ऋण नहीं मिल रहा है या अगर मिल भी रहा है, तो वह असहनीय ब्याज दरों पर है। एफपीओ एआईएफ योजना के तहत ब्याज–अनुदान का लाभ उठाना जारी रख सकते हैं और एआईएफ के तहत या एनएबीसंरक्षण या अन्य क्रेडिट गारंटी योजना के तहत क्रेडिट गारंटी भी प्राप्त कर सकते हैं, क्योंकि क्रेडिट गारंटी ऋण चूक के खिलाफ ऋण देने वाली संस्थाओं के लिए एक बीमा है। एफपीओ को बैंक द्वारा दिया जाने वाला ऋण पहले से ही प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) – कृषि के अंतर्गत आता है। कृषि ऋण के तहत, प्रति उधार लेने वाली इकाई (एफपीओ) को 2 करोड़ रुपये की कुल सीमा की अनुमति है।

*****

Poem

THE NURD AND THE BIRD

Y Umashankar
Manager
IRMD, RM Wing, Ho

Every morning, they jump into the sky
Full of chirpy cheers in a world of their own
Amazed, I watch them from behind the window
Inside the cage I built with bricks and stone

True I am bestowed with tongue to speak
What good if I don't sound what I mean
Far sweeter are the tweets, sharp and clear
As they resonate from hearts that are so clean

My hands, often tied, are no better
The flutters of wings set them free
To swerve swoop and scale high
Across the thorny bushes, over the crown of tree

Sad that I gaffed them for being less canny
What good is my brain after all
That makes me yearn and earn every joy
From daybreak till the lull of nightfall

Amazed as ever, I watch them fly
Through my narrow eyes and sunken cry
As they flutter their wings and soar high
I remain glued to the ground with sonorous sigh

Exploring Goa's Agricultural Heritage

S Devanarayanan
Senior Manager
CIBM manipal

Goa - the very utterance of which gets associated with thoughts of some of the most beautiful pristine beaches, bright colored huts, and the melodious beats of the Konkani tunes. But beyond the beaches, there is more to Goa - a veritable treasury of agriculturists who have been managing the land of this state for ages. Now, today marks the beginning of my exploration of this offbeat facet of Goa with particular emphasis upon the agricultural wealth of the place, the spicy gardens and especially the cashew trees. But as we meander through these fields of green, we will also be privy to the dynamics involved in the application of agricultural banking which is critically necessary to feed and grow out this methodology.

A Morning Among the Spices

The place of my journey starts at an idyllic one, located in historic town of Ponda which is considered to be cultural and agro business hub of Goa. As I get into the plantation, what immediately hits me is the smell of cardamom, cinnamon, cloves; the smell similar to the aroma of Goan tea.

Looking at the native people for the first time, the plantation owner, Mr. Desai greets me warmly. 'You are going to love this,' he proclaims, guiding me along a very thin trail that runs in between the plantation. “It has been passed down for generations and we are proud to have been given a few saplings by my great-grandfather and now, look at the result You are standing in a spice storehouse.”

As we are strolling round, Mr. Desai described the peculiarities of spice cultivating. 'It's not your ordinary planting and watering business' 'You know, each spice has its character' 'Cinnamon needs a lot of sun and pepper loves the shade; Then there is the volatile nutmeg who behaves more like the Goan monsoon'.

He can make light of the meetings most effectively and even though I am watching a video, I end up amused while listening to him portray the 'daily soap' of cultivating spices. But amid all the chuckles that accompany the man's words, it is impossible to ignore the passion with which he speaks - he is a man of the soil through and through.

Banking on Spices: A Partnership Rooted in Trust

I am lying down under the shade of a large coconut tree and watching Mr. Desai unfold yet an other story – this time – it is about the relation between him and a local bank. 'It's not always fields of gold, you know.' He shook his head sadly' 'There are years when the monsoons don't come, or when the pests attack.' That's when I seek help from my friends at the bank for the agricultural loans and the financial services which is the core of my business. “Recalling the day I applied for credit in order to develop my plantation, I felt nervous because, farming was rather uncertain, but the manager of the bank did not focus on the amount of money in my account; he noticed my desire and commitment.

They have been able to support Mr. Desai in the improvement of the plantation where he has adopted use of drip irrigation system as well as going organic. Thus the promise of the bank has been like the monsoon – the resource that supports plant growth season after season.

The Cashew Craze: Goa's Golden Nut

Having toured around the spice plantation, I move to the northern part of Goa and the view is breathtaking.

It is covered by cashew plantations as far as the eye can see. The cashew nut – Goa's golden nut is as inherent to Goan identity as the beaches and feni – country brew distilled from cashew apple juice.

I stepped into a large cashew farm where I was welcomed by Mr. Fernandes a second generation cashew farmer with a firm hand shake & lots of humor. "Welcome to the land of cashew," he says. "Here the nuts are gold, and the feni is as common as water."

Thus, we tour the area of the cashew plantation, tree trunks and branches bowed under the weight of cashew apples turning yellow-red in the middle, the sign of their ripening. Some of them will be cut down at the end of the adaptation, but "These trees are like family to us," Mr. Fernandes says. My father planted them when i was a kid and today they are the source of our income.

He plucks a cashew apple from a branch that is well within his reach and offers me one saying 'Here have a try'. I took a bite and the taste overwhelms my buds with a taste that is purely Goan, the taste of cashew apple.

He was explaining the rather cumbersome process of cashew harvesting and processing. "It is not merely shelling – one has to detach every individual cashew from the outer layer, dry it, roast it, then shell it – it is a lot of effort but the reward is seeing that end product – a glistening yellow cashew appreciated across the globe." said Mr. Fernandes

Financing the Cashew Revolution

Fernandes carried on discussing the difficulties of cashew farming as we kept walking in the area. "Cashew is a very delicate crop. The trees may grow well and stand tall in the face of adversity but it takes several years before a tree bears fruits, and right through the process of production for cashew nuts, you have to be prepared to have quick and sharp reflexes to ward off pests, the vagaries of the weather, price and market swings, and all sorts."

As with spice farming, it can therefore be pointed out that cashew farming also comes with its own set of risks. But Mr. Fernandes has a secret weapon — His affiliation with the bank. "The bank has always been a true party to this process, when we wanted to start making feni, they financed a small distillery for us and when we decided to export cashew nuts, they explained to us how it could be done.

He stands by the bank's contribution in his success: They do not only loan him money but also have helped him plan and manage the risks involved. "They realize that farming is all about the long haul." You don't get handouts; you get support to build your farm, and your future."

The Sweet Side of Goa: Sugarcane Fields and More

I am headed on my next destination situated at the South Goan belt of sugarcane plantations. From here the scene shifts from Ponda which was famous for the aromatic spices and the cashew regions of the north to kilometers of swaying sugarcane fields.

In one of these fields I find Ms. Naik, a dynamic woman of the family-owned sugarcane farm. "You could not have come at a better time," She says with a feeling of joy. "It is still loaded with fruits and we are set to begin the harvest soon, and we all know that harvest is going to be a Sweet affair".

She takes me round the fields to show me how the sugarcane is farmed and pulled out. Sugarcane, she says, requires a lot of water and she points at the web of water channels. "But it is also a bountiful one – each stalk is packed with sweet juice that we ferment into jaggery, sugar, in fact even rum at some places. Ms. Naik's farm is always replete with many workers who are cutting the tall stalks of the plant, tying them into bundles, and unloading them on bullock carts. "It is a community initiative she stressed." 'The idea is that everyone has a function and everyone enjoys the bountiful yield. '

Banking the Sweet Success

While the harvest is being closely observed, it is possible to meet Ms. Naik who has a lot to tell about agricultural banking. "You know well that running a

sugarcane farm is not cheap," she says. "You've got to pump water, pay the workers, buy tractors, the expenses are mounting rather fast, and that is when the bank intervenes."

This is how she was able to take a loan in order to improve the irrigation systems on her farm – an exercise that saw her produce increase. "The bank knew that for a farm to double its productivity and increase income it requires more than labour, it requires capital. They gave us the capital and we gave them the labour and together we have made this farm more productive and profitable. "

Goa's Green Future: The Role of Agricultural Banking

As my journey through Goa's agricultural heritage comes to an end, one thing is clear: it is easily seen that the state's farmers are as hardworking and innovative as the soil of their fields. From the spice gardens, cashew plantations and the sugarcane plantations one can get to witness the beautiful relationship that Goa has with its agriculture.

However, the above-mentioned relationship is now further reinforced by agricultural banking. Indeed, when meeting farmers in every farm I visited, they referred more to their connections with banks as partnerships. The following banks consider farming as a means of livelihood, as well as an activity that entails a person's/her family resources.

Whether it is giving funds for expansion of farming business, giving advice or assisting farmers to manage through the details of the farm industry, banks are fundamental to keep Goa's farming industry alive. They are, in effect, invisible workers of the fields. They are always behind the farmers in sowing, growing and reaping the crops that sustain a nation.

This is the kind of insight I get, as I leave Goa behind with its wonderful scenes, tasty meals, rich and hardworking farmers and the patient bankers. For farmers who year in and year out, toil in their farms waiting for their yield, it is a source of comfort to know that some bonds are loyal and even stronger as that of the farmer and the bank.

The next time you're crunching on a cashew, guzzling down some feni or sprinkling cinnamon on your desert please remember this: How they got there – from the fields of Goa, through the farmers' hands and with assistance from friends at the bank.

*****

Quick facts about Goa

- Most of Goa is covered by forests - it falls under the Western Ghats region. It is home to huge biodiversity - both flora and fauna.
- High Per Capita Income - Being a booming tourist attraction, it is India's second richest state after Sikkim.
- Asia's only naval museum - It is located in Bogmalo and contains exhibits that showcase the evolution of the Indian Naval Air crafts over decades.
- Celebrates two Independence days - it celebrates its independence from the Portugese reign along with the country's Independence as well.
- First to host the International Film Festival

Agriculture Crossword

ACROSS

5. The science, art, or practice of cultivating the soil and producing crops (11)
8. Providing funds for agricultural activities (7)
9. Chemical used to kill pests that can damage crops (9)
11. Commercial agriculture conducted on large-scale farms (12)
12. A unit of reproduction of a flowering plant, used by farmers (4)
13. The practice of growing different types of crops in the same area in sequential seasons (12)
14. A farm animal that provides milk (3)
15. The process of gathering mature crops from the fields (7)
16. The activity of growing crops and raising livestock (7)
18. The science of soil management and crop production (8)
19. Storing harvested crops in safe conditions before selling (11)
20. A raw material or primary agricultural product that can be bought and sold (9)
22. The practice of integrating trees and shrubs into agricultural land (12)
23. The process of planting seeds in the soil (6)
25. Farming practices that meet current needs without compromising future resources (14)
28. A financial assistance provided by banks to farmers for agricultural purposes (4)
29. Farm animals raised to produce commodities such as food, fiber, and labor (9)
30. The artificial application of water to land for assisting in growing crops (10)

DOWN

1. Providing financial services like loans, credit, and deposits (7)
2. A term used for the trust given to farmers to repay borrowed funds (6)
3. Government financial aid provided to support farmers (7)
4. Substance added to soil to enhance its fertility and crop yield (10)
6. A farming organization where members pool resources for mutual benefit (11)
7. A tool used in farming for digging and moving soil (3)
10. Small loans provided to low-income farmers (12)
11. Chemicals like pesticides and herbicides used in agriculture (13)
12. The top layer of earth in which plants grow (4)
17. A seasonal wind that brings rain, crucial for farming in certain regions (7)
20. Plants grown in large quantities for food or other purposes (4)
21. A financial product that protects farmers against crop losses (9)
24. The current value at which agricultural goods are bought and sold (11)
25. The state of soil's capacity to function as a vital living system (10)
26. Government forgiveness of the debt owed by farmers (10)
27. The amount of crops produced per unit area (5)

Answers on page 68 to the Agriculture Crossword

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

गोवा : पर्यटकों का पंसदीदा स्थल

धीरज जुनेजा
अधिकारी
सूरत क्षेत्रीय कार्यालय

गोवा भले भारत का सबसे छोटा राज्य हो लेकिन अपनी प्राकृतिक खूबसूरती की बदौलत यह देश–विदेश के पर्यटकों की सर्वाधिक तादाद को आकर्षित करने वाला प्रदेश है। युवा सैलानियों के लिए तो गोवा में वह सब कुछ है जिसकी वह कल्पना कर सकते हैं तो दूसरी ओर शांत वातावरण में समय गुजारने के इच्छुक लोगों के लिए भी गोवा में काफी कुछ है। पूरी दुनिया में गोवा अपने सुन्दर समुद्र तटों और मशहूर स्थापत्य कला के लिये जाना जाता है। गोवा भारत का एक ऐसा राज्य है जिसे पर्यटन के लिए प्रचार–प्रसार की जरूरत नहीं पड़ती। लोग खुद–ब–खुद यहाँ खींचे चले आते हैं। यहाँ की खूबसूरती बस देखते ही बनती है। गोवा को 'पूर्व का रोम' और 'भारत का मायामी' भी कहा जाता है। यहाँ के लोग बड़े ही जिंदादिल होते हैं। गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत में नृत्य, लोक गीत, दृश्य कला, संगीत और लोक कथाएँ हैं, जो विषय और विविधत्ता से समृद्ध हैं। गोवा के लोग संगीत प्रेमी हैं, अधिकांश गोवा के लोग गिटार या पियानो बजाना जानते हैं। लगभग हर परिवार में आपको एक पियानोवादक या एक गिटारवादक मिल जाएगा, कहा जाता है कि संगीत और फुटबाल गोवा के लोगों के रग–रग में बसा हुआ है। शास्त्रीय संगीत के साथ जैज, टेक्नो संगीत सहित पश्चिमी संगीत हो या स्वादिष्ट सी फूड़ पश्चिमी भोजन हो, हर चीज में पश्चिमी प्रभाव देखने को मिलता है। यहां के लोग बेहद आधुनिक हैं। लोगों की मान्यता यह भी है कि इस राज्य की रचना स्वयं भगवान परशुराम ने की थी। उत्तर गोवा के हरमल के पास भूरे रंग के एक पर्वत को परशुराम के यज्ञ का स्थान माना जाता है। क्षेत्रफल की दृष्टि से गोवा भारत का सबसे छोटा राज्य है जबकि आबादी की दृष्टि से यह देश का चौथा सबसे छोटा राज्य है। यह पश्चिमी तट अर्थात अरेबियन तट पर स्थित भारत के सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है। पणजी यहाँ की राजधानी है। वास्को सबसे बड़ा शहर तथा मडगाँव आर्थिक राजधानी है। यहाँ की कुल आबादी लगभग 15 लाख है।

इतिहास : गोवा में 14वीं शताब्दी तक यादवों के साम्राज्य के बाद, 450 वर्ष से भी ज्यादा पुर्तगालियों ने राज किया। 'गोवा मुक्ति आंदोलन' 19वीं शताब्दी के आरंभ में शुरू हुआ। यह आंदोलन 1940 के बाद और तेज हो गया। नागांसा कुन्हा, पुरुषोत्तम काकोड़कर, लक्ष्मीकान्त भेम्ब्रे आदि ने गोवा मुक्ति आंदोलन का नेतृत्व किया। दिनांक 18 और 19 दिसम्बर 1961 को भारत सरकार ने सैन्य कार्रवाई कर गोवा को मुक्ति दिलाई। 19 सितम्बर 1961 को गोवा पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त होकर भारतवर्ष का अंग बना तथा 30 मई 1987 को इसे पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। पुर्तगालियों के वर्चस्व की छाप आज भी गोवा के जन–जीवन पर दिखाई देती है।

प्राकृतिक सौंदर्य : प्रकृति ने गोवा को बेहद ही खूबसूरत बनाया है। पूरा गोवा कोंकण तट पर स्थित है जहाँ खूबसूरत प्राकृतिक समुद्री तट की भरमार है। यहाँ के समुद्रतट देश के सबसे खूबसूरत और साफ–सुथरे समुद्रतट हैं। ऐसा लगता है जैसे यूरोपिय या अमेरिकी समुद्रतट हों। यहाँ की प्रमुख नदियाँ जुआरी, मांडवी, चपोरा आदि हैं। राजधानी पणजी मांडवी नदी के किनारे स्थित है। यहाँ की सबसे ऊंची चोटी सोनसोगोर (1,167 मीटर) है। गोवा में कुल 8 समुद्री तथा 90 नदी द्वीप हैं। गोवा का मर्मुगोवा बन्दरगाह एशिया के सबसे सुंदर बंदरगाहों में से एक है। इस बन्दरगाह से

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
सिंडिकेट Syndicate

भारतीय नौसेना और कोस्ट गार्ड देश की सेवा करते हैं। दूधसागर जल प्रपात सबसे सुंदर और एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है।

भाषा और साहित्य : गोवन को अपनी भाषा से बड़ा ही लगाव है। कोंकणी गोवा की राजभाषा है। इस भाषा की खासियत यह है कि यह चार लिपियों में लिखी जाती है; देवनागरी (आधिकारिक), रोमन, कन्नड़ और मलयालम, कोंकणी गोवा के अलावा महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल, गुजरात, दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के कुछ हिस्सों में भी बोली जाती है। भारत में लगभग 23 लाख लोग कोंकणी भाषा बोलते हैं। कोंकणी के अतिरिक्त गोवा में मराठी, हिन्दी और कन्नड़ भाषाएँ भी बोली जाती हैं। राज्य में विभिन्न भाषाओं के बावजूद यहाँ के लोग अपनी भाषा को सर्वाधिक महत्व देते हैं। गोवा एशिया में पहला स्थान था जहाँ प्रिंटिंग प्रेस खोला गया था। इसकी स्थापना सन् 1556 में जेसुई ने की थी। गोवा के लगभग सारे पुराने साहित्य को पुर्तगालियों ने अधिग्रहण के समय नष्ट कर दिया। गोवा का लिखित और मुद्रित साहित्य के साथ एक लंबा प्रेम संबंध रहा है।

धार्मिक स्थल : गोवा के मंदिरो में श्री अनंत देवस्थान का अपना अलग महत्व का है। यहां शयन मुद्रा मैं भगवान विष्णु की काले पत्थरो से निर्मित मूर्ति देश में अपनी तरह की गिनी–चुनी मूर्तियो में से एक है। यहां श्री भगवती मंदिर, श्री बागेश्वर मंदिर, श्री चंद्रनाथ मंदिर, श्री दामोदर मंदिर, श्री गणपति मंदिर, श्री गोमंतेश्वर देवस्थान, श्री महादेव मंदिर, श्री महालक्ष्मी मंदिर भी दर्शनीय हैं। गिरजाघरों की बहुलता होने से गोवा को पूरब का रोम कहा जाता है। इनमें बासिलिका द बॉम जीसस अपनी बेमिसाल वास्तुकला के नाते दुनिया की धरोहरों में शामिल है। चर्च ऑफ एंड्रयू, चर्च ऑफ लेडी ऑफ रोझेरी और चैपल ऑफ संत कैथरीन आदि भी दर्शनीय हैं।

कृषि और प्रमुख फसलें : गोवा की एक चौथाई आबादी कृषि पर निर्भर है। शहरीकरण के कारण यहाँ कृषि योग्य भूमि कम है। गोवा में मुख्य रूप से धान की खेती की जाती है। इसके अलावा दाल और बाजरे की भी पैदावार होती है। गोवा स्वादिष्ट काजू के लिए मशहूर है। फलों में यहाँ आम, अमरूद, अनानास, केला आदि की पैदावार होती है। गोवा में मछली पालन एक बड़ा उद्योग है। यहाँ के मछुवारे विभिन्न प्रकार की मछलियाँ पकड़ते हैं जैसे मैकरेल, सार्डिन, सेर मछली, सिल्वर बेली, बटर फिश, किंग फिश, झींगा, केकड़ा आदि।

खान–पान और वेश भूषा : गोवा की संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा गोवन भोजन भी है। गोवा के लोग खाने–पीने के बड़े शौकीन हैं। चावल के साथ मछली–करी गोवा के लोगों का मुख्य आहार है। गोवन मछली बड़े चाव से खाते हैं। यही कारण है कि यहीं मछली उद्योग काफी फलाफुला है। गोवन मसालेदार चटपटा खाना ज्यादा पसंद करते हैं, इसलिए भोजन में मसाले का प्रयोग अधिक करते हैं। यहाँ के विशेष भोजन में शाकुति, विंदलहो, सोरपोटेल आदि प्रसिद्ध हैं। त्यौहारों में लोग खतखते बनाते हैं जिसमें पाँच प्रकार की सब्जियाँ, ताजे नारियल और गोवन मसाले मिलाए जाते हैं। गोवा के पारंपरिक भोजन में रॉस आमलेट प्रसिद्ध है। यहाँ के अधिकांश होटलों में गोवन व्यंजनों के साथ–साथ उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, पुर्तगाली आदि व्यंजन आसानी से मिल जाते हैं। वेश–भूषा में विविधता देखनी हो तो गोवा आ जाइए, विभिन्न देशों का संगम होने के कारण यहाँ के लोगों की वेश–भूषा में विविधता देखने को मिलती है। मौसम के अनुसार अलग–अलग कपड़े पहनते हैं। कैथलिक महिलाए हैं जबकि हिन्दू महिलाएँ साड़ी पहनती हैं। ग्रामीण क्षेत्र के लोग पानो पहनते हैं। गोवा की दुल्हनें सफ़ेद गाउन पहनती है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग पानो भाजू, वलकल पहनते हैं। गोवा की कैथलिक दुल्हनें सफ़ेद गाउन पहनती है। गोचन पुरुष आमतौर पर पश्चिमी शैली के पोशाक पहनते हैं। यहाँ के मछुवारे की पोशाक का डिज़ाइन देखते ही बनता है। यहाँ के मछुवारे चमकीले शर्ट, हाफ पैंट, बाँस की टोपी पहनते हैं जो कि पर्यटकों के बीच

एक लोकप्रिय पोशाक है। गोवा कार्निवल के दौरान लोग रंग–बिरंगे कपड़ों में दिखाई देते हैं। गोवा आने वाले सैलानी यहाँ के पारंपरिक परिधान खरीदे बिना यहाँ से नहीं जाते।

देश–विदेश की संस्कृति का संगम : गोवा देश–विदेश की संस्कृति का संगम है। इसे सर्वदेशीय राज्य कहें तो गलत न होगा, यहाँ भारतीय संस्कृति के साथ–साथ कई विदेशी संस्कृतियाँ भी देखने को मिलती है। पुर्तगाल ने सन् 1510 से 1961 तक लगभग 450 साल गोवा पर शासन किया। पूरे गोवा में खासकर मडगाँव के आस–पास पुर्तगाली शैली के घर, गलियाँ, भाषा आदि देखने को मिल जाते हैं। यहाँ के अधिकांश लोग खासकर कैथलिक अंग्रेजी में वार्तालाप करते हैं। गोवा में रूस, पुर्तगाल, नाईजीरिया, इजराइल आदि देशों के लोग बसे हुए हैं। अतः इन देशों की संस्कृति भी यहाँ घुल–मिल गयी है। गोवा एक छोटा सा राज्य है। यहाँ बड़ी संख्या में पड़ोसी राज्यों के लोग भी निवास करते हैं। अतः यहाँ मराठी, कन्नड और मलयाली संस्कृति की झाँकी भी मिल जाती है। कुल मिलाकर गोवा विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति का संगम है।

पर्यटन : गोवा भारत के सबसे लोकप्रिय और सदाबहार पर्यटन स्थलों में शामिल है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण समुद्र तट, वैभवशाली अतीत की याद दिलाते कई किले, सांझी संस्कृति के परिचायक मंदिर व गिरजाघर, कला के बेहतरीन नमूने समेटे कला दीर्घाएं, ट्रैकिंग के शौकीनों के लिए सुविधायुक्त ट्रैक्स व खाने–पीने के लिए एक से बढ़कर एक समुद्री व्यंजन और अन्य स्वादिष्ट खाद्य व पेय पदार्थ, ऐसा लगता है कि विश्व के कई खूबसूरत गन्तव्यों का एक झरोखा है गोवा। गोवा की सांस्कृतिक विरासत में चर्च, मंदिर और मस्जिद शामिल हैं। इसके अलावा, गोवा के रेतीले समुद्र तट और समुद्री भोजन देश–विदेश के सैलानियों को आकर्षित करते हैं। गोवा की सांस्कृतिक समृद्धि और जीवंतता गोवन लोक नृत्यों, लोक संस्कृति और गीतों के माध्यम से परिलक्षित होती है। गोवा देश का सबसे आकर्षक पर्यटन स्थान है। आमतौर पर विदेशी ठंड के मौसम में तथा भारतीय सैलानी गरमी में यहाँ आते हैं। यहाँ के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थान हैं यहाँ के खूबसूरत समुद्री तट। गोवा में लगभग 50 छोटे– बड़े बीच हैं। जिनमें कलंगुट बीच, बागा बीच, अंजूना बीच, मीरामार बीच, बाम्बोलिम बीच, आरमबोल बीच, पालोलेम बीच, अगोण्डा बीच, कैवलोसिम बीच आदि प्रसिद्ध हैं। बीच के अलावा पर्यटन स्थानों में दूधसागर जल प्रपात, केसरवाल स्प्रिंग्स, मायम झील, अरवालेम जल प्रपात, कुशकेम जल प्रपात, भगवान महावीर वन्य जीवन अभ्यारण, बोंडला वन, नेत्रावली वन्य जीव अभ्यारण, कोतिगाव अभ्यारण, सलीम अली पक्षी अभ्यारण, मोलेम राष्ट्रीय उद्यान, चपोरा किला, आगुबाद किला, टेराकल किला, रिस माँगोस किला, मर्मुगोबा किला, रॉशोल किला, नरोआ किला, कैबो डी रामा किला, गोवा स्टेट म्यूज़ियम, गोवा साइन्स सेंटर आदि मशहूर हैं। गोवा के जंगलों में लोमड़ी, जंगली सूअर और प्रवासी पक्षी भी पाए जाते हैं। दूधसागर जल प्रपात देश का पांचवा सबसे ऊँचा जल तरह गोवा में भी यह त्यौहार धूम–धाम से मनाया जाता है। दिवाली, गुडी पाड़वा, शिगमो, क्रिसमस, ईस्टर, ईद आदि भी लोग धूमधाम से मनाते हैं। गोवा के कैथलिक लोग फिस्ट ऑफ संत फ्रांसिस जेवियर हर्षोल्लास से मनाते हैं। गोवा कार्निवल और नए वर्ष पर लोग पश्चिमी परिधानों में जश्न मानते हैं।

फुटबाल यहाँ का सबसे लोकप्रिय खेल है। एफसी गोवा, डेम्पो स्पोर्टिंग क्लब, चरचिल ब्रदर्स, आदि मुख्य फुटबाल क्लब हैं। फुटबाल के अलावा क्रिकेट, वॉटर स्पोर्ट्स, शतरंज, टेबल टेनिस, बास्केट बॉल आदि भी खेला जाता है। यहाँ के लोग खेल–खेल में मनोरंजन के लिए मछली भी पकड़ते हैं, गोवन संगीत प्रेमी होते हैं। संगीत से इन्हें इतना लगाव है कि संगीत आम लोगों के जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है। दुलपोड और मंडो यहाँ के प्रमुख पारंपरिक लोक संगीत हैं। पुर्तगालियों ने वायलिन, पियानो और मॅडोलिन को गोवा के लोक संगीत में शामिल किया। देखन्नी, फुगड़ी, कोरीडिंहो (पुर्तगाली) और दशावतार प्रमुख लोक नृत्य हैं। त्यौहारों में पश्चिमी संगीत और नृत्य का

बोलबाला रहता है। फुगड़ी और धालो यहाँ के प्रमुख लोक नृत्य हैं। ये लोक नृत्य मूल रूप से महिलाओं द्वारा किए जाते हैं। धालो धीमी गति से किए जाने वाला नृत्य है जबकि फुगड़ी तेज गति से। फुगड़ी नृत्य में महिलाएं गोल–गोल घूमकर नृत्य करती हैं और एक दर्जन महिलाएँ एक दूसरे के सामने नृत्य करती लोक–नृत्य मराठी और कोंकणी गीतों पर किए जाने वाले नृत्य कुणबी एक पारंपरिक लोक नृत्य है। यह शिगमों त्यौहार के दौरान किया जाता है, जिसे हाथ में लैम्प लेकर नृत्य किया जाता है।

किले व संग्रहालय : गोवा के इतिहास व सांस्कृतिक विरासत की झलक पाने के लिए द आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम एंड पोर्ट्रेट गैलरी, द आर्काइव्ज म्यूजियम ऑफ गोवा देखने जा सकते है। पूरी तरह ईसाई कला को समर्पित म्यूजियम ऑफ क्रिश्चियन आर्ट एवं नौसेना को समर्पित एविएशन म्यूजियम का अपना अलग महत्व है। समुद्री तटों के बाद गोवा में लोगों को सबसे ज्यादा आकर्षित करते हैं किले। पणजी से 18 किमी दूर अगुआदा फोर्ट गोवा का सबसे मजबूत किला माना जाता है। यहां वास्तुकला के बेहतरीन नमूने देखें जा सकते हैं। गोवा में कई ऐसे किले हैं जिन्हें बाद के शासक संजो कर नहीं रख सकें। इन्हीं में से एक है कैबो ऑफ रामा फोर्ट। यह किला अब लगभग वीरान रहता है। यहां पुर्तगालियों के किलो से अलग पुरातन भारतीय स्थापत्य कला का नजारा देखने को मिलता है। इनके अलावा चपोरा फोर्ट, मर्मोगांव फोर्ट, टेराकोल फोर्ट, गेट ऑफ द पैलेस ऑफ आदिल शाह, वायसराय आर्च प्रमुख है।

फिल्म जगत और कला : फिल्म और कला जगत गोवा का एक छोटा उद्योग है। यहाँ मुख्य रूप से कॉकणी फिल्में और धारावाहिक बनती हैं। सन् 1949 में पहली कोंकणी फिल्म "सुखी कोण" प्रदर्शित हुई। गोवा में प्रदर्शित होने वाली कलाएँ अद्वितीय और अनन्य हैं। गोवन खासकर यहाँ की महिलाएं हस्तकला में माहिर होती हैं। यहाँ के बाज़ारों में हस्तशिल्प के नमूने आसानी से देखने को मिल जाते हैं। पर्यटक इन हस्तशिल्प के सामान को बड़ी रुचि से खरीदते हैं। इन सामानों को बनाने में लगने वाली सामग्रियाँ जैसे मिट्टी, समुद्री सीपी (सी–शेल), बाँस, पीतल आदि यहाँ आसानी से मिल जाते हैं। बाँस की बनी हुई टोपी जो कि यहाँ के मछुवारे पहनते हैं, गोवा में आए पर्यटक अक्सर ऐसी टोपी पहने हुए दिख जाते हैं।

अर्थ जगत और आधुनिकता : देश की प्रगति में गोवा का प्रमुख स्थान हैं। प्रति व्यक्ति आय के मामले में गोवा भारत का सबसे धनी राज्य है। यहाँ की प्रति व्यक्ति आय देश के औसत प्रति व्यक्ति आय से ढाई गुना अधिक है। पर्यटन गोवा की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यहाँ हर साल देश–विदेश से लाखों सैलानी आते हैं जिससे राज्य को करोड़ों का आर्थिक लाभ होता है। गोवा देश का पहला राज्य है जहाँ ग्रामीण क्षेत्र में 100% विद्युतीकरण किया जा चुका है। यहाँ के अधिकांश परिवार के पास दुपहिया या चारपहिया वाहन अवश्य होता है। वास्को में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा है तथा दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मोपा में निर्माणाधीन है। वास्को तथा मडगाँव रेलवे स्टेशन देश के लगभग सभी हिस्सों से जुड़े हुए हैं।

गोवा पूर्वी और पश्चिमी सभ्यता के बीच एक सामंजस्य स्थापित करता है। जिंदादिल लोगों के इस प्रदेश में विभिन्न धर्मों के लोग जैसे हिंदू, ईसाई, कैथोलिक, मुस्लिम आदि एक साथ मिल–जुल कर रहते हैं। गोवा भारत का सबसे छोटा राज्य अवश्य है परंतु इसकी महत्ता किसी से कम नहीं। देश की सांस्कृतिक एकता तथा विकास में गोवा का महत्वपूर्ण योगदान है। महीनों लगातार काम करने के बाद जब लोग थक जाते हैं तब छुट्टियाँ मनाना पसंद करते हैं जिससे कि उनमें वापस ऊर्जा का संचार हो सके तब वे गोवा आते है। अन्य राज्यों की तुलना में गोवा में भले ही बड़ी–बड़ी कंपनियों और कॉर्पोरेट कार्यालयों की कमी हो, पर उन कंपनियों के अधिकारियों में ऊर्जा भरने का कार्य गोवा ही करता है।

*****

My First Encounter with Goa

Swapnil Deep
Manager
Retail Assets Wing
HO Bengaluru

"Goa?". "Why Not!". After a tiring 4 days official event in Srinagar, when Saheb and I returned to Bangalore taking 9 hours long flight, we were finding a place to hide our souls for next few hours or say days. That's when Saheb suggested the perfect chilling spot which was just 9 hours away from us. After returning to our flat at 9 o'clock in the night, we decided to proceed for our hunt for peace. To start with the planning for the trip, we searched some decent properties where we could throw our bodies and souls. And we found a perfect budget friendly two room villa with private pool on one side and beach on the other. After two failed attempts to book the room by paying through UPI, we used Visa card to finally make the payment and book our wonderful stay. It was hardly two hours since we stepped in our flat and again, we were ready to roll the wheels to what people call heaven. We were ready to depart at midnight when I opened my navigation app and marked the hotel as destination, only to find that it was 2 days 1 hour away. Yes, we booked a resort in Kraabi Islands, Thailand, some 2700 km from Bangalore. Nothing but our tired eyes and drowning senses were to be blamed for this blunder. The cancellation would also not be eligible for any reimbursement as the cancellation period was upto 48 hours. Anyway, we considered it to be a good omen to start the journey and departed sharp at 0100 hours. The journey which I manifested for 23 long years. I had planned this multiple times during college days as everyone, but I, could not make it. So, what I thought of the place from movies like Pukar (1983) and Dil Chahta Hai (2001), during my teen years, I had chance to finally be there for real. And no DCH can be complete without the third wheel, which was Pakya in our case. Pakya has a very sweet and gentle habit of hopping on in any plan or plot.

Within no time, he was ready with his back-pack when we asked him to join in at midnight. So Aakash, Saheb and Pakya from Bangalore started their voyage to GOA- the land of 3'S' (Sand, Sea and Serenity). With sounds on and full throttle, our SUV was no less than a convertible Merc of the Farhan Akhtar's DCH.

It is well understood by all the human beings, that whenever you are imagining your excitement to rise thereafter, you already had hit that point of highest ecstasy. So, within an hour of super exciting start, two soldiers had started snoring their way out. With Saheb

and Pakya dozing off, it was time for me to keep my safe awake while driving so I could keep all three of us alive. That is when I switched from Raftaar to Rafi. Next 4 hours were nothing but an inexplicable bliss. Rafi Saab's melodious voice, 6 lane clear road and no other thought in mind. When my quota of driving was over, I pulled over the car at a highway for the morning chores and woke up Pakya to take over driving thereon. After half an hour of me describing of how peaceful the drive was, we started again. This time Pakya at steering wheel, Saheb still sleeping on back seat and myself on the co-driver seat. There is a universal rule that you shouldn't sleep when at co driver seat as the sleep would also be induced to the driver. However, it was not applicable for the whole night when I drove and Pakya slept on the co-driver seat.

Anyway, I tried hard being awake so that Pakya could keep us alive. We were close to cross Karnataka border when I saw the last milestone before I dozed off and to my pleasure, I had already reached Goa watching beautiful sunset from a cliff holding breath when a flock of flamingos just flew past me. The sound of waves hitting the rocks on the shore and humid yet cold breeze sent a sensation down my sweaty neck. I was just thinking of getting up and clicking a pic as a memoir with the surreal background.

As soon I got up to pose, my foot slipped and I woke up with a mini heart attack only to find that it was a dream. But what I saw after gathering my senses had sent current through my spine. I saw thick layer of fog in front of me. Nothing was visible even from the rear-view mirror not even the bonnet of car. My half-conscious mind said that I had died falling from the cliff when my foot slipped and it was not a dream. I had died and reached heaven where the foggy path would take me to the fairies. I could not believe that I had slept alive and woke up dead. I was thinking of my parents, my little daughter and of course my wife and I was very disappointed that I could not do enough for them before I died. But, then, the fog cleared and I saw the road and realised that I was alive and presently in the car only. While looking at Pakya and thinking of sharing the story with him, the odometer captured my attention as it was showing the speed at 110 KMPH. I am still thinking to this day how could he drive at 110 in that thick fog when even the bonnet of car was not visible. I understood the whole situation. That was a sign sent by my good deeds in past life to wake me up, stay alert and vigilant and also propose to change the driver. I immediately asked Pakya to stop for unloading and woke up Saheb and literally pleaded him to take the wheels and give rest to Pakya. He somehow got convinced to drive and I took the back seat to sleep peacefully now. It was around afternoon when I heard the back door of the car closing hard to disturb my sleep.

I opened my eyes to see that we have reached the last checkpoint before entering Panaji. I was ecstatic that finally I have reached Goa. The place that I had seen in many movies, social media posts of friends and travel channels etc. The place which is known for its nightlife. And a place which has a phrase going with it since ages

"What happens in Goa, stays in Goa". Goa was beautiful, but hot. Goa was loud but serene. Goa was modern, but it had the essence of its culture, historical societies, humane locals.

We reached our stay at around 3 in the noon and decided to start our stay with a sound sleep till dusk. The next 4 days in Goa saw us sleeping throughout the day at our stay, and wandering throughout the evening. We checked out a few forts in North and South Goa, sat at our sea facing balcony and rode along the lanes of unexploited Goa. And as each day passed, the fear that the trip is about to end was haunting us all. This was the time I realised that I should have come to Goa earlier, when I was young, as now I am not enjoying my time in Goa, but I'm worried about my future back at work. With all the clicks from camera, I was sure that I would never get time ever to see these photos. Every night, I understood that I'm not going to wake up this late in coming few years.

With all these thoughts, I observed one thing that filled my heart with hope. That was our last evening in Goa when we were at a cafe on the beach sitting and watching the waves coming up to touch the outer wall of the cafe premises. But the waves were far very far from human establishments. The waves would try hard to leave the sea and come to land. But would go

back from where it originated. This thoughtful and calm Goa taught a very important lesson to me that you may fight hard to go out of your skin and your origin but nature finds its way to get you back to where you belong and this is what you're actually meant for. This is Destiny. This is Life.

On my way back I saw from the window young boys coming to Goa with lots of energy and delight. I was happy to see them enjoy. But now I didn't regret for not coming earlier. Because it was destined. It was destined to reach Goa by road not by rail or air. It was destined to see Goa as a grown-up man and know your sanctity limits. It was destined to drive all night alone with Rafi Sahab's songs. It was destined for me to see the calm and peaceful side of Goa and not the crowded party prone lanes. It was destined to feel alive more than once in 4 days. This was my story of my encounter with Goa.

A sustainable agriculture is one which depletes neither the people nor the land.

– Wendell Berry

केंद्रीय बजट– 2024 में आयकर में किए गए प्रमुख बदलावों का विश्लेषण

रवि कुमार सिन्हा
वरिष्ठ प्रबन्धक
अंचल कार्यालय हैदराबाद

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत बजट 2024 में कराधान के नियमों में बहुत से बदलाव किए गए है। जैसे केपिटल गेन में बदलाव, नए कर रीजिम में बदलाव, एंजेल कर का खात्मा, टी डी एस, टी सी एस में सुधार सहित अन्य कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए है। वित्त मंत्रालय में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इन बदलावों से भारत में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष कर प्रक्रिया में सुधार होगा तथा एकरूपता आएगी। हलांकि किसी भी सरकार का मुख्य अजेंडा अपने मतदाताओं को लुभाना ही होता है फिर भी सुधार के नाम पर किए गए इन प्रावधानों को हम इस आलेख में बारिकी से देखेंगे। वित्त मंत्री द्वारा किए गए विभिन्न कर सुधारों में एक सुधार जो कि विद्वानो के बीच चर्चा का विषय तथा समाचार पत्रों का मुख्य शीर्ष बना रहा वह है– कैपिटल गेन में बदलाव, यह सर्वाधिक विवादित भी रहा। आइए, सबसे पहले इसे ही समझते है :

सूचीकरण लाभ (indexation benefit) का विलक्षण मामला

वित्त मंत्री ने अपने बजट भाषण में यह घोषणा की कि सभी प्रकार के दीर्घावधि पूंजीगत लाभ (LTCG) चाहे वह वित्तीय हो या गैर वित्तीय, अब कर की दर 20% की जगह 12.5% होगी। उनका मत था कि सभी प्रकार के पूंजीगत लाभों में कर की गणना करने में एकरूपता आए लेकिन बड़े ही चालाकी में बजट भाषण में यह नहीं बताया गया कि अब इस प्रक्रिया में करदाता को गैर वित्तीय पूंजीगत लाभ की गणना में सूचीकरण का लाभ नहीं मिलेगा। सीधे इसे वित्त विधेयक में जोड़ दिया गया ताकि कर विश्लेषकों तथा निवेशकों को समझने में समय लग जाए तब तक मामला आगे बढ़ जाए। गैर वित्तीय पूंजीगत लाभ में रियल इस्टेट, सोना इत्यादि खरीद शामिल है। मंत्रालय के अधिकारियों ने इस पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि सरकार यह नहीं चाहती है कि करदाता को किसी भी स्तर पर भेदभाव का सामना करना पड़े। सोना और रियल इस्टेट से प्राप्त दीर्घावधि आय पर सूचीकरण लाभ लेते हुए 20% कर की दर निश्चित की गई है जबकि इक्विटी में ऐसा नही है। इक्विटी में बिना सूचिकरण का लाभ लिए कर की दर को 12.5% रखा गया है। निवेशकों को इससे होने वाले लाभ/हानि को हम एक उदाहरण से समझते हैं।

मान लीजिए की आपने 2010–11 में कोई एक फ्लैट रु. 1 करोड़ में खरीदा था जिसे आपने 2024 में रु. 3 करोड़ में बेच दिया । इस मामले में अगर हम पुराने पद्धति से देखे तो उक्त फ्लैट का इंडेक्स्ड मूल्य रु. 2,17,36,526.00 हो गया अतः कुल लाभ रु. 82,63,474.00 पर 20% की दर से टैक्स रु. 16,52,695.00 बनता है। अब इसी को अगर नए पद्धति से देखें तो सीधे लाभ 2 करोड़ पर 12.5% की दर से टैक्स 25 लाख रुपए हो गया। इस प्रकार से नए पद्धति में कर अधिक देना पड़ेगा। निश्चय ही अब निवेशक रियल इस्टेट में निवेश करने से पहले इस पहलू पर विचार करेंगे। हालांकि कर विशेषज्ञयों का यह भी कहना है कि अगर संपत्ति का रेट 10% से 12% तक वृद्धि होती है तो निवेशकों को नए पद्धति में लाभ मिल सकता है लेकिन आम जनता को समझने में समय लगेगा।

सूचीकरण के विलोपन के भारी विरोध को देखते हुए वित्त मंत्री ने संसद में एक संसोधन विधेयक प्रस्तुत कर 23 जुलाई 2024 से पहले की खरीद पर कर निर्धारण करते समय नए और पुराने दोनों में सुविधानुसार कोई एक पद्धति का चुनाव करने का विकल्प खोल दिया है। सरकार ने 1 अप्रैल 2001 की एक सीमा तय की है जिसके पहले की खरीद पर सूचीकरण प्रक्रिया जारी रहेगी वहीं 23 जुलाई 2024 के बाद खरीदी गई

संपत्ति में बिक्री पर कर की गणना आवश्यक रूप से नए पद्धति में ही करनी होगी। अर्थात बिक्री मूल्य और खरीद मूल्य के अंतर को लाभ मानते हुए तथा बिना इंडेक्सेशन का लाभ लिए उसपर 12.5% का केपिटल गेन कर का भुगतान करना पड़ेगा।

अल्पावधि पूंजीगत लाभ (STCG) से प्राप्त लाभ पर कर में वृद्धि

इक्विटी शेयर या इक्विटी ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड की बिक्री से 12 महीने से कम समय में प्राप्त अल्पकालिक पूंजीगत लाभ (STCG) पर कर की दर को 15% से बढ़ाकर 20% कर दी गई है। इन परिवर्तनों का उद्देश्य उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों द्वारा पहले से प्राप्त कर लाभ को सीमित करना है। इससे निवेशको को लाभ में कमी आएगी तथा वे निवेश करने से बचेंगे। यह उच्च कर की दर मध्यम वर्ग के करदाता को भी प्रभावित करेगी।

डेरिवेटिव लेनदेन के मामले में प्रतिभूति लेनदेन कर में वृद्धि

आज के समय में इक्विटी डेरीवाटिव लेनदेन का प्रचलन बढ़ा है। निवेशक फ्युचर और ऑप्शन में खरीद बिक्री कर रहे हैं। सरकार की नजर यहाँ से प्राप्त होने वाले आय पर है। प्रतिभूति के ऑप्शन ट्रेडिंग पर लगने वाले प्रतिभूति लेनदेन कर (STT) को 0.625% से बढ़ाकर 0.1% कर दिया है वहीं प्रतिभूति में फ्युचर के बिक्री पर लगने वाले प्रतिभूति लेनदेन कर (STT) को 0.0125% से बढ़ाकर 0.02% कर दिया है। निश्चित ही सरकार को इससे आय में बढ़ोत्तरी होगी।

व्यक्तिगत करदाता को राहत

सरकार का लक्ष्य है कि सभी करदाता को नए कर रीजीम में लाया जाए। अतः पिछले दो वर्षों से कोई भी लाभ सिर्फ और सिर्फ वैसे करदाता को दी जा रही है जो अपना कर विवरणी नए कर रिजिम में प्रस्तुत करता है। आयकर विभाग के वेबसाइट पर दिए गए सूचना के अनुसार निर्धारण वर्ष 2024–25 में अभी तक 75% करदाताओ ने अपना विवरणी नए कर रिजिम (NTR) में दाखिल किया है।

बजट में वित्तमंत्री ने वैसे करदाता जो अपना कर विवरणी प्रस्तुत करने के लिए नए कर रिजिम का चुनाव करते हैं उन्हें मानक कटौति (standard deduction) में छुट की सीमा को रु. 50,000 से बढ़ाकर रु.75,000 कर दिया गया है। वेतनभोगी करदाता को इसमें कुछ लाभ मिल जाएगा।

आयकर सलैब में बदलाव

वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए फिर से नए कर रिजिम (NTR) में अपना कर विवरणी प्रस्तुत करने वाले करदाता के लिए आयकर का नया स्लैब का प्रस्ताव दिया है जो निम्नावत है :

आय (रु. में)	कर स्लैब
रु. 0–रु.3,00,000 तक	0%
रु. 3,00,001–रु.7,00,000 तक	5%
रु. 7,00,001–रु.10,00,000 तक	10%
रु. 10,00,001–रु.12,00,000 तक	15%
रु. 12,00,001–रु.15,00,000 तक	20%
रु.15,00,000 से ऊपर का आय	30%

अगर वर्तमान और प्रस्तावित कर स्लैब का विश्लेषण करें तो हम पाते हैं कि पिछले वित्त वर्ष में 5% कर के दायरे में 3 लाख से 6 लाख तक का ही आय था जो इस बार बढ़ाकर 7 लाख कर दिया गया है। इस प्रकार एक लाख पर जो अब तक 10% कर लगता था अब 5% ही लगेगा।

इसी प्रकार अब तक 10% के कर दायरे में 6 लाख से 9 लाख तक की आय था इसे बढ़ाकर 7 से 10 लाख कर दिया गया है। यहाँ भी करदाताओं को एक लाख की आय पर 15% की जगह 10% ही कर देना पड़ेगा। इस प्रकार वैसे करदाताओं को, जो कि अपना कर विवरणी करके नए रिजिम में प्रस्तुत करना चाहते हैं, उन्हें लाभ दिया गया है।

नेशनल पेंशन प्रणाली (NPS) के अंतर्गत कटौती में वृद्धि

सरकारी कर्मचारियों को वर्तमान में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) में उनके योगदान पर 14% की कटौती मिलती हैं। इस बजट में हुए परिवर्तनों में नए कर रिजिम (NTR) को चुनने वाले निजी क्षेत्र में काम कर रहे कर्मचारियों के लिए एनपीएस में नियोजित योगदान की स्थिति 10% से बढ़ाकर 14% कर दी गई है।

पारिवारिक पेंशन के कटौती में वृद्धि

फैमिली पेंशन के मामले में थोड़ा राहत देते हुए सरकार ने इस

बजट में कटौती की सीमा को रु.15,000 से बढ़ाकर रु.25,000 कर दिया गया है।

टीडीएस और टीसीएस को तर्कसंगत बनाना

वेतन के अलावा अन्य आय के स्रोतों पर एकत्रित कर (TCS) और स्रोतों पर लगाए गए कर (TDS) को अब वेतन से प्राप्त आय पर कर कटौती के लिए योग्य माना जाएगा। इस परिवर्तन का उद्देश्य करदाता कर्मचारी के लिए नकदी प्रवाह की चुनौतियों को कम करना है, जिससे उन्हें विदेशी प्रेषण और वाहन खरीद जैसे स्रोतों से टीसीएस का दावा करने के साथ-साथ ब्याज और लाभांश से आय पर टीडीएस का दावा करने की अनुमति मिलती है। सरकार ने कुछ विशेष व्यक्तिगत करदाताओं और हिन्दू अविभाजित परिवार के लिए निवासी मकान मालिक को प्रति माह 50,000 रुपये से अधिक किराए के भुगतान पर कर कटौती की दर (TDS) को 5% से घटाकर 2% कर दिया है। इस परिवर्तन का उद्देश्य करदाताओं के बीच अनुपालन को बढ़ाना और अपनी संपत्ति किराए पर देने वालों के लिए शुद्ध किराये की आय को बढ़ावा देना है।

शेयर बायबैक की राशि पर कर लगाना

कंपनी द्वारा शेयर के बायबैक के मामले में सरकार ने थोड़ा बदलाव किया है। इस मामले में बजट 2024 के प्रस्तावों के अनुसार, बायबैक शेयरधारकों के लिए लागू कर को 'अन्य स्रोतों से आय'(income from other sourses) की श्रेणी के तहत कर योग्य होगा। शेयरधारक इस लाभांश आय में से इससे संबंधित अगर कोई व्यय हुआ हो तो उसकी कटौती नहीं कर पाएंगे। शेयरधारकों द्वारा किए गए अधिग्रहण की लागत को पूंजीगत हानि के रूप में वर्गीकृत किया जाएगा जिसे भविष्य में प्रासंगिक पूंजीगत लाभ के विरुद्ध आगे बढ़ाया या समायोजन किया जा सकता है।

इस प्रक्रिया से बायबैक निष्पादित करने वाली कंपनियों को होने वाले लाभ पर घरेलू संस्थाओं और अनिवासी भारतीयों पर लागू 10% की दर से कर की कटौती करना आवश्यक है। ये परिवर्तन 1 अक्टूबर 2024 को या उसके बाद किए गए किसी भी बायबैक के लिए प्रभावी होंगे। इस प्रक्रिया के कारण कंपनियों को अपने पास मौजूद किसी भी अतिरिक्त नकदी को वितरित करने के लिए एक छोटी व्यवस्था बन जाएगी।

एंजेल कर का उन्मूलन

एंजल टैक्स आयकर अधिनियम की धारा 56(2)(viib) के तहत भारतीय स्टार्टअप पर लगाया जाने वाला कर है, जिसे स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 से समाप्त कर दिया गया है। इसे 2013 में लगाया गया था। इस कर का उन्मूलन कर दिया जाएगा यह अनुमान भी नही लगाया जा सकता था। अब एंजेल निवेशक को कर देने की आवश्यकता नही है जिसके कारण स्टार्ट अप में निवेश की संभावना प्रबल होगी। यह बिलकुल आशा के विपरीत था क्योंकि इतने वर्षों में उद्योग जगत ने इसे अंगीकार कर लिया था तथा सरकार ने भी इसे संसोधन की श्रेणी में रखा था। फिर भी वित्त मंत्रालय के अधिकारियों का कहना है कि इस कर की आवश्यकता नही है। इसके कारण निवेश में अवरोध देखी गई है विशेषतः स्टार्ट अप उद्योग के विकास में यह गति देगी।

सोना (Gold) पर सीमा शुल्क कम करना

बजट में व्यापार प्रक्रियाओं को सरल बनाने और विवादों को कम करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने और चांदी पर सीमा शुल्क 15% से घटाकर 6% कर दिया गया है। प्लैटिनम पर शुल्क 6.4% निर्धारित किया गया है। सोने पर सीमा शुल्क कम होने से भारतीय वायदा बाज़ार में सोने की कीमत में लगभग 3000 रु की गिरावट दर्ज की गई। सोने पर सीमा शुल्क में कटौती से घरेलू सोने की कीमत कुछ समय के लिए 77,000 प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे आ गया था। ग्राहकों और निवेशकों की तेज ख़रीदारी के कारण इसमें मजबूती आई और जल्द ही यह फिर से 80,000 के पार चला गया है। हालांकि आयात शुल्क में 9 प्रतिशत की कटौती से भविष्य में सोने के आयात में उछाल देखने को मिल सकता है।

इस संदर्भ में यह भी उल्लेखनीय है कि सोने के दाम में तेज वृद्धि के कारण भारतीय रिजर्व बैंक डिजिटल गोल्ड बॉन्ड (sovereign gold bond) पर भी फिलहाल रोक लगा दिया है।

विवाद से विश्वास योजना

आयकर विभाग में लंबित मामलों की विशाल संख्या को देखते हुए 2020 में भारत सरकार ने विवाद से विश्वास योजना की

शुरुआत की थी। इससे करदाताओं को स्पष्टता और समय की बचत हुई और योजना सफल हुई है। असंख्य मामलों का निपटारा हो चुका है। लेकिन इसके उलट अपील में मामलों की संख्या बढ़ती गई। इस योजना की सफलता और आयकर विभाग में लंबित अपीलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस बजट में एक नई प्रत्यक्ष कर विवाद से विश्वास योजना 2024 प्रस्तावित की गई है। यह योजना सरकार द्वारा घोषित की जाने वाली नई तिथि से प्रभावी होगी। करदाताओं को आशा करना होगा कि नई योजनाएँ उनके विवाद को समाप्त करने में महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी।

विदेशी कंपनियों के लिए कर की दर में कमी और समतुल्यकरण शुल्क का विलोपन:

बजट 2024 में सरकार ने कॉर्पोरेट कर में कमी की है। विदेशी कंपनियों के लिए कॉर्पोरेट कर की दर को वर्तमान नियमों के तहत 40% से घटाकर 35% कर दिया गया है। वर्तमान समय में गैर–निवासी (NRI) ई–कॉमर्स ऑपरेटर को ई–कॉमर्स आपूर्ति या सेवाओं पर 2% की दर से समतुल्यकरण शुल्क देना होता हैं। अस्पष्टता और अनुपालन बोझ को कम करने के उद्देश्य से 2% का समतुल्यकरण कर को समाप्त करने का प्रस्ताव इस बजट में दिया गया है। यह 1 अगस्त 2024 से प्रभावी होगा। हालांकि ऑनलाइन विज्ञापन पर 6% समतुल्यकरण शुल्क लागू रहेगा।

कुल मिलाकर हम कह सकते है कि बजट 2024 में अर्थवस्था को गति देने तथा सरकार के आय को बढ़ावा देने को प्रमुख लक्ष्य रखा गया है। कॉर्पोरेट जगत को 5% का छूट देकर आकर्षित करने का उद्देश्य है वही मध्यम वर्ग के करदाता को थोड़ी राहत देकर मुख्य मतदाता वर्ग को लुभाने का प्रयास है।

*****

"In economics, hope and faith coexist with great scientific pretension and also a deep desire for respectability."

John Kenneth Galbraith

Wisdom capsule

The Bamboo and the Oak Tree

Once upon a time, in a dense forest, there lived a tall and mighty oak tree. It was proud of its strength and stature, towering over all the other trees around it. Nearby, there also grew a slender and humble bamboo. The oak tree often mocked the bamboo for being thin and weak, swaying easily with every gust of wind.

“Look at you," the oak would say. "You're so frail and weak. You bend and sway with the slightest breeze, while I stand tall and firm, unshaken by the strongest of storms.”

The bamboo would listen quietly and respond with humility, "Yes, I may bend, but I do not break. I have learned to go with the flow of the wind and yield to its force.”

One day, a powerful storm swept through the forest. The winds howled and the rain poured down relentlessly. The mighty oak stood tall, resisting the force of the storm with all its might. The bamboo, as always, bent low, almost touching the ground, yielding to the force of the wind.

As the storm grew stronger, the oak tree could no longer withstand the relentless force. With a loud crack, its roots were torn from the ground, and the great oak came crashing down. When the storm finally passed, the forest was in ruins. Trees had fallen, branches were scattered, and the mighty oak lay on the ground, broken and defeated.

The bamboo, however, stood tall once again, unharmed by the storm. It had bent, but it had not broken. The other trees in the forest marvelled at the bamboo's resilience.
The bamboo, noticing the fallen oak, said gently, "It is not always the strongest who survive, but those who are adaptable and flexible. By yielding to the forces of nature, I was able to withstand the storm."

Moral: Flexibility and adaptability are more powerful than rigid strength. By yielding in difficult times, one can survive and even thrive.

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

देश को फिर से सोने की चिड़ियां बनाना है

मोनालिसा पंवार
ग्राहक सेवा सहयोगी
जोधपुर पाल रोड, एलआईसी सीए

दूर तक फैले इन मैदानों में
जब हरी चूनर लहराती हैं ।
मत पूछो दिल को
कितना सुकुन दे जाती है ॥

कितना पसीना बहता है
किसान जब ख़ुद हल बनता है ।
रक्त का कतरा कतरा सींचता है
जब जाकर खेतों में धान उगता है ॥

बादलों की राह देखकर कभी उम्र गुजर जाती है
कभी बाढ़ में भूमि बह जाती है ।
केवल भूमि नहीं, एक किसान के जीवन का सार है
किस तरह बचाएं ख़ुद को रहती यहीं पुकार है ॥

कई बार कर्ज़ की बेड़ियों में जीवन की हार है
और कहीं साहूकारों का कठोर अत्याचार है ॥

फिर भी किसान कहां डगमगाता है
अपने कर्त्तव्य पथ पर निरंतर बढ़ता जाता है ।
हर वर्ष की भांति नई आस है
अपनी धानी चूनर की प्यास में ॥

हरियाली भरे खेत हो या धान की फलियां
सबकी अपनी अहमियत है ।
बन जाएं उनका सहारा, जिन्हें हमारी जरूरत है
बैंकों में है सुविधाएं अनेक
रूबरू किसान भाईयों को करवाना है ॥

ना पड़े साहूकारों के चक्कर में
उन्हें यह पाठ पढ़ाना है ।
बैंकों का थाम कर हाथ उन्हें आगे बढ़ाना है
हमारे देश को फिर से सोने की चिड़ियां बनाना है ॥

केसरिया ध्वज

अस्मिता द्विवेदी
अधिकारी
खेवमंडी शाखा जबलपुर

केसरिया ये ध्वज हमारा, सदा अंबर पर लहराए ।
खेतों की फसलों में महके, पेड़ों की डाली पर चहके ॥
बनकर एक चमकीला तारा, आसमान में टिमटिमाए ।
केसरिया ये ध्वज हमारा, सदा अंबर पर लहराए ॥

यहां हिमालय पर्वत शिखर, यहां बहती पावन गंगा है ।
यहां काले गोरे का भेद नहीं, हर वर्ण एक माला का मनका है ॥
एक धागे से बंधे हुए हम, आपस में भाई कहलाएं ।
केसरिया ये ध्वज हमारा, सदा अंबर पर लहराए ॥

यहां सीमा पर जवान खड़े हैं, यहां खेतों में किसान डटे हैं ।
धरती आज भी उगले सोना, यहां खनिजों के भंडार भरे हैं ॥
ऐसी स्वर्णिम भूमि हमारी, हम औरों से क्यों घबराएं ।
केसरिया ये ध्वज हमारा, सदा अंबर पर लहराए ॥

गीता और कुरान यहीं हैं, हिंदु और मुसलमान यहीं हैं ।
जाति धर्म में बटें हैं फिर भी एकता का ज्ञान यहीं हैं ॥
आपस में मिलकर हम सब एक ही गीत गुनगुनाएं ।
केसरिया ये ध्वज हमारा, सदा अंबर पर लहराए ॥

ऐसी पावन भूमि पर जन्म कुछ सद्कर्मों के बाद मिले ।
सौभाग्य हमारा है कोटि कोटि, जो हम भारत के लाल हुए ॥
है गर्व हमें, हम भारतवंशी, मातृभूमि पर शीश नवाएं ।
केसरिया ये ध्वज हमारा, सदा अंबर पर लहराए ॥

ESG Awards

"We are Honoured and delighted to announce that our Bank has been recognised for "Excellent practices and adoption of ESG initiative" in the "2nd ICC Emerging Asia Banking Conclave 2024", organised by the Indian Chamber of Commerce (ICC) on August 23rd in New Delhi. The prestigious award was received by Shri Uday Sankar Majumder, Chief General Manager, Risk Management Wing, Head Office.

मंजिल

अमित कुमार
अधिकारी
डुमरांव शाखा

ऐसी क्या कमी रह गई कोशिश में,
की तू मंजिल को पा ना सका!
कैसी लड़ाई थी तेरी जो,
थोड़ी और हिम्मत तू जुटा ना सका!
कोशिश की होती थोड़ी और सही,
तो हार देखने को ना मिलता कभी!!

क्या कमी रह गई तेरे सपनों के उड़ान में,
कि तू खुद से नज़रे मिला ना सका!
बीत गई जो बीती बातें,
उनको भूलकर निकल जा आगे!
उठकर फिर से लग जा एक नए प्रयास में,
मंजिल को फिर से पाने की आस में!!

कमियों को दूर कर,
गलतियों में सुधार कर,
हार को भूलकर,
फिर से नया प्रयास कर!
मंजिल भले ही दूर हो, पर
प्रयास करना अपना दस्तूर हो!

अपनी लड़ाई खुद से है,
दूसरो का ना दोष है!
असफलता से मत घबराना,
कठिन डगर पर चलते जाना,
मंजिल एक दिन जरूर मिलेगी ,
सारी दुनियां जय – जयकार करेगी!!

Answers to the Agriculture Crossword on page 50

	1 B											2 C						3 S		4 F		
	A									5 A	G	R	I	6 C	U	L	T	U	R	E		
	N											E		O				B		R		7 H
	K											D		O				S		T		O
8 F	I	N	A	N	C	E						I		9 P	E	S	T	I	C	I	D	E
	N						10 M					T		E				D		L		
11 A	G	R	I	B	U	S	I	N	E	S	S			R				Y		I		
G							C							A						Z		
R							R							T					12 S	E	E	D
O					13 C	R	O	P	R	O	T	A	T	I	I	N			O	R		
14 C	O	W					F							V					I			
H							I			15 H	A	R	V	E	S	T			L			
E		16 F	A	R	17 M	I	N	G														
M					O		18 A	G	R	O	N	O	M	Y								
I		19 W			N		N															
C		A			S		C			20 C	O	M	M	O	D	21 I	T	Y				
22 A	G	R	O	F	O	R	E	S	T	R	Y					N						
O		E			O				23 S	O	W	I	N	G		S						
S		H			N					P						U						
		O														R						
		U		24 M												A						
25 S	U	S	T	A	I	N	A	B	I	26 L	I	T	27 Y			T						
O		I		R						O			I			C						
I		N		K						A			E			E						
L		G		E			28 L	O	A	N			L									
H				T						W			D									
E				P						A												
A				R						I												
L				I				29 L	I	V	E	S	T	O	C	K						
T				C						E												
H				E				30 I	R	R	I	G	A	T	I	O	N					

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ सिंडिकेट Syndicate

गोवा की महान रसोइया : रेशमा की कहानी

प्रिया पंवार
अधिकारी
प्रतापपुर शाखा, मेरठ

प्राचीन काल में गोवा के एक छोटे से गाँव में रेशमा नाम की एक लड़की रहती थी। रेशमा के हाथों में जादू था। वह जो भी पकाती, वह इतना स्वादिष्ट होता कि खाने वाले उसे कभी नहीं भूल पाते। लेकिन अफसोस की बात थी कि उसके गाँव और परिवार में किसी ने भी उसकी इस प्रतिभा को कभी नहीं पहचाना।

रेशमा का परिवार उसे हमेशा साधारण घर के कामों में उलझाए रखता। वे उसे सिर्फ एक साधारण लड़की समझते थे और मानते थे कि उसका कर्तव्य बस घर संभालने तक ही सीमित है। लेकिन रेशमा का दिल खाना पकाने में रमता था। वह गोवा के पारंपरिक व्यंजनों में नए–नए प्रयोग करती, उन्हें और भी स्वादिष्ट बनाने की कोशिश करती।

वह रोज़ाना अपनी माँ से गोवा के पारंपरिक व्यंजन बनाना सीखती थी, जैसे फिश करी राइस, जिसमें ताज़ी मछली, नारियल का दूध और खास गोवन मसालों का उपयोग होता था। पोई, गोवा की पारंपरिक ब्रेड, जिसे वह अपने हाथों से गूंथकर बनाती और उसके साथ सरपोटेल, जो कि सूअर के मांस से बनने वाला एक मसालेदार व्यंजन था, उसे बड़े चाव से बनाती। रेशमा को खाना पकाने में बहुत खुशी मिलती थी, लेकिन उसकी इस कला को उसके परिवार और गाँव वाले कभी नहीं समझ सकें। वे उसे कभी आगे बढ़ने का मौका नहीं देते थे।

एक दिन, गोवा में एक प्रसिद्ध व्यापारी का काफिला उनके गाँव से गुजरा। वे व्यापारी गोवा के खास मसालों और व्यंजनों का व्यापार करते थे। रास्ते में उन्हें भूख लगी, और उन्होंने गाँव के लोगों से खाने की मांग की। गाँव वालों ने रेशमा से खाना बनाने को कहा। रेशमा ने अपने खास व्यंजन चिकन कैफ्रील और पॉम्फेट रेज़ाडो बनाए। साथ ही, उसने गोवा पोर्क विडालू और चिकन ज़ाकुती भी परोसे।

पॉम्फ्रेट रेज़ाडो : जिसमें मछली को हल्दी, लाल मिर्च और खट्टे मसालों में मेरिनेट करके तवे पर हल्के तेल में पकाया जाता था, यह रेशमा की खासियत थी। वह गोवा की प्रसिद्ध मिठाई बिबिंका भी बनाती थी, जिसमें नारियल का दूध, अंडे और चीनी का मेल होता है और जिसे परत–दर–परत तवे पर पकाया जाता था।

गोवा पोर्क विंडालू : इस डिश में सूअर का मांस, प्याज, मिर्च, लहसुन के साथ सिरका और दूसरे मसाले होते हैं। मिर्च और दूसरी सामग्री का इस्तेमाल करके मसाला तैयार किया जाता है और फिर इसे मांस और सिरके के साथ मिलाया जाता है।

चिकन कैफ़्रील : कैफरियल चिकन एक मसालेदार हरे रंग का व्यंजन है जो आपके मुंह में पानी ला देगा। हरी मिर्च, जड़ी–बूटियाँ और विभिन्न मसालों को एक साथ पीसकर चिकन के लिए मसाला बनाया जाता है। फिर चिकन को इस मसाले के साथ मिलाकर तला जाता है।

चिकन ज़ाकुटी : चिकन ज़ाकुटी में खसखस और कश्मीरी लाल मिर्च होती है। यह एक और पुर्तगाली प्रभाव वाला प्रसिद्ध गोवा का भोजन है। कश्मीरी मिर्च का विशेष रूप से उपयोग किया जाता है क्योंकि वे तीव्र तीखा स्वाद देते हैं और पकवान को रंग भी देते हैं। यह सबसे लोकप्रिय गोवा के भोजन में से एक है।

जब उन व्यापारियों ने रेशमा का बनाया खाना चखा, तो वे उसके स्वाद से मंत्रमुग्ध हो गए। उन्होंने रेशमा से पूछा कि उसने ये व्यंजन कहाँ से सीखे और क्या वह उनके साथ यात्रा करके अन्य जगहों पर भी खाना बना सकती है। यह सुनकर रेशमा के परिवार वाले हैरान रह गए, लेकिन रेशमा ने यह अवसर हाथ से नहीं जाने दिया।

रेशमा उन व्यापारियों के साथ चली गई और धीरे–धीरे उसकी ख्याति दूर–दूर तक फैलने लगी। उसने गोवा के पारंपरिक व्यंजनों को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उसकी बनाई हुई सोरपोतेल, एक्सेल मछली करी, चिकन ज़ाकुति और काकन करी ने पूरे विश्व में नाम कमाया।

रेशमा ने अपने व्यंजनों को नए अंदाज में पेश किया और उनके स्वाद को और निखारा। उसके बनाए व्यंजन इतने लोकप्रिय हो गए कि लोग दूर–दूर से उसे बुलाने लगे। उसकी प्रतिभा ने उसे एक सामान्य गाँव की लड़की से एक विश्व प्रसिद्ध शेफ बना दिया।

इतनी सफलता के बाद भी रेशमा अपने गाँव और परिवार को नहीं भूली। उसने अपने गाँव में एक बड़ी रसोई बनाई, जहाँ गाँव की औरतों को खाना बनाना सिखाया और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया। उसके गाँव के लोग, जो कभी उसकी प्रतिभा को नहीं समझ सके थे, अब उसकी सफलता पर गर्व करते थे।

रेशमा की कहानी इस बात का प्रमाण है कि सच्ची प्रतिभा को कोई भी दबा नहीं सकता। उसके व्यंजन आज भी गोवा की रसोई का अहम हिस्सा हैं और उसका नाम हमेशा के लिए गोवा की संस्कृति में अमर हो गया।

*****

स्वच्छ है, शीतल है गोवा

नितिन गुप्ता
अधिकारी
वास्को–डा–गामा

सबके दिलों की जान है गोवा
हर दिल का अरमान है गोवा
परशुराम की मिट्टी गोवा
मौज मस्ती की धरती गोवा

पुर्तगालियों ने इसपे राज किया
सन इकसठ में इसे आज़ाद किया
हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई
सब धर्मो का भाईचारा है गोवा

अबीर के रंगो में है गोवा,
अज़ानों की आवाज़ में है गोवा
संत जेवियर की माँ है गोवा,
शांतादुर्गा का आशीष है गोवा

शांत सागर की लहरों में गोवा
रात के बाज़ारों की रौनक है गोवा
काजू की भीनी खुशबु यहाँ,
तो हापुस की मिठास भी है गोवा

मिल जुल के सब साओ जाओ मनाते है,
तो दिवाली ईद पे भी सबके घर जाते हैं,
नरकासुर की झांकी भी है यहाँ
तो रंग बिरंगा कार्निवल है गोवा

कल कल बहते झरने यहाँ,
तो खारे पानी का सागर है गोवा
सबका प्यारा गोवा हमारा
स्वच्छ है, शीतल है गोवा

Painting by:
Master Vihaan
S/o Priyadarshini R.
Senior Manager
HML section

Sketch by:
Megha Benedicta Minz
Officer,
Specialized Govt Business Branch,
Lucknow

Maintaining Gut Health

Dos and Don'ts

Gut health plays a crucial role in overall well-being, affecting everything from digestion to mood. The gut is home to trillions of bacteria, viruses, and fungi, collectively known as the gut microbiome. A balanced microbiome supports digestion, nutrient absorption, immune function, and even mental health. Here's a guide on what to do and what to avoid to maintain a healthy gut.

Dos

1. **Eat a Diverse Range of Foods :** A varied diet encourages the growth of different types of gut bacteria, each of which benefits your health in different ways. Incorporate a variety of fruits, vegetables, whole grains, and lean proteins into your meals.
2. **Consume Probiotic-Rich and Fermented Foods :** Probiotics are live bacteria that are beneficial to your gut. Foods like Curd, Idli, Dosa, Paneer, whole wheat bread are rich in probiotics. They help maintain a healthy balance of gut bacteria.
3. **Include Prebiotics in Your Diet :** Prebiotics are non-digestible fibres that feed the good bacteria in your gut. Foods like garlic, onions, bananas, lentils, flaxseeds and oats are excellent sources of prebiotics.
4. **Stay Hydrated :** Drinking plenty of water is essential for maintaining a healthy gut. Water helps to cleanse the gut, supports digestion, and promotes a balanced environment for gut bacteria.
5. **Exercise Regularly :** Physical activity can increase the diversity of your gut microbiome. Aim for at least 30 minutes of moderate exercise most days of the week, whether it's walking, cycling, or yoga.
6. **Get Enough Sleep :** Quality sleep is vital for overall health, including gut health. Poor sleep can negatively impact your gut microbiome. Aim for 7-9 hours of uninterrupted sleep each night.
7. **Manage Stress :** Chronic stress can harm your gut bacteria, potentially leading to digestive problems. Practice stress management techniques such as meditation, deep breathing, or mindfulness to keep your gut in balance.

Don'ts

1. **Avoid Excessive Sugar and Artificial Sweeteners :** High sugar intake and artificial sweeteners can disrupt the balance of gut bacteria, leading to a decrease in beneficial bacteria and an increase in harmful ones. This imbalance can contribute to digestive issues and inflammation.
2. **Limit Processed Foods :** Processed foods are often high in unhealthy fats, sugars, and artificial additives, which can negatively affect gut health. These foods may decrease gut bacteria diversity and increase the risk of digestive problems.
3. **Don't Overuse Antibiotics :** While antibiotics are necessary for treating bacterial infections, they can also kill beneficial bacteria in your gut. Only use antibiotics when prescribed by a healthcare provider, and take them exactly as directed.
4. **Avoid Excessive Alcohol Consumption :** Excessive alcohol can disrupt the gut microbiome, leading to a decrease in beneficial bacteria and an increase in harmful ones. It can also damage the gut lining, leading to a condition known as leaky gut.
5. **Don't Ignore Food Intolerances :** Consuming foods that your body doesn't tolerate well can lead to inflammation and other gut issues. Common intolerances include lactose, gluten, and certain food additives. Pay attention to how your body reacts to different foods and avoid those that cause discomfort.
6. **Don't Skip Meals :** Irregular eating patterns can disrupt the balance of your gut bacteria and lead to digestive issues. Try to eat regular, balanced meals to keep your gut functioning smoothly.
7. **Avoid Smoking :** Smoking has been linked to significant changes in gut bacteria, reducing the diversity and promoting the growth of harmful bacteria. Quitting smoking can improve your gut health and overall well-being.

Conclusion : Maintaining gut health is about balance and consistency. By following these dos and don'ts, you can support a healthy gut microbiome, which in turn will contribute to your overall health. Remember, changes in diet and lifestyle can take time to show results, so be patient and consistent with your efforts.

"Fish Ambotik"
(Goan Fish Curry)

– Recipe by HML Team

Fish Ambotik is a quintessential Goan dish showcasing the states love for bold flavours and fresh sea food. This spicy and sour curry is a staple in every Goan household. It is influenced by Portugeese and Indian traditions.

Nutritional benefits: Fish is rich in protein and Omega 3 fatty acids like (EPA and DHA) which is said to aid heart, eye and cognitive health. It is a rich source of vitamins (Vit D,B12 and B6) and minerals like Selenium and Zinc. It is low in calories and high in protein which supports in weight loss. Spices like turmeric, cumin, garlic are revered for their medicinal properties. They are rich in anti oxidants and have anti-cancer properties. Coconut milk is rich in healthy fats, protein and fibre.

Vegetarians can replace fish with vegetables like brinjal, potatoes, cauliflower etc.

INGREDIENTS:

For the curry paste : *

- 1 cup grated coconut
- 2-3 dried red chilies
- 2 cloves garlic
- 1 small onion
- 1 teaspoon coriander seeds
- 1 teaspoon cumin seeds
- ½ teaspoon turmeric powder
- ½ teaspoon red chili powder
- Salt, to taste
- 2 tablespoons Sour tamarind paste or kokum (alternatively 2 tablespoons vinegar)
- 2 tablespoons water

For the curry :

- 500g fish (pomfret, kingfish, or mackerel), cut into medium-sized pieces
- 2 medium-sized onions, chopped
- 2 medium-sized tomatoes, chopped
- 2-3 green chilies
- 2 tablespoons coconut oil
- Curry paste *
- 1 cup coconut milk
- Fresh coriander, for garnish

INSTRUCTIONS:

1. Soak dried red chilies in water for 30 minutes. Drain and grind with remaining curry paste ingredients.
2. Heat oil in a pan and sauté onions until golden.
3. Add tomatoes and green chilies. Cook until tomatoes soften.
4. Add fish pieces and cook for 2-3 minutes.
5. Add curry paste, coconut milk, and salt. Mix well.
6. Simmer for 10-15 minutes or until fish is cooked.
7. Garnish with coriander and serve with rice or roti.

VARIATIONS:

- Use different types of fish or seafood like shrimps.
- Add potatoes or vegetables for added flavour.

Experience the authentic taste of Goa with Fish Ambotik. This flavourful dish is sure to tantalize your taste buds and leave you craving for more.

*****

केनरा बैंक Canara Bank
(भारत सरकार का उपक्रम) (A Government of India Undertaking)
ಕೆನರಾ ಸಿಂಡಿಕೇಟ್ Syndicate

Shreyas, in homage to Canbank's departed souls, pray that they rest in bliss, in eternal peace.

Death, said Milton, is the golden key that opens the palace of eternity.

Name	Staff No	Designation	Branch	Expired on
NAVEEN KUMAR	839689	PROB OFFICER	AMBALA CONTONMENT MAIN	31-05-2024
BOTTA PYDIKONDA	80716	HK CUM OFF ASST	VISAKHAPATNAM NATHAYAPALEM	02-06-2024
H.S. LALHRINPUIA	794567	HK CUM OFF ASST	LUNGLEI	02-06-2024
SUTHANTHIRA SELVAN R	73292	CSA	VELLITHIRUPPUR	10-06-2024
RATILAL M VAGHELA	480792	OFFICE ASSISTANT	KUDASAN (STN HQ ARMY CANTT)	23-06-2024
ABHIJIT BALA	602129	CSA	KANKURIA	26-06-2024
SATISH ATMARAM BANE	70020	CSA	MUMBAI JOGESHWARI	03-07-2024
RAM PRAKASH	68800	HK CUM OFF ASST	NIDHAULI KALAN	05-07-2024
V D SHANMUKHAN	73376	SR OFFICE ASST	KALPETTA LBO	08-07-2024
RAJ KUMAR	63172	CSA	BARAPIND N R I	09-07-2024
I TIRUPATAMMA	476142	OFFICE ASSISTANT	VIJAYAWADA CUR CHEST	15-07-2024
G. SIVALINGAM	66287	CSA	THEERTHAMALAI	20-07-2024
UMESH KUMAR BEHERA	564650	MANAGER	KANAKAPURA	29-07-2024
A. BALAGANESAN	72762	SR OFFICE ASST	CHINNAKALAYAMPUTHUR	06-08-2024
VADATHYA MOHAN	102529	OFFICER	DHARMAVARAM	08-08-2024
RATHISHA	85880	HK CUM OFF ASST	NITK CAMPUS BRANCH SURATKAL	14-08-2024
H. DWARAKANATH	449445	CSA	SHIMOGA GANDHI BAZAR MAIN	25-08-2024

The Secret History of the Sackler Dynasty: Empire of Pain

— Patrick Radden Keefe

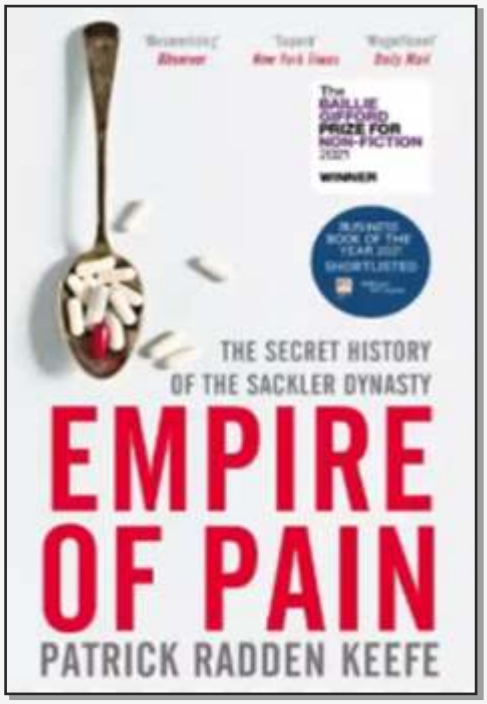

MRP: ₹149 | Pages: 247
Language: English | Genre: Self Help

"The Secret History of the Sackler Dynasty: Empire of Pain" by Patrick Radden Keefe is a vastly researched book that delves into the rise and fall of the Sackler Family, an American family who owned the pharmaceutical company Purdue Pharma, known for developing the highly addictive drug OxyContin. The book narrates the journey of a family whose history is covered in controversy, mainly due to their role in igniting and fuelling the opioid crisis in America.

The author begins the book by recounting the early years of the Sackler dynasty, mainly briefing about Arthur Sackler, a brilliant person in terms of intellect but morally questionable figure. It also covers the family's business dealings and sheds light into their philanthropic efforts, which allowed them to brand themselves as positive public figures and shield them from public scrutiny.

What makes the book a compelling read is the way the author brings into light the multifarious layers of corporate mis-dealings, how corporates cover their malfeasance through misleading marketing practices that ultimately allowed Purdue Pharma to avoid accountability for years. It even explains the personal stories of the people who were affected by the crisis, giving a raw, painful human dimension to the tragedy.

Keefe's writing is investigative and immensely rich with detail, giving the reader a clear picture of greed, power, and the devastating impact of corporate irresponsibility. The book is true crime but gives the reader a feel of reading a fiction crime novel. As "The Times" had noted, 'You feel almost guilty for enjoying it so much.'

Ultimately, Empire of Pain is not just a story about a powerful family. It is a broader indictment of corporate greed, grandeur, and manipulation. It is must-read and truly engaging one for anyone interested in understanding the opioid epidemic.

By HM&L Section

दिनांक 17.09.2024 को प्रधान कार्यालय के प्रांगण में आयोजित हिन्दी पखवाड़े के उद्घाटन में हिन्दी नारे का विमोचन करते हुए प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के सत्यनारायण राजु, कार्यपालक निदेशक श्री देबाशीष मुखर्जी, श्री हरदीप सिंह अहलूवालिया और श्री भवेंद्र कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री नबीन कुमार दास और महाप्रबंधक श्री टी के वेणुगोपाल।

MD & CEO Sri. K Satyanarayana Raju, along with EDs Sri Debashish Mukherjee, Sri, Hardeep Singh Ahluwalia, and Sri. Bhavendra Kumar, CVO Sri. Nabin Kumar Dash, and GM Sri. T K Venugopal, releasing Hindi Slogans at the Hindi Fortnight Inauguration ceremony held at HO Bengaluru on 17.09.2024.

प्रबंध निदेशक व मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री के सत्यनारायण राजु दिनांक 29.08.2024 को चेन्नई अंचल कार्यालय का दौरा करते हुए। चित्र में उप महाप्रबंधक श्री वाई शंकर एवं अन्य अधिकारी भी दिखाई दे रहे हैं।

MD & CEO Sri. K Satyanarayana Raju on his visit to Chennai CO on 29.08.2024. DGM Sri. Y Shankar, and other executives are also seen in the picture.

केनरा बैंक
Canara Bank
A Government of India Undertaking

Together We Can

FULFILLING THE ASPIRATIONS of YOUNG INDIA

PRESENTING

Canara Aspire

You Aspire,
We Empower

AN EXCLUSIVE SAVINGS ACCOUNT FOR YOUTH - 18 to 28 years

For the first time in Indian Banking industry

FREE* Certificate Courses from **coursera**

Avail Education Loan

Enjoy 0.50% additional concession on interest rate

Seamless Upgrade

To Canara Premium Payroll A/c on being employed

and many more...

Debit Card based offers

Airport Lounge | amazon | bookmyshow | gaana | SWIGGY one LITE

Visit your nearest branch for more details.

Scan QR Code to know more

*T&C apply

रजिस्ट्रेशन सं./Registration No. 36699/83

90760 30001 | 1 Bank Number 1800 1030 | www.canarabank.com